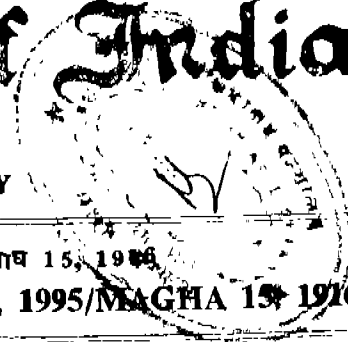




भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रामाणिक एवं प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 5]
No. 5]

नई दिल्ली, कलिवार, फरवरी 4, 1995/ माघ 15, 1946
NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 4, 1995/MAGHA 15, 1946

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएँ
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government
of India (other than the Ministry of Defence)

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1995

का.आ. 227—राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिये प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, गृह मंत्रालय के निम्नलिखित कार्यालय में हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों की संख्या 80 प्रतिशत से अधिक हो जाने के फलस्वरूप उसे एतद्द्वारा अधिसूचित करती है:—

“कार्यालय पुलिस महानिरीक्षक, बिहार सैक्टर, के.रि. पु. बल, पटना, बिहार”।

[सं. 12017/1/95—हिन्दी]
के.सी. कपूर, निदेशक

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
New Delhi, the 18th January, 1995

S.O. 227.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the

following office of the Ministry of Home Affairs where the percentage of Hindi knowing staff has gone above 80 per cent :—

“Office of the Inspector General of Police, Central Reserve Police Force, Bihar Sector, Patna, Bihar.”

[No. 12017/1/95-Hindi]

K. C. KAPOOR, Director

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1995

का.आ. 228—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिये प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में, गृह मंत्रालय के निम्नलिखित कार्यालय में हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों की संख्या 80 प्रतिशत से अधिक हो जाने के फलस्वरूप उन्हें एतद्द्वारा अधिसूचित करती है:—

“कार्यालय पुलिस महानिरीक्षक, मध्य सैक्टर, के.रि. पु. बल, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)”।

[संख्या 12017/1/95—हिन्दी]
के.सी. कपूर, निदेशक

New Delhi, the 20th January, 1995

S.O. 228.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following office of the Ministry of Home Affairs where the percentage of Hindi knowing staff has gone above 80 per cent :—

'Office of the Inspector General of Police, Central Sector, Central Reserve Police Force, Lucknow (U.P.)'

[No. 12017/1/95-Hindi]

K. C. KAPOOR, Director

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आयकर महानिदेशक (छूट) का कार्यालय

कलकत्ता, 26 अक्टूबर, 1994

आय-कर

का.आ. 229—मर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961, की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा बहियां रखेगा ;

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा ; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिगाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

किदवई मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ आन्मलोजी, होसुर रोड, बंगलौर-560029।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-95 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिये लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1230/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/के टी-2/35(1)(ii)/89]

आर. सिंह, उप निदेशक, आयकर (छूट)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

Office of the Director General, Income-Tax (Exemptions)

Calcutta, the 26th October, 1994

INCOME TAX

S.O. 229.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Secretary General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Kidwai Memorial Institute of Oncology,
Hosur Road, Bangalore-560029.

This notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1230/F. No. DG/IT(E)/KT-2/35(1)(ii)/89-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 26 अक्टूबर, 1994

Calcutta, the 26th October, 1994

INCOME TAX

आयकर

का.भा. 230—सर्वसाधारण की एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष की 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नेशनल एसोसिएशन आफ क्रीटीकल केयर मेडिसिन, 147, नार्थ एवेन्यू, नई दिल्ली।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पण.— 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिये लागू नहीं होगी।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी है।

[संख्या : 1231/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/
एन डी-81/35(1)(ii)/90]

आर. सिंह, उप निदेशक आयकर (छूट)

S.O. 230.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

National Association of Critical Care Medicine,
147, North Avenue,
New Delhi-1.

This notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1231/F. No. DG/IT(E)/ND-81/35(1)(ii)/90-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 26 अक्टूबर, 1994

आयकर

का.भा. 231.—सर्वसाधारण की एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ;

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष की 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्च कायों से सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

जय रिसर्च फाउन्डेशन, सोसायटी,
पी.ओ. वलवेड, जिला-बुलसर,
गुजरात-396108

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी:— 1. उपर्युक्त शर्त (1) "सब" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करे, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करती है।

[संख्या 1232 /एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/
जी-3/35 (1) (ii)/89]

आर सिंह, उपनिदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 26th October, 1994

INCOME TAX

S.O. 231.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Jai Research Foundation Society,
PO-Valvade, Dist Bulsar,
Gujarat-396108.

This notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1232/F. No. DG/IT(E)/G-3/35(1)(ii)/89-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 26 अक्टूबर, 1994

आयकर

का.भा. 232.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए भ्रमण लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष की 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिस्च कायों से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दि आटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन आफ इंडिया,
एस नं.-102, देवाज हिल्स, पी.बी. नं. 832,
आफ पौड रोड कोयंबूर
पूणे-411004

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:— 1. उपर्युक्त शर्त (1) "सब" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करती है।

[संख्या 1233 /एफ. सं.म.नि./आ.क. (छूट)/एम-
113/35 (1) (ii) 90]

आर सिंह, उप निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 26th October, 1994

INCOME TAX

S.O. 232.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The Automotive Research Association
of India, S. No. 102, Vetal Hill,
P.B. No. 832, Off Paud Road, Kothrud,
Pune-411004.

This notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

No. 1233/F. No. DG/IT(E)/M-113/35(1)(ii)/90-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 26 अक्टूबर 1994

आयकर

का.प्र. 233.—यहाँ सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकार द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संघों के अन्तर्गत अनुसूचित किया गया है :—

- संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग से लेखा बहियां रखेगा।

(2) यह संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक वितरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई विस्तृत कार्यों सम्बन्धित छूट के तार में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

न्यूट्रिशन सोसायटी ऑफ इंडिया,
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन,
पो. जमई अस्मानिया,
हैदराबाद-7 (ए.पी.)

यह अनुसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघों के लिए लागू नहीं होगा
- संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1234 /एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/एपी-13/35 (1) (ii)]

आर सिंह, उप निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 26th October, 1994

INCOME TAX

S.O. 233.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Nutrition Society of India,
National Institute of Nutrition,
P.O. Jamai Osmania,
Hyderabad-7 (A.P.)

This notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1234/F. No. DG/IT(9)/AP-13/35(1)(ii)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 26 अक्टूबर, 1994

आयकर

का.आ. 324 :— सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियाँ रखेगा
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रीयोगिको भवन” न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा ; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम

हरी शंकर मिहानिया

एलास्टोमर एन्ड टायर रिसर्च इन्स्टीट्यूट,

जयके ग्राम, पी.ओ. टायर फैक्टरी,

313342 कंकरोली डिस्ट्रिक्ट, राजसमन्द, राजस्थान

यह अधिसूचना दिनांक 1-3-94 से 31-4-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है ।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन को सूझा दिया जाता है कि वे अनुमोदन को अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियाँ में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है ।

[संख्या 1235/एफ. संम. नि. /आ. क. (छूट) /आर-13/35 (1) (ii)/94]

आर सिंह, उप निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 26th October, 1994

INCOME TAX

S.O. 234.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Hari Shankar Singhania

Elastomer and Tyre Research Institute,
Jaykaygram, PO-Tyre Factory, 313342,
Kankroli Dist. Rajasmand,
Rajasthan.

This notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1235/F. No. DG/IT(E)/R-13/35(1)(ii)/94-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 26 अक्टूबर, 1994

Calcutta, the 26th October, 1994

INCOME TAX

आयकर

का० प्रा० 215—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए भलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा का प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में वा गई रिमर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-पराक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

गुजरात इंडस्ट्रियल रिमर्च डवलपमेंट एजेंसी,
इंडस्ट्रियल रिमर्च लेबोरेटरी,
माड्रम कालेज कम्पाउण्ड,
बड़ौदा-390002

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पण:—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के 154म से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1236/एफ. सं.म.नि./आ.क. (छूट)/जी-18
35 (1) (ii)/89]

आर सिंह, उप-निदेशक (आयकर छूट)

S.O. 235.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Gujarat Industrial Research and Development
Agency, Industrial Research
Laboratory Science College Compound,
Baroda-390002.

This notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1236/F. No. DG/IT(E)/G-18/35(1)(ii)/89-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 26 अक्टूबर, 1994

आयकर

का० प्रा० 236—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए भलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

- (ii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च कावों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

महाराष्ट्र मेडिकल रिमर्च सोसायटी,
778, शिवाजी नगर, विपरीत कमला नेहरू पार्क,
पुणे-411004.

यह अधिमूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :

- उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
- संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में प्रावेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए प्रावेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1237/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/एम-154/35 (1)(ii)/92]

आर सिंह, उपनिदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 26th October, 1994

INCOME TAX

S.O. 236.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Maharashtra Medical Research Society,
778, Shivajinagar,
Opp. Kamla Nehru Park,
Pune-411004.

This notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1237/F. No. DG/ITE)/M-154/35(1)(ii)/92-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 26 अक्टूबर, 1994

आयकर

का.आ. 237 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" वर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन," न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

- यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिमर्च कावों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंस्टीच्यूट आफ मैनेजमेन्ट डेवलपमेन्ट,
यू.पी. सेक्टर 'डी' अलीगंज,
लखनऊ-226020

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

कलकत्ता, 26 अक्टूबर, 1994

धायकर

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संच" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए धायकर आयुक्त/धायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से धायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1238/एफ.सं. म.नि./भा.क. (छूट)/यू.पी.-8/35 (1) (iii)]

आर. सिंह, उप निदेशक, धायकर (छूट)

Calcutta, the 26th October, 1994

INCOME-TAX

S.O. 237.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Institute of Management Development
U.P., Sector, 'D' Aliganj,
Lucknow-226020.

This notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1994.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1238/F. No. DG/IT(E)/UP-8/35(1)(iii)/89-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

164 GI/95—2

कां०घा० 238.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, धायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, धायकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रौद्योगिकी भवन' 22 मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) धायकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग; और (ग) धायकर आयुक्त/धायकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और धायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्कर् सिद्ध किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट डेवलपमेन्ट,
यू.पी., सेक्टर 'डी' अलीगंज,
संख्या-226020

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संच" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

- संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए धायकर आयुक्त/धायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से धायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1239/एफ.सं. म.नि./भा.क. (छूट)/यू.पी.-8/35 (1) (iii) (Exmp.)-89]

आर० सिंह, उप निदेशक, धायकर (छूट)

Calcutta, the 26th October, 1994

INCOME-TAX

S.O. 238.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Institute of Management Development
U.P., Sector 'D' Aliganj,
Lucknow-226020.

This notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1996.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1239/F. No. DG/IT(E)/UP-8/35(1)(iii)/89-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 26 अक्टूबर, 1994

आयकर

का. धा. 239.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संबंध में अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए प्रलग लेखा बहियां रखेगा ।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन," न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय विवरण को भी प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम

अन्नासाहब कल्याणी फाउन्डेशन,
ए-2, प्रियदर्शन अपार्टमेंट,
कोरेगांव रोड, पुणे-411001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है ।

टिप्पणी :— 1. उपर्युक्त शर्तों (1) "संघ" के रूप में स्वीकार किया जायेगा ।

2. संगठन को सूचित दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को ज्ञात प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी हैं ।

[संख्या : 1240/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट) एम-162/35 (1) (ii)/93]

आर. सिंह, डी. निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 26th October, 1994

INCOME-TAX

S.O. 239.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) I will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Annasaheb Kalyani Foundation,
A/2, Priyadarshan Apartment,
Koregaon Road,
Pune-411001.

This notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1240/F. No. DG/IT(E)/M-162/35(1)(ii)/93-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 27 अक्टूबर, 1994

आयकर

का. प्रा. 240.—नवसंस्थापन को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 8 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर 'संस्थान' शब्द के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अपना लेखा बहिया रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा का प्रांत (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दि इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग्स (इंडिया)
8, गोखले रोड, कलकत्ता-20

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-96 तक की प्रवृद्धि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त प्रा. (1) "सं" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होता।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की प्रवृद्धि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करे, अनुमोदन की प्रवृद्धि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1241/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट),
डब्ल्यू बी-25/35 (1) (ii)/90]

भार. सिंह, उप निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 27th October, 1994

INCOME TAX

S.O. 240.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) I will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The Institution of Engineers (India),
- 8 Gokhale Road, Calcutta-20.

This notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1996.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1241/F. No. DG/IT(E)/WB-25/35(1)(ii)/90-IT(E)]
R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 27 अक्टूबर, 1994

Calcutta, the 27th October, 1994

भायकर

का.घा. 241—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, भायकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए चलन सेवा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक सेवा-परीक्षित वार्षिक सेवा की प्रति (क) भायकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) भायकर आयुक्त/भायकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में भी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में सेवा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

मेडिकल रिसर्च सेंटर आफ बम्बई हॉस्पिटल ट्रस्ट, 12,
मैरीन लाइन्स,
बम्बई-400020

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की प्रवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :— 1. उपर्युक्त शर्तें (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होना।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के लिए भायकर आयुक्त/भायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से भायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1242/एफ.सं. म.नि./भा.क. (छूट) एम-1/
35(1) (ii)/89]

बार. सिंह, उप निदेशक भायकर (छूट)

INCOME TAX

S.O. 241.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) I will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Medical Research Centre of Bombay
Hospital Trust, 12, Marine Lines,
Bombay-400020.

This notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1242/F. No. DG/IT(E)/M-1/35(1)(ii)/89-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 27 अक्टूबर, 1994

भायकर

का.घा. 242.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, भायकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए चलन सेवा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग; और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधी छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इलेक्ट्रॉनिक्स रिसर्च एन्ड डेवलपमेंट सेन्टर,
पी-1, तारातला रोड,
कलकत्ता-700088

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुसंधान का अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में प्रावेदन करें, अनुसंधान की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए प्रावेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1243 / एफ.सं. म.नि./भा.क. (छूट)
डब्ल्यू बी/46 / 35 (1) (ii)/91]

आर सिंह, उपा-निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 27th October, 1994

INCOME TAX

S.O. 242.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) I will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Electronics Research and Development
Centre, P-1, Taratala Road,
Calcutta-700088.

This notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1243/F. No. DG/IT(E)/WB-46/35(1)(ii)/91-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 27 अक्टूबर, 1994

आयकर

नं. भा. 243:—सर्वसाधारण की एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिये आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संघर्ष के अधीन अनुसंधान किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा बहियाँ रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग; और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से संबंधी छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कन्सलटेन्सी डेवलपमेंट सेन्टर,
कुतुबुद्दौल, अपार्टमेंट,
ई-1, न्यू मेहरौली रोड,
नई दिल्ली-110016

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—1 उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" जैसा संघों के लिए लागू नहीं होगा।

कलकत्ता, 27 अक्टूबर, 1994

- 2 संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

आयकर

[संख्या: 1244/एफ.सं.म.नि./आ.क. (छूट)/एन
डी-93/35(1) (iii)/90]

आर. सिंह, उप निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 27th October, 1994

INCOME TAX

S.O. 243.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Consultancy Development Centre
Qutab Hotel, Apartment E-1,
New Mehrauli Road, New Delhi-110016.

This notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1244/F. No. DG/IT(E)/ND-93/35(1)(iii)/90-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

आ. आ. 244—संबंधाधान को एडवाइस द्वारा भूषित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) क. ख. (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के प्राचीन विहित प्राधिकारों द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संघों के अंतर्गत अनुमोदन दिया गया है:—

(i) संगठन अपने-अपने कार्यों के लिए अलग-अलग लेखा बहिया रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन," न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उस संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिक्तियों का पूर्ण से संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सोसायटी ग्राफ पेस्टीसाईड साइन्स,
इंडिया, डिविजन ग्राफ एप्लीकलरल केमिकल्स,
आई. ए. आर. आई.,
नई दिल्ली-12

यह अधिसूचना दिनांक 3-9-92 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" जैसा संघों के लिए लागू नहीं होगा।

- संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1245/एफ.सं.म.नि./आ.क. (छूट)/एन
डी-97/35 (1) (ii)]

आर. सिंह, उप निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 27th October, 1994.

INCOME TAX

S.O. 244.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) I will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Society of Pesticides Science, India,
Division of Agril. Chemicals, JARI,
New Delhi-12.

This notification is effective for the period from 3-9-1992 to 31-3-1994.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1245/F. No. DG/IT(E)/ND-97/35(1)(ii)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 28 अक्टूबर, 1994

आयकर

का.आ. 245.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए, अलग लेखा अभियां रखेगा।

- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

बालमिया सेन्टर फॉर बायोटेक्नोलोजी,
दूसरा तल्ला, इंदिराकाश बिल्डिंग,
21, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना दिनांक 6-8-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयोग, आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या. 1246/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट) एन बी-121/35 (1) (ii)]

आर सिंह, उपनिदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 28th October, 1994

INCOME TAX

S.O. 245.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;

(ii) I will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Dalmia Centre for Biotechnology,
2nd Floor, Indraprakash Building,
21, Barakhamba Road,
New Delhi-110001.

This notification is effective for the period from 6-8-1993 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1246/F. No. DG/IT(E)/ND-121/35(1)(ii)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

आदेश

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1995

का. आ. 246 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/138/94 सी.-शु. 8 दिनांक 9-9-1994 को यह निदेश जारी किया था कि श्री ओम प्रकाश शर्मा, 110 लोधी रोड कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, तिहाड़, नई दिल्ली में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे विदेशी मुद्रा के संरक्षण के प्रतिकूल कोई भी कार्य करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वो-

क्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस प्रायुक्त, नई दिल्ली के समक्ष प्रस्तुत हों।

[फा. सं. 673/138/94-सी. शु.-8]

रूप चन्द, अधर सचिव

ORDER

New Delhi, the 23rd January, 1995

S.O. 246.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/138/94-Cus. VIII dated 9-9-1994 under the said sub-section directing that Shri Om Prakash Sharma, 110, Lodhi Road Complex, New Delhi be detained and kept in custody in the Central Prison, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from indulging in activities prejudicial to the Conservation of Foreign Exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, New Delhi within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/138/94-CUS. VIII]

ROOP CHAND, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1995

का. आ. 247 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से मणवत किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/139/94-सी. शु.-8 दिनांक 9-9-94 को यह निदेश जारी किया था कि श्री दीपक खेड़ा, ए-141, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, तिहाड़, नई दिल्ली में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे विदेशी मुद्रा के संरक्षण के प्रतिकूल कोई भी कार्य करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस प्रायुक्त, नई दिल्ली के समक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 673/139/94-सी. शु.-8]

रूप चन्द, अधर सचिव

ORDER

New Delhi, the 23rd January, 1995

S.O. 247.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/139/94-CUS. VIII dated 9-9-1994 under the said sub-section directing that Shri Deepak Khera, A-141, Defence Colony, New Delhi be detained and kept in custody in the Central Prison, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from indulging in activities prejudicial to the Conservation of foreign exchange Foreign Exchange resources in future.

2 Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, New Delhi within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/139/94-CUS. VIII]

ROOP CHAND, Under Secy

आदेश

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1994

स्टैम्प

का. आ. 248 :—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा (9) की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इस शुल्क को माफ करती है जो आवास एवं नगर विकास निगम, नई दिल्ली द्वारा जारी किए जाने वाले मात्र चार सौ करोड़ रुपये मूल्य के, "204.50 करोड़ रुपये के 10.5 प्रतिशत ऋण पत्र-कर मुक्त हुडको बाण्ड श्रृंखला—iii और 195.50 करोड़ रुपये के 14 प्रतिशत ऋणपत्र-कर योग्य हुडको बाण्ड श्रृंखला—iii के स्वरूप के वंधपत्रों पर उक्त अधिनियम के अंतर्गत प्रभावी है। तथा भारत वित्त मंत्रालय राजस्व विभाग 24-2-94 में अधिसूचना संख्या एम ओ 849 दिनांक 24-2-94 के द्वारा निम्नलिखित मंशोधन करती है:—

उक्त अधिसूचना में:—

(क) "300 करोड़" आंकड़ों तथा शब्दों के स्थान पर "204.50 करोड़" आंकड़े तथा शब्द पढ़े जाएं।

(ख) "100 करोड़" आंकड़ों व शब्दों के स्थान पर "195.50 करोड़" आंकड़े व शब्द पढ़े जाएं।

[नं. 37/94—स्टाम्प का. नं. 33/59/93—एम टो]

एन पी रस्तगी, उप सचिव

ORDER

New Delhi, the 29th December, 1994

STAMPS

S.O. 248.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the Bonds in the nature of "10.5% Debentures—Tax free HUDCO Bond Series-III for Rs. 204.50 crores" and "14% Debentures—Taxable HUDCO Bond Series-III for Rs. 195.50 crores" of the value of rupees four hundred crores only to be issued by Housing and Urban Development Corporation, New Delhi are chargeable under the said Act and makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. S.O. 849 dated 24th February, 1994 with effect from 24th February, 1994, namely:—

In the said notification for the.—

(a) figures and words "300 crores", the figures and words "204.50 crores" shall be substituted; and

(b) for the figures and words "100 crores", the figures and words "195.50 crores" shall be substituted.

[No. 37/94-Stamp/F. No. 33/59/93-ST]

N. P. RUSTGI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1994

(आयकर)

का. आ. 249 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "दि इंस्टीट्यूट आफ दि फ्रांसिजकन आफ मैरी, सोंसाइटी नं. 13, नीलगिरीज" को कर-निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

(1) कर-निर्धारिता इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(2) कर-निर्धारिता ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में मंगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा ii की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जवर-जवाहिरान, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वेच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारित के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9674/फा. सं. 197/152/94—आयकर नि.—1]

साधना शंकर, अवर सचिव

New Delhi, the 30th December, 1994

(INCOME-TAX)

S.O. 249.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Institute of the Franciscan Missionaries of Mary, Society No. 13, Nilgiris" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9674/F. No. 197/152/94-ITA-I]
SADHNA SHANKER, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1994

(आयकर)

का. आ. 250 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "सोसाइटी आफ दि फ्रांसिस्कन (हॉस्पिटलर) सिसटर्स, मम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94, 1994-95 और 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारित इसकी आय का हस्तेमाल अथवा इसकी आय का हस्तेमाल करने के लिए इसका संवयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

- (ii) कर-निर्धारित ऊपर उल्लिखित धर-निर्धारण वर्षों के संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक वंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारित के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9679/फा. सं. 197/150/94—आयकर नि.—1]

साधना शंकर, अवर सचिव

New Delhi, the 30th December, 1994

(INCOME-TAX)

S.O. 250.—In exercise of the powers conferred by the clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Society of the Franciscan (Hospitalier) Sisters, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94, 1994-95 and 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gain of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9679/F. No. 197/150/94-ITA-I]
SADHNA SHANKER, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1994

(आयकर)

का. आ. 251 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्री दुर्गियाना समिति, अमृतसर" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के

लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्वधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारण इसकी आय का हस्तेमाल अथवा इसकी आय का हस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिणी ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों को किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जवर-जवाहिरात, फर्नीचर, आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिणी के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं.: 9675/फा. सं. 197/172/93—आयकर नि.-1]

साधना शंकर, अवसर सचिव

New Delhi, the 30th December, 1994

(INCOME-TAX)

S.O. 251.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Durgiana Committee, Amritsar" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely:

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the object for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9675/F. No. 197/172/93-ITA-I]

SADHNA SHANKER, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1995

का. आ. 252 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव, ने जिन विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/155/94 सी. शु.-8 दिनांक 19-9-1994 को यह निर्देश जारी किया था कि श्री दीपक मेघानी, सुपुत्र श्री किशन लाल मेघानी, 19-ए सरत बोस रोड, फ्लैट नं. डी-10, कलकत्ता-20 को निहत्थ कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, प्रेसीडेन्सी जेल, अलीपुर, कलकत्ता में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य मामले की तस्करी करने और तस्करीत माल के छिपाने या रखने का काम करने से अन्यथा तस्करीत माल का व्यवहार करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, कलकत्ता के सामने उपस्थित हों।

[फा. सं. 673/155/94—सी. शु.-8]

जमना दास, अवसर सचिव

ORDER

New Delhi, the 23rd January, 1995

S.O. 252.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/155/94-Cus. VIII dated 19-9-1994 under the said sub-section directing that Shri Deepak Meghani S/o Shri Kishanlal Meghani, R/o 19A Sarat Bose Road, Flat No. D-10, Calcutta-20 be detained and kept in custody in the Presidency Jail, Alipore, Calcutta with a view to preventing him from smuggling goods and dealing in smuggled Goods otherwise than by engaging in concealing or keeping smuggled goods in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Calcutta within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/155/94-CUS.VIII]

JAMNA DASS, Under Secy.

भारतीय रिजर्व बैंक

ग्रामीण आयोजना और ऋण विभाग

बम्बई, 11 जनवरी, 1995

का. आ. 253 :—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 42 की उपधारा (1) के परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और 15 दिसम्बर, 1994 की अपनी अधिसूचना आर डीपीसीडी सं बीसी 87/07.02.03/94-95 में आंशिक संशोधन करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ऐतद्वारा निदेश देता है कि विदेशी मुद्रा विनिमय का कारोबार करने हेतु प्राधिकृत प्रत्येक अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक दिनांक 21 जनवरी 1995 से प्रारंभ होने वाले पखवाड़े से रिजर्व बैंक में अतिरिक्त औसत दैनिक शेष रखे जिसकी राशि विदेशी मुद्रा (अनिवासी) खाता (बैंक) योजना के अंतर्गत उसकी जमा देयताओं का 15% (पन्द्रह प्रतिशत) से कम नहीं होनी चाहिए।

[आ. आ. ऋ. वि. सं. बीसी. 107/07.02.03/94-95]
कु. आई. टी. वाज, कार्यपालक निदेशक

RESERVE BANK OF INDIA
(Rural Planning and Credit Department)
Bombay, the 11th January, 1995

S.O. 253.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Sub-Section (1) of Section 42 of the RBI Act, 1934 (2 of 1934) and in partial modification of Notification RPCD. N. BC 87/07-02-03/94-95 dated 15 December 1994, the Reserve Bank of India hereby directs, that every Scheduled State Co-operative Bank which is an Authorised Dealer in Foreign exchange shall with effect from the fortnight beginning 21st January, 1995 maintain with the Bank an additional average daily balance, in amount of which shall not be less than 15 per cent (fifteen percent) of its deposit liabilities under the Foreign Currency (Non-Resident) Accounts (Banks) Scheme.

[RPCD. No. BC. 107/07-02-03/94-95]
Ms. I. T. VAZ, Executive Director

बम्बई, 11 जनवरी, 1995

का. आ. 254 :—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 42 की उपधारा (1) के परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ऐतद्वारा निदेश देता है कि विदेशी मुद्रा विनिमय का कारोबार करने हेतु प्राधिकृत प्रत्येक अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक दिनांक 21 जनवरी, 1995 से प्रारंभ होने वाले पखवाड़े से रिजर्व बैंक में अतिरिक्त औसत दैनिक शेष रखे जिसकी राशि अनिवासी (अप्रत्यावर्तनीय) रुपया जमा योजना के अंतर्गत उसकी जमा देयताओं का 7-5% (साढ़े सात प्रतिशत) से कम नहीं होनी चाहिये।

[आ. आ. ऋ. वि. सं. बीसी. 108/07.02.03/94-95]
कु. आई. टी. वाज, कार्यपालक निदेशक

Bombay, 11th January, 1995

S.O. 254.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Sub-Section (1) of Section 42 of the RBI Act, 1934 (2 of 1934) the Reserve

Bank of India hereby directs, that every Scheduled State Co-operative Bank which is an Authorised Dealer in foreign exchange shall with effect from the fortnight beginning 21 January, 1995 maintain with the Bank an additional average daily balance, the amount of which shall not be less than 7.5% (seven and half per cent) of its deposit liabilities under Non-Resident (Non-Repatriable) Rupee Deposit (NRNR) Scheme.

[RPCD. No. BC. 108/07-02-03/94/95]
Ms. I.T. Vaz, Executive Director

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
बैंकिंग प्रभाग

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1995

का. आ. 255.—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की 3 नवम्बर, 1992 की अधिसूचना सं. 7/24/92-बी. ओ. में आंशिक संशोधन करते हुए, केन्द्र सरकार, ऐतद्वारा, श्री डी आर. मेहता, भारतीय प्रशासनिक सेवा (राज स्थान : 61) की भारतीय रिजर्व बैंक के उप-गवर्नर के रूप में नियुक्ति की अवधि को तत्काल आमेलन के आधार पर 30 जून, 1977 तक के लिए बढ़ाती है।

[सं. एफ. 20/13/92-बीओ I]

के. श्रीनिवासन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)
Banking Division

New Delhi, the 17th January, 1995

S.O. 255.—In partial modification to Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division's) notification No. 7/24/92-B.O.I. dated 3rd November, 1992 the Central Government hereby extends the tenure of appointment of Shri D.R. Mehta, IAS (Raj: 61) as Deputy Governor, Reserve Bank of India upto 30th June, 1997 on immediate absorption basis.

[F. No. 20/13/92-B.O.I.]
K. SRINIVASAN, Jt. Secy

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1995

का. आ. 256.—राष्ट्रीय बैंक (प्रबंध और प्रकोण उपबंध) स्कीम 1970 के खण्ड 9 के साथ पठित खंड 3 के उपखण्ड (ग) के अनुसूचना में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से सलाह करने के पश्चात् ऐतद्वारा, श्री एम.एल. गाला, वर्तमान अध्यक्ष फेडरेशन आफ बैंक आफ इंडिया अधिकारी संघ (मुख्य अधिकारी, वाणिज्यिक और संस्थागत ऋण विभाग बैंक आफ इंडिया, प्रधान कार्यालय, बम्बई के रूप में कार्यरत) को दिनांक 19 जनवरी, 1995 से 18 जनवरी 1998 तक के लिए या जब तक वे बैंक आफ इंडिया के एक अधिकारी के रूप में अपनी सेवा छोड़ नहीं देते हैं, इनमें से जो भी पहले हो, श्री एस. आर. सेनगुप्ता के स्थान पर बैंक आफ इंडिया के निदेशक मण्डल में निदेशक नियुक्त करती है।

[सं. एफ. 9/18/94 बी. ओ. I]

के.के. मंगल, अवर सचिव

New Delhi, the 19th January, 1995

S.O. 256.—In pursuance of Sub-clause (c) of clause 3 read with clause 9 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri M.L. Gala, presently President of Federation of Bank of India Officers' Associations (working as Chief Officer, Commercial and Institutional Credit Department, Bank of India, Head Office, Bombay) vice Shri S.R. Sengupta, as a Director on the Board of Bank of India with effect from the 19th January, 1995 and upto 18th January, 1998, or until he ceases to be an officer of Bank of India, whichever is earlier.

[F. No. 9/18/94-B.O.I.]
K.K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1995

का. भा. 257 राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 53) की धारा 6 के खण्ड (ड) के उप खण्ड (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के साथ परामर्श करने के पश्चात् एतद्वारा श्री सी. रामचन्द्रन, आई. ए. एस. (तमिलनाडु : 63) विशेष सचिव बैंकिंग प्रभाग, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को श्री आर. व्ही. गुप्ता के स्थान पर राष्ट्रीय आवास बैंक के निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 9/9-94-बी ओ I]
के.के. मंगल, अवर सचिव

New Delhi the 20th January, 1995

S.O. 257.—In pursuance of clause (e) of sub-section (1) of section 6 of the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987), the Central Government, in consultation with the Reserve Bank of India hereby appoints Shri C. Ramachandran, IAS (TN : 63), Special Secretary, Banking Division, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, as a Director on the Board of Directors of the National Housing Bank vice Shri R.V. Gupta.

[No. 9/9/94-B.O.I.]
K.K. MANGAL, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1995

का. भा. 258—सरकार ने निर्णय लिया है कि बैंकिंग प्रभाग आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय के वर्तमान विशेष सचिव, सर्वश्री सी. रामचन्द्रन, आई. ए. एस. (तमिलनाडु : 63) 20 जनवरी, 1995 से अलग आदेश जारी होने तक अपने

वर्तमान कार्यभार के अतिरिक्त समवर्ती रूप से राष्ट्रीय आवास बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के पद का कार्य भार भी सम्भालेंगे।

[सं. 7/1/95 बी.ओ.]
के.के. मंगल, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 20th January, 1995

S.O. 258.—Government have decided that Shri C. Ramachandran, IAS (TN : 63) presently special Secretary, Banking Division, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, will concurrently hold additional charge of the post of Chairman and Managing Director, National Housing Bank, in addition to his own duties, with effect from the 20th January, 1995 and until further orders.

[F. No. 7/1/95-B.O.I.]
K.K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1995

का. भा. 259 भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 (1955 का 23) की धारा 19 के खण्ड (ड) की शर्तों के अनुसार, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग के विशेष सचिव श्री सी. रामचन्द्रन, आई. ए. एस., (तमिलनाडु : 63) को श्री आर. व्ही. गुप्ता के स्थान पर भारतीय स्टेट बैंक के केन्द्रीय मंडल (बोर्ड) में निदेशक के रूप में नामित करती है।

[सं. एफ 9/9/94-बी ओ (1)]
के.के. मंगल, अवर सचिव

New Delhi, 20th January, 1995

S.O. 259.—In terms of clause (e) of section 19 of the State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955), the Central Government hereby nominates Shri C. Ramchandran, IAS (TN : 63), Special Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Banking Division, New Delhi, as a Director on the Central Board of the State Bank of India vice Shri R.V. Gupta.

[F. No. 9/9/94-B.O.I.(i)]
K.K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1995

का. भा. 260.—भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) की धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के अनुसार, केन्द्रीय सरकार, एतद्-

द्वारा, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (वैकिक प्रभाग), नई दिल्ली के विशेष सचिव, श्री सी०, रामचन्द्रन, आई. ए. एस. (तमिल नाडु : 63) को श्री आर० व्ही० गुप्ता के स्थान पर भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के निदेशक बोर्ड में निदेशक के रूप में नामित करती है।

[एफ सं. 9/9/94-वी ओ I(ii)
के. के. मंगल, अवर सचिव

New Delhi, the 20th January, 1995

S.O. 260.—In terms of clause (c) of sub-section (1) of section 6 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), the Central Government hereby nominates Shri C. Ramachandran, IAS (TN : 63), Special Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Banking Division, New Delhi as a Director on the Board of Directors of Industrial Development Bank of India vice Shri R.V. Gupta.

[F. No. 9/9/94-B.O.I(ii)
K.K. MANGAL, Under Secy.

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली 19 दिसम्बर, 1994

का.आ. 261.—भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) की धारा 8 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेश देती है कि उक्त अधिनियम के उपबंध (धारा 6-क को छोड़कर), उक्त अधिनियम की अनुसूची में विनिर्दिष्ट "एस० एन० बोस नेशनल सेंटर फार बेसिक साइंसेस" के कर्मचारियों के लाभार्थ स्थापित भविष्य निधि के लिए भी लागू होंगे।

[सं. 4(1)-संस्था V/92 (ii)
बी. शेकर, निदेशक

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 19th December, 1994

S.O. 261.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 8 of the Provident Fund Act, 1925 (19 of 1925), the Central Government hereby directs that the provisions of the said Act (except section 6-A) shall apply to the Provident Fund established for the benefit of the employees of the 'S. N. BOSE NATIONAL CENTRE FOR BASIC SCIENCE' specified in the Schedule of the said Act.

[No. 4(1)-EV/92 (II)
V. SEKAR, Director

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 1994

का.आ. 262.—भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) की धारा 8 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार

एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची में निम्न लिखित सार्वजनिक संस्थान का नाम शामिल करती है, अर्थात् :—

"एस० एन० बोस नेशनल सेंटर फार बेसिक साइंसेस"

[सं. 4(1)-संस्था V/92(1)]

बी० शेकर, निदेशक

New Delhi, the 19th December, 1994

S.O. 262.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 8 of the Provident Fund Act, 1925 (19 of 1925), the Central Government hereby adds to the Schedule to the said Act the name of the following public institution, namely :—

"S. N. BOSE NATIONAL CENTRE FOR BASIC SCIENCES"

[No. 4(1)-EV/92 (I)]
V. SEKAR, Director

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 1994

का. आ. 263.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में डा. बी. आर. अंबेडकर ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं प्रबंध संस्थान, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, नासिक, जिसके 80 प्रतिशत कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, को अधिसूचित करती है।

[सं. ई-12012/2/91-हिन्दी]

श्रीमती प्रतिभा करन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 15th December, 1994

S.O. 263.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies Dr. B. R. Ambedkar Institute of Rural Technology and Management, Khadi and Village Industries Commission, Nasik whose 80% staff have acquired working knowledge of Hindi.

[No. E-12012/2/91-Hindi]
SMT. PRATIBHA KARAN, Jt. Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

आदेश

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1994

का. आ. 264.—मै. इंटरनेशनल टोबाको क. लि., ग़ाज़ियाबाद-201001 को निर्यात संवर्धन पंजीगत माल के अंतर्गत पंजीगत माल के आयात के लिए 65,02,552 (पैंसठ लाख दो हजार पांच सौ और बावन रुपए केवल) के लिए एक आयात लाइसेंस सं. पी/सीजी/2133463 दिनांक 8-9-1994 के लिए मंजूर किया गया था।

फर्म ने सीमाशुल्क तथा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति की दूसरी प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन और विनिमय नियंत्रण प्रति उनके द्वारा डाकीय प्राधिकारियों से प्राप्त की गई थी। यह भी बताया गया है कि लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन और विनिमय नियंत्रण प्रति किसी सीमाशुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं कराई गई थी और सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति के मूल्य का बिल्कुल भी हस्तमाल नहीं किया गया है।

2. अपने तर्कों के समर्थन में लाइसेंसधारी ने नोटरी क्लब, बम्बई के समक्ष विधिवत् शपथ लेकर स्टाम्प पत्र पर एक हलफनामा दाखिल किया है। तदनुसार मैं संतुष्ट हूँ कि फर्म से आयात लाइसेंस सं. पी/सीजी/2133463 दिनांक 8-9-1994 की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन तथा विनिमय नियंत्रण प्रति खी गई है अथवा छधर-उधर हो गई है और यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मै. इंटरनेशनल टोबाको क. लि., ग़ाज़ियाबाद-201001 को जारी किया गया मूल सीमाशुल्क प्रयोजन और विनिमय नियंत्रण प्रति सं. पी/सीजी/2133463 दिनांक 8-9-1994 को एतद्वारा निरस्त किया जाता है।

3. पार्टी को उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन और विनिमय नियंत्रण प्रति की दूसरी प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[फा० सं० 18/480/ए एम 95/ई पीसीजी-2/346]
माया डी. केम, उप महानिदेशक

MINISTRY OF COMMERCE

(Directorate General of Foreign Trade)

ORDER

New Delhi, the 20th December, 1994

S.O. 264.—M/s. International Tobacco Co. Ltd. Ghaziabad-201001 were granted an Import Licence No. P/CG/2133463 dated 8-9-94 for Rs. 65,02,552 (Rupees sixty five

lakhs two thousand five hundred and fifty two only) for import of C.G. under EPCG scheme.

1. The firm has applied for issue of Duplicate copy of Customs and Exchange Control purpose copy of the above mentioned licence on the ground that the original customs purpose and Exchange control copy of the licence has not been received by them from Postal authorities. It has further been stated that the Customs purpose and Exchange Control copy of the licence was not registered with any Customs Authority and as such the value of Customs purpose copy has not been utilised at all.

2. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a Notary Public, New Delhi. I am accordingly satisfied that the original Customs purpose and Exchange Control copy of import licence No. P/CG/2133463 dated 8-9-94 has been lost or misplaced by the firm and in exercise of the powers conferred under sub-clause 9(CC) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended the said original Customs purpose and Exchange control copy No. P/CG/2133463 dated 8-9-94 issued to M/s. International Tobacco Co. Ltd., Ghaziabad-201001 is hereby cancelled.

3. A duplicate Customs purpose and Exchange Control copy of the said licence is being issued to the party separately.

[F. No. 18/480/AM/95/EPCG-II/346]

MRS. MAYA D. KEM, Dy. Director General of Foreign Trade

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1995

का. आ. 265.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी निबंधन और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मसर्स इन्स्पेक्शन इंडिया, 8 तथा 9, तिलजाला रोड, कलकत्ता-46, को ठेके हुए लोहे के मलनाल तथा फिटिंग्स का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए इन शर्तों के अधीन अभिकरण के रूप में मान्यता देती है उक्त अभिकरण ठेके हुए लोहे के मलनालों तथा फिटिंग्स का निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1971 के नियम 4 के उपनियम (4) अंतर्गत निरीक्षण प्रमाण-पत्र देने के लिए उक्त अभिकरण द्वारा अपनाई गई पद्धति की जांच करने के संबंध में निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा मनोनीत किसी भी अधिकारी को पर्याप्त सुविधाएं देगा।

[फाइल सं. 5/32/94-ई.आई. एड ई पी]
कुमारी सुमा सुब्बन्ना, निदेशक

New Delhi, the 11th January, 1995

S.O. 265.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government hereby recognises for a period of three years from the date of publication of this Notification M/s. Inspection India 8 and 9 Tiljala Road, Calcutta-46, as an agency for the inspection Cast Iron Soil Pipes and fittings prior to export subject to the condition that the said agency shall give adequate facilities to any officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by the said agency in printing the certificate of inspection under sub-rule (4) of rule 4 of the Export of Cast Soil Pipes and Fittings (Inspection) Rules, 1971.

[File No. 5/32/94-EL&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1995

का. आ. 266.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स इन्स्पेक्शन इंडिया, 8 तथा 9, तिलजाला रोड, कलकत्ता-46, को स्टील ट्रंक के निर्यात से पूर्व निरीक्षण के लिए इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए इन शर्तों के अधीन अभिकरण के रूप में मान्यता देती है कि उक्त अभिकरण स्टील ट्रंक के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1967 के नियम 4 के उप नियम (4) के अंतर्गत निरीक्षण प्रमाण-पत्र देने के लिए उक्त अभिकरण द्वारा अपनाई गयी पद्धति की जांच करने के संबंध में निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा मनोनीत किसी भी अधिकारी को पर्याप्त सुविधाएं देगा।

[फाइल सं. 5/32/94-ई आई एण्ड ईपी]

कुमारी सुमा सुब्बन्ना, निदेशक

New Delhi, the 11th January, 1995

S.O. 266.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government hereby recognises for a period of three years from the date of publication of this Notification M/s. Inspection India, 8 and 9 Tiljala Road, Calcutta-46, as an agency for inspection of Steel Trunks prior to exports subject to the condition that the said Agency shall give adequate facilities to any officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by the said agency in granting the certificate of inspection under sub-rule (4) of rule 4 of the Export of Steel Trunks (Inspection) Rules, 1967.

[File No. 5/32/94-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1995

का. आ. 267.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप धारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स इन्स्पेक्शन इंडिया, 8 एण्ड 9, तिलजाला रोड, कलकत्ता-46 को इससे उपाबद्ध अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट वाणिज्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित संख्या का.आ. 895 दिनांक 21-2-1976 के लघु अभियांत्रिक उत्पाद सिवाय स्टोव, लालटेन तथा ब्लोलेम्प के निर्यात से पूर्व निरीक्षण के लिए इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए इन शर्तों के अधीन अभिकरण के रूप में मान्यता देती है कि उक्त अभिकरण लघु अभियांत्रिक उत्पाद के निर्यात (निरीक्षण) नियम 1976 के नियम 4 के उप नियम (5) के अंतर्गत निरीक्षण प्रमाण-पत्र देने के लिए उक्त अभिकरण द्वारा अपनाई गई पद्धति की

जांच करने के संबंध में निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा मनोनीत किसी भी अधिकारी को पर्याप्त सुविधाएं देगा।

[फाइल सं. 5/22/94-ई आई एण्ड ईपी]

कुमारी सुमा सुब्बन्ना, निदेशक

New Delhi, the 11th January, 1995

S.O. 267.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of three years from the date of publication of this Notification M/s. Inspection India 8 and 9 Tiljala Road, Calcutta-46 as an agency for inspection of Light Engineering Products (other than stoves, Lantern and blow lamps) specified in the Annexure-I annexed to Ministry of Commerce Notification No. S.O. 895 dated 21-2-1976 prior to export subject to the condition that the said agency shall give adequate facilities to any officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by the said agency in granting the certificate of inspection under sub-rule (5) of rule 4 of the Export of Light Engineering Products (Inspection), Rules, 1976.

[File No. 5/32/94-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1995

का.आ. 268.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स इन्स्पेक्शन इंडिया, 8 एण्ड 9, तिलजाला रोड, कलकत्ता-46 को उले हुए लोहे के मैनहोल के ढक्कनों तथा फ्रेमों के निर्यात से पूर्व निरीक्षण के लिए इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए इन शर्तों के अधीन अभिकरण के रूप में मान्यता देती है कि उक्त अभिकरण उले हुए लोहे के मैनहोल के ढक्कनों तथा फ्रेमों के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1971 के नियम 4 के उप नियम (4) के अंतर्गत निरीक्षण प्रमाण-पत्र देने के लिए उक्त अभिकरण द्वारा अपनाई गई पद्धति की जांच करने के संबंध में निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा मनोनीत किसी भी अधिकारी को पर्याप्त सुविधाएं देगा।

[फाइल सं. 5/32/94-ई आई एण्ड ईपी]

कुमारी सुमा सुब्बन्ना, निदेशक

New Delhi, the 11th January, 1995

S.O. 268.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of three years from the date of publication of this Notification M/s. Inspection India 8 and 9 Tiljala Road, Calcutta-46 as an agency for the inspection of Cast Iron Manhole Cover and Frames prior to export subject to the condition that the said agency shall give adequate facilities to any officers nominated by the Export Inspection Council, in this behalf to exercise the method of inspection followed by the said agency in granting the certificate of inspection under sub-rule (4) of rule 4 of the Export of Cast Iron Manhole Cover and Frames (Inspection) Rules, 1971.

[File No. 5/32/94-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1995

the Director (Inspection and Quality Control) may give in writing from time to time.

[File No. 5/33/94-FI & EP]
KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1995

का.आ. 269.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 3975 तारीख 20-12-1965 से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट खनिज तथा अयस्क ग्रुप का जामनगर में निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मेसर्स थैराप्यूटिक्स कैमिकल रिसर्च कार्पोरेशन, 4 पंचवटी सोसायटी, निकट डाकघर, बेदी रोड, जामनगर-361002 में स्थित जिनका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय शिव इंडस्ट्रियल इस्टेट, दूसरी एवं तीसरी मंजिल क्रान्तिवीर भाई बालमुकुन्द मार्ग, बाईकुला गुड्स डिपो के निकट, चिचपोक्ली, बम्बई-400012 को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए निम्न शर्तों के अधीन एतद्वारा मान्यता देती है, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स थैराप्यूटिक्स कैमिकल रिसर्च कार्पोरेशन, निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा इस संबंध में नामित अधिकारी को अपने द्वारा अपनाई गयी निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं देगा ताकि खनिज तथा अयस्क ग्रुप I के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4, के अन्तर्गत निरीक्षण प्रमाणपत्र दिया जा सके।
- (2) मेसर्स थैराप्यूटिक्स कैमिकल रिसर्च कार्पोरेशन, इस अधिसूचना के अधीन अपने कृत्यों के पालन में ऐसे निर्देशों द्वारा आबद्ध होगा जो निदेशक (निरीक्षण एवं क्वालिटी नियंत्रण) समय-समय पर लिखित रूप में देंगे।

[फा.सं. 5/33/94-ईआईएंडईपी]

कुमारी सुमा सुब्बणा, निदेशक

New Delhi, the 11th January, 1995

S.O. 269.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises, for a period of three years from the date of publication of this notification, M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation located at 4, Panchavati Society, Near Post Office, Bedi Road, Jamnagar-361002 and having their registered office at Shiv Industrial Estate-2nd and 3rd Floor, Krantiveer Bhai Balmukund Marg, Near Byculla Goods Depot, Chinchpokli, Bombay-400012, as an agency for inspection of Minerals and Ores (Group-I) specified in Schedule annexed to Ministry of Commerce Notification No. S.O. 3975 dated 20th December, 1965, prior to export, at Jamnagar, subject to the following conditions, namely :—

- (i) that M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by them in granting the certificate of inspection under rule 4 of the Export of Minerals and Ores Group-I (Inspection) Rules, 1965 ;
- (ii) that M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation in the performance of their function under this notification shall be bound by such directives as

164 GI/95—4.

का.आ. 270.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 3978 तारीख 20-12-1965 से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट खनिज तथा अयस्क (ग्रुप-II) का जामनगर में निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मेसर्स थैराप्यूटिक्स कैमिकल रिसर्च कार्पोरेशन, 4 पंचवटी सोसायटी, निकट डाकघर, बेदी रोड, जामनगर-361002 में स्थित जिनका पंजीकृत कार्यालय शिव इंडस्ट्रियल इस्टेट, दूसरी एवं तीसरी मंजिल क्रान्तिवीर, भाई बालमुकुन्द मार्ग, बाई कुला गुड्स डिपो के निकट चिचपोक्ली बम्बई-400012 को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए निम्न शर्तों के अधीन एतद्वारा मान्यता देती है, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स थैराप्यूटिक्स कैमिकल रिसर्च कार्पोरेशन, निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा इस संबंध में नामित अधिकारी को अपने द्वारा अपनाई गयी निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं देगा ताकि खनिज तथा अयस्क (ग्रुप-II) के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 के अन्तर्गत निरीक्षण प्रमाणपत्र दिया जा सके।
- (2) मेसर्स थैराप्यूटिक्स कैमिकल रिसर्च कार्पोरेशन, इस अधिसूचना के अधीन अपने कृत्यों के पालन में ऐसे निर्देशों द्वारा आबद्ध होगा जो निदेशक (निरीक्षण एवं क्वालिटी नियंत्रण) समय-समय पर लिखित रूप में देंगे।

[फा.सं. 5/33/94-ई.आई.एंड.ई.पी.]

कुमारी सुमा सुब्बणा, निदेशक

New Delhi, the 11th January, 1995

S.O. 270.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963, the Central Government hereby recognises, for a period of three years from the date of publication of this notification, M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation, located at 4, Panchavati Society, Near Post Office, Bedi Road, Jamnagar-361002 and having their registered office at Shiv Industrial Estate—2nd and 3rd Floor, Krantiveer Bhai Balmukund Marg, Near Byculla Goods Depot, Chinchpokli, Bombay-400012, as an agency for inspection of Minerals and Ores (Group-II) specified in Schedule annexed to Ministry of Commerce Notification No. S.O. 3978 dated 20th December, 1965, prior to export, at Jamnagar, subject to the following conditions, namely :—

- (i) that M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by them in granting the certificate of inspection under rule 4 of the Export of Minerals and Ores Group-II (Inspection) Rules, 1965 ;

- (ii) that M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation in the performance of their function under this notification shall be bound by such directives as the Director (Inspection and Quality Control) may give in writing from time to time.

[File No. 5/33/94-EI & EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1995

का.आ. 271—निर्यात (क्वालिटी और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 2265 तारीख 14-6-1986 से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उष्मदम ईंटों का जामनगर में निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्स थेराप्यूटिक्स केमिकल रिसर्च कार्पोरेशन 4 पंचवटी सोमाइटी, निकट डाकघर, बेदी रोड, जामनगर-361002 में स्थित को जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय शिव इंडस्ट्रियल इस्टेट, दूसरी एवं तीसरी मंजिल क्रान्तिवीर भार्डी बालमुकुन्द मार्ग, वार्डकूला गुड्स डिपो के निकट, चिंचपोकली, बम्बई-400012 को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए निम्न शर्तों के अधीन एतद्वारा मान्यता देती है, अर्थात् :—

- (i) मैसर्स थेराप्यूटिक्स रिसर्च कार्पोरेशन, निर्यात निरीक्षण परिपद द्वारा इस संबंध में नामित अधिकारी को उनके द्वारा अपनाई गयी निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं देगा ताकि उष्मदम ईंटों के निर्यात (निरिक्षण एवं क्वालिटी नियंत्रण) नियम, 1986 के अंतर्गत निरीक्षण का प्रमाणपत्र दिया जा सके।
- (ii) मैसर्स थेराप्यूटिक्स केमिकल रिसर्च कार्पोरेशन इस अधिसूचना के अधीन अपने कृत्यों के पालन में ऐसे निर्देशों द्वारा आवद्ध होगा जो निदेशक (निरिक्षण एवं क्वालिटी नियंत्रण) समय-समय पर लिखित रूप में देंगे।

[फा.सं. 5/33/94-ईआई&ईपी]

कुमारी सुमा सुब्बणा, निदेशक

New Delhi, the 11th January, 1995

S.O. 271.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises, for a period of three years from the date of publication of this notification, M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation located at 4, Panchavati Society, Near Post Office, Bedi Road, Jamnagar-361002 and having their registered office at Shiv Industrial Estate-2nd and 3rd Floor, Krantiveer Bhai Balmukund Marg, Near Byculla Goods Depot, Chinchpokli, Bombay-400012, as an agency for inspection of Refractory Bricks specified in Annexure to Ministry of Commerce Notification No. S.O. 2265 dated 14-6-1986, prior to export, at Jamnagar, subject to the following conditions, namely :—

- (i) that M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in

this behalf to examine the method of inspection followed by them in granting the certificate of inspection under rule 4 of the Export Refractory Bricks (Quality Control and Inspection) Rules, 1986;

- (ii) that M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation in the performance of their function under this notification shall be bound by such directives as the Director (Inspection and Quality Control) may give in writing from time to time.

[File No. 5/33/94-EI&FPI]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1995

का.आ. 272—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, यहां वर्णित अनुसूची के अकार्बनिक रसायनों का जामनगर में निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्स थेराप्यूटिक्स केमिकल रिसर्च कार्पोरेशन 4, पंचवटी सोमाइटी, निकट डाकघर, बेदी रोड, जामनगर-361002 में स्थित को जिसका पंजीकृत कार्यालय शिव इंडस्ट्रियल इस्टेट, दूसरी और तीसरी मंजिल, क्रान्तिवीर भार्डी बालमुकुन्द मार्ग, वार्डकूला गुड्स डिपो के निकट, चिंचपोकली, बम्बई-400012 को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए निम्न शर्तों के अधीन एतद्वारा मान्यता देती है, अर्थात् :—

- (i) मैसर्स थेराप्यूटिक्स रिसर्च कार्पोरेशन, निर्यात निरीक्षण परिपद द्वारा इस संबंध में नामित अधिकारी को अपने द्वारा अपनाई गयी निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं देगा ताकि अकार्बनिक रसायन के निर्यात (निरिक्षण) नियम, 1966 के नियम 4 के अंतर्गत निरीक्षण प्रमाण पत्र दिया जा सके।
- (ii) मैसर्स थेराप्यूटिक्स केमिकल रिसर्च कार्पोरेशन, इस अधिसूचना के अधीन अपने कृत्यों के पालन में ऐसे निर्देशों द्वारा आवद्ध होगा जो निदेशक (निरिक्षण एवं क्वालिटी नियंत्रण) समय-समय पर लिखित रूप में देंगे।

अनुसूची

1. एल्यूमिनियम क्लोराइड
2. एल्यूमिनियम आक्साइड
3. एल्यूमिनियम सल्फेट (नात कैरिक)
4. एल्यूमीनो कैरिक
5. एमोनियम एल्यूम
6. एमोनियम क्लोराइड
7. बेरियम कार्बोनेट
8. बेरियम क्लोराइड
9. इलोचिंग पाउडर
10. बोरेक्स
11. कैल्शियम कार्बोनेट
12. कैल्शियम डिहायड्रिक फस्फेट

13. कास्टिक पोटश
14. कास्टिक सोडा
15. कापर सल्फेट
16. फेरिक एल्यूम
17. हार्डट्रॉनॉरिक एमिड
18. हार्डट्रॉन पेरॉक्साइड
19. मैंगनीज डायक्साइड (प्राकृतिक को छोड़कर)
20. मैंगनीज सल्फेट
21. मरकरीक थायमाइड
22. पोटश एल्यूम
23. पोटेशियम कार्बोनेट
24. पोटेशियम क्लोराइड
25. पोटेशियम डिक्रोमेट
26. पोटेशियम परमैंगनेट
27. रेड फास्फोरस
28. मिनीकोन कार्बाइड
29. सोडियम कार्बाइड
30. सोडियम कार्बोनेट
31. सोडियम डाइक्रोमेट
32. सोडियम हार्डट्रॉनॉरिक
33. सोडियम हार्डट्रॉनॉरिक
34. सोडियम मिनीकोन
35. सोडियम सल्फेट
36. सोडियम ट्रायोक्साइड फास्फेट
37. जिंक सल्फेट

[फाइल सं 5/33/94/ईआई एंड टी पी]

कुमारी सुमा सुब्बान्ना, निदेशक

New Delhi, the 11th January, 1995

S.O. 272 :- In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises, for a period of three years from the date of publication of this notification, M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation located at 4, Panchavati Society, Near Post Office, Bedi Road, Jamnagar - 361 002 and having their registered office at Shiv Industrial Estate - 2nd and 3rd floor, Krantiveer Bhai Balmukund Marg, Near Byculla Goods Depot, Chinchpokli, Bombay-400012 as an agency for inspection of Inorganic Chemicals specified in Schedule annexed hereto, prior to export, at Jamnagar, subject to the following conditions, namely: -

- (i) that M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by them in granting the certificate of inspection under rule 4 of the Export of Inorganic Chemicals (Inspection) Rules, 1966;
- (ii) that M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation, in the performance of their function under this notification shall be bound by such directives as the Director (Inspection and Quality Control) may give in writing from time to time.

SCHEDULE

1. Aluminium Chloride
2. Aluminium Oxide
3. Aluminium Sulphate (non-ferric)
4. Alumino Ferric
5. Ammonium Alum
6. Ammonium Chloride
7. Barium Carbonate
8. Barium Chloride
9. Bleaching Powder
10. Borax
11. Calcium Carbonate
12. Calcium Diabasic Phosphate
13. Caustic Potash
14. Caustic Soda
15. Copper Sulphate
16. Ferric Alum
17. Hydrochloric Acid
18. Hydrogen Peroxide
19. Manganese Dioxide (other than natural)
20. Manganese Sulphate
21. Mercuric Oxide
22. Potash Alum
23. Potassium Carbonate
24. Potassium Chlorate
25. Potassium Dichromate
26. Potassium Permanganate
27. Red Phosphorous
28. Silicon Carbide
29. Sodium Bicarbonate
30. Sodium Carbonate
31. Sodium Dichromate
32. Sodium Hydrosulphate
33. Sodium Hydrosulphite
34. Sodium Silicate
35. Sodium Sulphate
36. Sodium Tripoly Phosphate
37. Zinc Sulphate

[File No. 5/33/94 EI & EP]

KUM SUMA SUBBANNA, Director

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

[डी ई एम्-3 इंजीनियरिंग अनुभाग]

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1995

का.आ. 273--मै. फर्निचर साईकल इंडस्ट्रीज (पी.) लि., डी-139(क) फोकल प्वाइंट, लुधियाना-141010 को डीईईसी बुक सं. 022617 दिनांक 11-1-93 मंजूर, 1,40,54,909.00/-रु. (4,81,652/-प्रमरीकी डालर) के निर्यात आभार के साथ 1,00,39,220,00/- रु (3,36,180.00 प्रमरीकी डालर) के लागत बीमा भाड़ा मूल्य के लिये, एक अग्रिम लाइसेंस सं. पो/ए/1521889

दिनांक 11-1-93 मंजूर किया गया था, जिसकी वैधता अवधि जारी करने की तारीख से 12 महीने थी। अब फर्म ने पूर्वोक्त अग्रिम लाइसेंस की डी ई ई सी बुक (भाग-2 निर्यात) की दूसरी प्रति इस आधार पर प्रदान करने के लिये आवेदन किया है कि यह खो गई है/इधर-उधर हो गई है। फर्म ने आवश्यक हलफनामा प्रस्तुत किया है जिसके अनुसार पूर्वोक्त अग्रिम लाइसेंस सीमाशुल्क प्राधिकारी, बम्बई से पंजीकृत कराया गया था। हलफनामों में इस आशय की एक घोषणा भी समाविष्ट की गई है कि उक्त डी ई ई सी बुक (भाग-2 निर्यात) का बाद में पता चलने पर या उसके मिलने पर उसे निर्गम प्राधिकारी को लौटा दिया जायेगा।

2. इस बात से संतुष्ट होने पर कि उक्त अग्रिम लाइसेंस की मूल डी ई ई सी बुक (भाग-2-निर्यात) खो गई है, अधोहस्ताक्षरी का यह निर्देश है कि आवेदक को डी ई ई सी बुक की दूसरी प्रति जारी की जाये। साथ ही अधोहस्ताक्षरी, विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 की धारा 9 के उप-धारा (4) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए डी ई ई सी बुक सं. 022617 दिनांक 11-1-93 (भाग-2-निर्यात) की मूल प्रति को एतद्वारा निरस्त करते हैं।

[फाइल सं. 01/81/40/1642/ए एम-93/डी ई एस-3/4346]

आर. के. सूद, उप महानिदेशक, विदेश व्यापार
कृते महानिदेशक, विदेश व्यापार

(Directorate General of Foreign Trade)

DES-III (Engg.) (Section)

New Delhi, the 24th January, 1995

S.O. 273 :- M/s. Frontier Cycle Industries (P) Lt., D-139 (A) Focal Point, Ludhiana-141010 were granted an Advance Licence No. P/L/1524889 dated 11-1-93 for CIF value of Rs. 1,00,39,220-00 (US\$ 3,36,180.00) with an export obligation Rs. 1,40,54,909.00 (US\$ 4,84,652-00) alongwith DEEC Book No 022617 dated 11-1-93 Part I (Import) & II (Export) with a validity of 12 months from the date of issue of the Licence. Now the firm have applied for grant of duplicate of DEEC Book (Part II—Export) of the said Advance Licence on the ground that the same has been lost/ misplaced. The firm have furnished necessary affidavit according to which the aforesaid Advance Licence was registered with Customs Authority at Bombay. A declaration has also been incorporated in the affidavit to the effect that if the said DEEC Book (Part-II—Export) is traced or found later on, it will be returned to the Issuing authority.

2. On being satisfied that the Original DEEC Book (Part-II—Export) of the said Advance Licence has been lost, the undersigned directs issuance of duplicate DEEC Book (Part-II—Export) to the applicant. The undersigned also, in exercise of the powers conferred in sub-clause (4) of Clause 9 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act,

1992, hereby cancel the original DEEC Book No. 022617 dated 11-1-93 (Part-II—Export).

[F. No. 01/81/40/1642/AM-93/DES-III/4346]

R.K. SOOD, Dy. Director General
of Foreign Trade
For Director General of Foreign
Trade.

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और

सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1995

का.आ. 274 —केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिये प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में, नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के नियंत्रणाधीन निम्नलिखित कार्यालयों, जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, को एतद्वारा अधिसूचित करती है:

1. फरीदाबाद शाखा कार्यालय,
भारतीय मानक ब्यूरो,
प्लॉट सं. 43, सेक्टर 16-ए,
मथुरा रोड, फरीदाबाद-121002

2. जमशेदपुर निरीक्षण कार्यालय,
भारतीय मानक ब्यूरो,
एफ-10 ए, नामडीह रोड,
बर्मा माइन्स पोस्ट आफिस
जमशेदपुर-831007

[संख्या ई-11012/2/94-हिन्दी]
राम तिलक पाण्डेय, निदेशक

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES,

Consumer Affairs & Public Distribution

New Delhi, the 16th January, 1995

S.O. 274 :- In pursuance of Sub-rule (4) of Rule 10 of the of the Official Language (use for official purposes of the union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices under the control of Ministry of Civil supplies, Consumer Affairs and Public Distribution, where more than 80% of the staff have acquired Working knowledge of Hindi :-

Bureau of Indian Standards,
Faridabad Branch Office,
Plot No. 43 Sector 16-A,
Mathura Road,
Faridabad-121002

Bureau of Indian Standards,
Jamshedpur Inspection Office,
F-10A, Naamdeeh Road,
Verma Mines Post Office,
Jamshedpur-831007

[No. E-11012/2/94-Hindi]
R.T. PANDEY, Director

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1995

का.आ. 275—भारतीय मानक ब्यूरो नियम 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड “ख” के अन्तर्गत में भारतीय मानक ब्यूरो एनद्रा द्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे दिए गए मानक(कों) में संशोधन किया गया है/किए गए हैं।

अनुसूची

क्रम संख्या	संशोधित भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन लागू होने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आईएस 14001 : 1994	संशोधन सं. 1, दिसम्बर, 1994	31 दिसम्बर, 1994
2.	आईएस 14002 : 1994	संशोधन सं. 1, दिसम्बर, 1994	31 दिसम्बर, 1994
3.	आई एस 14003 : 1994	संशोधन सं. 1, दिसम्बर 1994	31 दिसम्बर, 1994

इन संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, और क्षेत्रीय कार्यालयों बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़ तथा मद्रास और शाखा कार्यालयों अहमदाबाद बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद जयपुर, कानपुर, पटना, और त्रिवेन्द्रम, गाजियाबाद, तथा फरीदाबाद में विक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[संख्या केप्रवि/13 : 5]
पी.एस. दास, अपर महानिदेशक

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, 18 January, 1995

S.O. 275.—In pursuance of clause(b) of Sub-rule(1) or Rule 7 of Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule here annexed has/have been issued.

THE SCHEDULE

Sl. No.	No. and year of the Indian Standard amended	No. and date of the amendment	Date from which the amendment shall have effect.
1	2	3	4
1.	IS : 14001 : 1994	Amdt. No. 1, December 1994	31 December, 1994
2.	IS : 14002 : 1994	Amdt. No. 1, December 1994	31 December, 1994
3.	IS : 14003 : 1994	Amdt. No. 1, December 1994	31 December, 1994

[No. CMD/13 : 5]

P.S. DAS, Addl. Director Gen.

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1995

का.आ. 276—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) की खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिस/जिन भारतीय मानक/मानकों, का/के विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है/दिए गए हैं, वह/वे स्थापित हो गया है/हो गए हैं।

अनुसूची

क्रम सं.	स्थापित भारतीय मानक(कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा प्रतिश्रमिक भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की सं. और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आईएस : 1287—1993 बिजली के ट्रांसफॉर्मर—विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 1287—1966	1993-11-30
2.	आईएस : 418 (भाग 143)—1993 पेट्रोलियम तथा इसके उत्पादों के परीक्षण की पद्धति भाग 143 परावर्तनी अवचूषण द्वारा सफेद खनिज तेलों का मूल्यांकन	—	1993-11-30
3.	आईएस : 1493 (भाग 7)—1993 लोह अयस्कों के रासायनिक विघटन की पद्धति भाग 7 सीसा तथा/अथवा जस्ता अंश ज्ञात करना—ज्वाला परमाण्विक अवशोषण स्पेक्ट्रो मीटरी पद्धति (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 1493—1959	1993-09-30
4.	आईएस : 1528 (भाग 5)—1993 ऊष्मासह सामग्रियों के नमून लेने की और भौतिक परीक्षण पद्धतियां भाग 5 परिक्षण ताप पर विदारण मापोंक ज्ञात करना (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 1528—1974	1993-11-30
5.	आईएस : 2071 (भाग 1)—1993—उच्च वोल्टता परीक्षण तकनीक भाग 1 सामान्य परिभाषाएं और परीक्षण अपेक्षाएं (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 2071 (भाग 1)—1974	1993-10-31
6.	आईएस : 3250—1993—मिथाइल अयोनोन विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 3250—1982	1993-11-30
7.	आईएस : 4151—1993 मोटरसाइकिल चालकों के लिए सुरक्षा हेलमेट—विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 4151—1982	1993-10-31
8.	आईएस : 4247 (भाग 1)—1993 पृष्ठीय जल पावर स्टेशन के संरचनात्मक डिजाइन की रीति संहिता भाग 1 डिजाइनों का आकड़ा (तीसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 4247—1984	1993-11-30

(1)	(2)	(3)	(4)
9.	आईएम : 4570 (भाग 13/अनु. 2)—1993 क्रिस्टल इकाई होल्डर—विशिष्ट भाग 13 स्वचालित प्रहस्तन के लिए क्वार्टज की रूप-रेखा अनुभाग 2 धातु, मीनबन्द दो पित्त वाले क्रिस्टल इकाई टाइप सीयू 02	—	1993-11-30
10.	आईएम : 5052—1993—एल्यूमीनियम और उसकी मिश्र धातुएं—टैम्बर अभिनाम (पहला पुनरीक्षण)	आईएम : 5052—1969	1993-10-31
11.	आईएम : 5290—1993—लेडिंग वाल्व—विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	आईएम : 5290—1983	1993-11-30
12.	आईएम : 5753—1993—एल्का-एमाइल मिनेमिक एल्सीहाइड—विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएम : 5763—1982	1993-11-30
13.	आईएम : 8339—1993 स्वचल आहूत—प्रतिवर्ती परावर्तक—विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आईएम : 8339—1975	1993-11-30
14.	आईएम : 8815—1993—दंत चिकित्सा दांतों और मुख गुहा के क्षेत्रों के लिए पदनाम तंत्र (पहला पुनरीक्षण)	आईएम : 8815—1978	1993-10-31
15.	आईएम : 9871—1993—अन्तर्देशीय जलयान लकड़ी के अर्धे दरवाजे के आवरण—विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आईएम : 9871—1981	1993-10-31
16.	आईएम : 10242 (भाग 2 अनु. 4)—1993— जहाजों में विद्युत स्थापन—विशिष्ट भाग 2 तंत्र डिजाइन अनुभाग 4 विद्युत और विद्युत द्रवचालित स्टिरिंग मियर	—	1993-11-30
17.	आईएम : 10303—1993—मिट्टी उठाने की मशीनरी—परीक्षण और संग्रहण (पहला पुनरीक्षण)	आईएम : 10303—1982	1993-10-31
18.	आईएम : 10689—1993—मिट्टी उठाने की मशीनरी—न्यूनतम अभिगम आयाम (पहला पुनरीक्षण)	आईएम : 10689—1993	1993-10-31
19.	आईएम : 10718—1993—तकनीकी ड्राइंग शंकुओं के आयाम बनाना और अंतर निर्धारित करना (पहला पुनरीक्षण)	आईएम : 10718—1983	1983-11-30
20.	आईएम : 11113—1993—मिट्टी उठाने की मशीनरी—सीट सूचकांक बिन्दु (पहला पुनरीक्षण)	आईएम : 11113—1985	1993-09-30
21.	आईएम : 11115—1993—मिट्टी उठाने की मशीनरी—बालक के मानव भौतिक आयाम और बालक के लिए न्यूनतम स्थान क्षेत्र (पहला पुनरीक्षण)	आईएम : 11115—1985	1993-09-30

(1)	(2)	(3)	(4)
22.	आई एम : 11670--1993--तकनीकी ड्राइंग तकनीकी ड्राइंग में प्रयोग के लिए संक्षिप्त रूप और चिन्ह (पहला पुनरीक्षण)	आई एम : 11630--1986	1993-10-31
23.	आईएस : 13038--1993--पालीविनाइल क्लोराइड के जूते, तेल और बसा प्रतिरोधी--विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आई एम : 13038--1991	1993-11-30
24.	आईएस : 13537--1993--अपकेन्द्री पंपों की तकनीकी विशिष्टियां श्रेणी 2	---	1993-05-31
25.	आईएस : 13699--1993--मालवातक स्वचल से पहचान	---	1993-09-30
26.	आईएस : 13715 (भाग 1)--1993--प्रशासिक तंतु स्वच भाग 1 वर्ग विशिष्ट	---	1993-09-30
27.	आईएस : 13728--बैद्युत--प्रकाशिक क्ष-किरण प्रतिबिम्ब तीव्रको के प्रवेश क्षेत्र के आकार	---	1993-06-30
28.	आईएस : 13736 (भाग 3)--1993--पर्यावरण अवस्थाओं का वर्गीकरण भाग 1 पर्यावरण प्राचल और उनकी गम्भीरताएं	---	1993-10-31
29.	आई एस : 13736 (भाग 3/अनु. 5)--1993 पर्यावरण अवस्थाओं का वर्गीकरण भाग 3 पर्यावरण पैरामीटर और उनकी कठोरताओं के समूहों का वर्गीकरण अनुभाग 5 भूमि वाहन संस्थापन	---	1993-09-30
30.	आईएस : 13736 (भाग 3/अनु. 7)--1993 पर्यावरण अवस्थाओं का वर्गीकरण भाग 2 पर्यावरण पैरामीटर और उनका कठोरताओं के समूहों का वर्गीकरण अनुभाग 7 मुवाह्य और अस्थिर उपयोग	---	1993-07-31
31.	आईएस : 13742 (भाग 9)--1993--कार्बाइड टिपदार एक नोक वाले औजार भाग 9 वेधन और प्रफलक औजार (आई एसओ 9)	---	1993-10-31
32.	आई एस : 13770--1993--खुले विद्युत्समय के लिए विद्युत रोधन फोम--भरित नलियां और ठोस सरिंग	---	1993-10-31
33.	आईएस : 13829--1993--कीटनाशी--कृषि और खाद्य पदार्थों, मिट्टी एवं पानी में अवशिष्ट ज्ञात करने की पद्धति--एट्राजिन एवं सिमाजिन	---	1993-10-31
34.	आईएस : 13832--1993--कीटनाशी--कृषि और खाद्य पदार्थों, मिट्टी एवं पानी में अवशिष्ट ज्ञात करने की पद्धति--डाईथियोकार्बेसेट्स	---	1993-11-30
35.	आईएस : 13834 (भाग 5)--1993--क्रेन-वर्गीकरण भाग 5 शिरोपरि चलने वाली तथा पोर्टल ब्रिज क्रेन	---	1993-11-30
36.	आईएस : 13879--1993--बस्तादि मशीनरी एवं सहायकांग--करघे में हील्ड फ्रेमों का संख्यांकन	---	1993-10-31

(1)	(2)	(3)	(4)
37.	आईएस : 13900—1993—विद्युत स्थैतिक फोकरा और विद्युत चुम्बकीय बिक्षेप युक्त रंगी चित्रणली की मूल विशिष्टि	—	1993-11-30
38.	आईएस : 13905—1993—हस्पान बनाने के लिए इष्टिकाकृत स्पंज लोहा (एचवी आई—विशिष्ट)	—	1993-11-30

इन मानकों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और क्षेत्रीय कार्यालयों, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़ और मद्रास तथा शाखा कार्यालयों, अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना और त्रिवेन्द्रम, राजियावाड तथा फरीदाबाद में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[सं. के.प्र.वि/13 : 2]

पी.एस. दास, अपर महानिदेशक

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 18th January, 1995

S.O. 276 .— In pursuance of clause(b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, The Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s), Particulars of which is/are given in the Schedule hereto annexed, has/have been established on the date indicated against each.

THE SCHEDULE

Sl. No.	No. Year and Title of the Indian Standard(s) Established	No. and year of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Date of Establishment.
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 1287-1993 Electric toaster-specification (third revision)	IS : 1287:1966	93-11-30
2.	IS : 1448(P-143)-1993 Methods of test for petroleum and its products (P-143) evaluation of white mineral oils by ultraviolet absorption	IS : —	93-11-30
3.	IS : 1493 (Part 7)-1993 Method of chemical analysis of iron ores Part 7 determination of lead and/or zinc content flame atomic absorption spectrometric method (first revision)	IS : 1493-1979	93-09-30
4.	IS : 1828(Part 5)-1993 Method of sampling and physical tests for refractory materials Part 5 determination of modulus of rupture at ambient temperature (second revision)	IS : 1328-1974	93-11-30
5.	IS : 2071 (Part 1)-1993 High voltage test techniques Part 1 general definitions and test requirements (second revision)	IS : 2071(Part 1)-1974	93-10-31
6.	IS : 3250-1993 ethyl ionone-specification (second revision)	IS : 3250-1982	93-11-30
7.	IS : 4151-1993 Protective helmets for motorcycle riders-specification (first revision)	IS : 4151-1982	93-10-31

1	2	3	4
8.	IS : 4247 (Part 1)—1993 Structural design of surface hydroelectric power stations Part 1 data for design-code of practice (third revision)	IS : 4247—1984	93-11-30
9.	IS : 4570 (Part 13/Sec 2)—1993 Crystal unit holders-specification Part 13 quartz crystal unit holder outline for automatic handling section 2 metal, scaled, two pin crystal unit holder type CU 02	IS : —	93-11-30
10.	IS : 5052—1993 Aluminium and its alloys-temper designations (first revision)	IS : 5052—1869	93-10-31
11.	IS : 5290—1993 Landing valves-specification (third revision)	IS : 5290—1983	93-11-30
12.	IS : 5753—1993 Alpha-amyl cinnamic aldehyde-specification (second revision)	IS : 5753—1982	93-11-30
13.	IS : 8339—1993 Automotive vehicles reflex reflectors-specification (first revision)	IS : 8339—1976	93-11-30
14.	IS : 8815—1993 Dentistry-designation system for teeth and areas of the oral cavity (first revision)	IS : 8815—1978	93-10-31
15.	IS : 9871—1993 Inland vessels-wooden hatch covers-specification (first revision)	IS : 9817—1981	93-10-31
16.	IS : 10242 (Part 2/Sec 4)—1993 Electrical installations in ships specification Part 2 system design section 4 electric and electro-hydraulic steering gear.	—	93-11-30
17.	IS : 10303—1993 Earth-moving machinery preservation and storage (first revision)	IS : 10303—1982	93-10-31
18.	IS : 10689—1993 Earth-moving machinery minimum access dimension (first revision)	IS : 10689—1983	93-10-31
19.	IS : 10718—1993 Technical drawings Dimensions and tolerancing of cones (first revision)	IS : 10718—1983	93-11-30
20.	IS : 11113—1993 Earth-moving machinery-seat index point (first revision)	IS : 11113—1985	93-09-30
21.	IS : 11115—1993 Earth moving machinery human Physical dimensions of operators and minimum operator space envelope (first revision)	IS : 11115—1985	93-09-30
22.	IS : 11670—1993 Technical drawings-abbreviations symbols for use in technical drawings (first revision)	IS : 11670—1986	93-10-31
23.	IS : 13038—1993 Polyvinyl chloride boots, resistant to oils and fats-specification (first revision)	IS : 13038—1991	93-11-30
24.	IS : 13537—1993 Technical specification for centrifugal pumps—Class 2	—	93-05-31
25.	IS : 13699—1993 Freight containers-automatic identification	—	93-09-30
26.	IS : 13715 (Part 1)—1993 Fibre optic switches Part-1 generic specification	—	93-09-30
27.	IS : 13728—1993 Entrance field sizes of electrooptical X-ray image intensifiers	—	93-06-30
28.	IS : 13736 (Part 1)—1993 Classification of environmental conditions Part-1 classification of environmental parameters and their severities.	—	93-10-31

1	2	3	4
29.	IS : 13736 (Part 3/Sec 5)-1993 Classification of environmental conditions Part-3 classification of groups of environmental parameters and their severities Section 5 ground vehicle installations	—	93-09-30
30.	IS : 13736 (Part 3/Sec 7)-1993 Classification of environmental conditions Part-3 Classification of groups of environmental parameters and their severities Section 7 portable and non-stationary use	—	93-07-31
31.	IS : 13742 (Part 9)-1993 Carbide tipped single point tools-ISO series Part-9 boring and facing tool (ISO 9)-specification	—	93-10-31
32.	IS : 13770-1993 Insulating foam-filled tubes and solid rods for live working	—	93-08-31
33.	IS : 13829-1993 Pesticide-method for determination of residues in agricultural and food commodities, soil and water-atrazine and simazine	—	93-10-31
34.	IS : 13832-1993 Pesticide-method for determination of residues in agricultural and food commodities, soil and water-dithiocarbamates	—	91-11-30
35.	IS : 13834 (Part 5)-1993 Cranes-classification Part 5 overhead travelling and portal bridge cranes	—	93-11-30
36.	IS : 13879-1993 Textile machinery and accessories-numbering of heald frames in a loom	—	93-11-31
37.	IS : 13900-1993 Generic specification for colour picture tube with electrostatic focussing and electromagnetic deflection for colour television receivers	—	93-11-30
38.	IS : 13905-1993 Hot briquetted sponge iron(HBI) for steel making-specification	—	93-11-30

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : Bombay, Calcutta, Chandigarh and Madras and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Coimbatore, Faridabad, Ghaziabad, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Lucknow Patna, Thiruvananthapuram.

[No. CMD/13 : 2]
P.S. DAS, Addl. Director General

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1995

का.आ. 277--भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) की खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिस/जिन भारतीय मानक/मानकों, का/के विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है/दिए गए हैं, वह/वे स्थापित हो गया है/हो गए हैं।

अनुसूची

क्रम सं.	स्थापित भारतीय मानक(कों) की संख्या, वर्ष और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमण अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हों, की सं० और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आईएस 302-2-24 : 1994 घरेलू और सम्बद्ध विद्युत, साधनों की सुरक्षा भाग 2 विशेष अपेक्षाएं अनुभाग 2 रेफ्रिजरेटर, खाद्य प्रशीतित तथा बर्फ तैयार करने वाले साधन	—	1994-06-30

(1)	(2)	(3)	(4)
2. आई एच 959 : 1994 बिजली के टांकिए की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस 959 : 1980		1994-07-31
3. आई एस 1626 (भाग 1) : 1994 एसबेस्टास सीमेंट के भवन निर्माण पाइप तथा फिटिंग गटर तथा गटर फिटिंग तथा निर्माण फिटिंग—विशिष्टि भाग 1 पाइप तथा पाइप फिटिंग (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस 1626 (भाग 1) 1991		1994-08-31
4. आई एस 1926 (भाग 3) : 1993 एसबेस्टास सीमेंट के भवन निर्माण पाइप तथा फिटिंग गटर तथा गटर फिटिंग तथा छत निर्माण फिटिंग—विशिष्टि भाग 3 छत निर्माण फिटिंग (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस 1626 (भाग 3) 1981		1994-09-30
5. आई एस 1683 : 1994 खड़ उद्योग के लिए बैराइट्स—विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस 1683 : 1973		1994-09-30
6. आई एस 1769 (भाग 1) : 1994 सिगार और चरुट — विशिष्टि भाग 1 सिगार (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस 1769 (भाग 1) 1973		1994-07-31
7. आई एस 2200 : 1994 धेतिय तकुओं वाली परिवर्त्य ऊंचाई की मेज वाली मिलिंग मशीनों के लिए परीक्षण चार्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस 2200 : 1973		1994-08-31
8. आई एस 395 (भाग 2) : 1994 कंक्रीट चिनाई और प्लास्टर सतहों की पेंटिंग—रीति संहिता, भाग 2 सूचियां (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 2395 (भाग 2) 1967		1994-07-31
9. आई एस 2556 (भाग 4) : 1994 कांचाम स्वच्छता चित्रों की विशिष्टि (कांचाम चीनी मिट्टी) भाग 4 वांश बेसिन की अपेक्षाएं (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस 2566 (भाग 4) 1972		1994-08-31
10. आई एस 3025 (भाग 47) : 1944 जल और अपशिष्ट जल के नमूने लेना (भौतिक एवं रासायनिक) तथा परीक्षण पद्धतियां भाग 47 सीसा (पहला पुनरीक्षण)	—		1994-10-31
11. आई एस 3612 : 1994 संच लन तथा घर्षण उपस्कर-वर्गीकरण मापने की क्षमता की पद्धतियां (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 3612 : 1966		1994-09-30
12. आई एस 4107 : 1974 वस्त्रादि—खादी का ऊनी ब्लैक फिटिंग कपड़ा—विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 4107 : 1967		1994-08-31
13. आई एस 4372 : 1994 वस्त्रादि—खादी का ऊनी रंगीन टिबल कपड़ा—विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 4372 : 1967		1994-08-31
14. आई एस 4398 : 1994 बाल रोलर और बेयरिंग रेशों के निर्माण के लिए कार्बन क्रोमियम इस्पात—विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस 4398 : 1972		1994-08-31

(1)	(2)	(3)	(4)
15. आई एस 4410 (भाग 11/अनु 6) : 1994 नदी घाटी परि- योजनाओं सम्बन्धी पारिभाषिक शब्दावली, भाग 11 जल विज्ञान अनुभाग 6 भूमिजल	आई एस 4410 (भाग 11/अनुभाग 6) 1985		1994-09-30
16. आई एस 5452 : 1994 निर्जलीकृत सहस्रों की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 452 : 1991		1994-09-30
17. आई एस 5508 (भाग 24) : 1994 मछली पकड़ने के गियर की मार्गदर्शिका, भाग 24, 37.1 मी. बटरलफलाई ट्राल	---		1994-09-30
18. आई एस 5572 : 1994 संकटमय क्षेत्रों का वर्गीकरण (खानों को छोड़कर) विद्युतीय संस्थापन के लिए ज्वलनशील गैस और वाष्प वाले (दूसरा पुनरीक्षण)	---		1994-08-31
19. आई एस 5797 : 1994 वायुयानों में ईंधन भरने तथा ईंधन निकासने वाले रबर के होज—विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस 5797 : 1989		1994-06-30
20. आई एस 6192 : 1994 वस्त्रादि—एकाक्षत अनुकूलित उच्च पोलीइथाइलीन टेप की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस 6192 : 1984		1994-09-30
21. आई एस 8175 : 1994 तंत्र शल्य क्रिया उपकरण—चिमटी, धमनी सीधी, तथा चपटे भाग पर से बक, हुग कैंन के नमूने की आकृति एवं आयात (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 8175 : 1976		1994-09-30
22. आई एस 8249 : 1994 जिक सल्फेट हेप्टाहाइड्रेट कृषि ग्रेड— विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 8249 : 1994		1994-08-31
23. आई एस 8329 : 1994 पानी, गैस और मलजल के लिए अपकेन्द्रित डले (स्पन) तन्त्र लोहा के दाब पाइप—विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस 8329 : 1990		1994-10-31
24. आई एस 8526 : 1994 वायवीय तरल पावर सिलिंडरों के बोर और पार्ट चूड़ियों के साइज—सिफारिशें (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 8526 : 1977		1994-07-31
25. आई एस 8885 : 1994 चिकित्सीय विद्युत उपस्कर इलेक्ट्रो- मायोग्राफ—विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 8885 : 1978		1994-10-31
26. आई एस 10431 : 1994 नोजल द्वारा संपीडकों और निर्वातकों का वायु प्रवाह मापन (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 1043 : 1983		1994-09-30
27. आई एस 10923 : 1994 कार्बाइड टिपदार और ठोस कार्बाइड रीमर—तकनीकी प्रति शर्तें (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 10923 : 1984		1994-08-31
28. आई एस 10983 : 1994 तरल पावर—सिलिंडर पारस्परिक अनुप्रयोगों में पिस्टन तथा छड़ सील के लिए पेटियाँ—आयाम तथा छूटें सिफारिशें (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 10983 : 1984		1994-06-30

(1)	(2)	(3)	(4)
29.	आईएस 13174 (भाग 2) : 1994 जीवन चक्र लागत भाग 2 पद्धति विज्ञान	—	1994-08-31
30.	आईएस 13416 (भाग 3) : 1994 कार्यस्थलों पर स्त्रियों के विरुद्ध एहतियाती उपाय-सिफारिशें भाग 3 मलबे का निपटारा	—	1994-07-31
31.	आईएस 13730 (भाग 6) : 1994 कुंडलन तारों के विशेष प्रकारों की विशिष्ट भाग 6 ओलियो रेजिनास इनैमलकृत गोल एल्युमीनियम के तार वर्ग 105	—	1994-09-30
32.	आईएस 13730 (भाग 9) : 1994 कुंडलन तारों के विशेष प्रकारों की विशिष्ट भाग 9 पौलीएस्टर इनैमलकृत गोल एल्युमीनियम के तार, वर्ग 130	—	1994-09-30
33.	आईएस 13934 : 1994 पार्श्व अपवर्षण के लिए दो स्तम्भ वाली अपवर्षण मशीन के परीक्षण चार्ट	—	1994-08-31
34.	आईएस 13951 : 1994 वायुयान/विमान प्रचालकों के लिए भारी वस्तु उठाने के लिए प्लेटफार्म—सामान्य अपेक्षाएं	—	1994-07-31
35.	आईएस 13969 : 1994 भूमिगत पानी के नमूने लेने के मार्गदर्शी सिद्धांत	—	1994-07-31
36.	आईएस 13970 (भाग 3) 1994 कृत्रिम अंग रोपण विज्ञान (प्रोटोप्रोटिक्स) तथा ओर्थोटिक्स शब्दावली भाग 3 बाह्यंग ओर्थोटिक्स से सम्बद्ध पारिभाषिक शब्द	—	1994-08-31
37.	आईएस 3990 : 1994 पूर्व ढली प्रबलित प्लैक एवं जाइस्ट विशिष्ट	—	1994-08-31
38.	आईएस 13994 : 1994 पूर्वढली प्रबलित प्लैक एवं जाइस्ट से बनी फर्श एवं छत की बिजाइन एवं निर्माण—रीति संहिता	—	1994-09-30
39.	आईएस 14124 - 1994 मेलिक अम्ल, आद्य ग्रेड—विशिष्ट	—	1994-05-31
40.	आईएस 14141 : 1994 स्वचल वाहन—हवारोक धावन तंत्र—कार्यकारिता अपेक्षाएं	—	1994-07-31
41.	आईएस 14142 : 1994 पूर्व निर्मित ईट पैनल एवं आंशिक पूर्वढलित जाइस्ट से बनी फर्श एवं छत के डिजाइन एवं निर्माण—रीति संहिता	—	1994-07-31
42.	आईएस 14147 (भाग 3) : 1994 पहचान कार्ड रिकार्ड करने की तकनीक भाग 3 पहचान कार्ड पर उच्चतम वर्ष का स्थान	—	1994-06-30
43.	आईएस 14151 (भाग 1) : 1994 सिंचाई तंत्र के डिज़ाइन यंत्र के लिए पालीइथाइलीन पाइप भाग 1 पाइप	—	1994-09-30
44.	आईएस 14157 : 1994 सिमाजिन, तकनीकी—विशिष्ट	आईएस	1994-06-30
45.	आईएस 14159 : 1994 कीटनाशक—कारतप हाइड्रो-क्लोराइड, तकनीकी—विशिष्ट	—	1994-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)
46. आई एस 14161 : 1994 कीटनाशी-कृषि खाद्य वस्तु, मिट्टी एवं पानी में मैटालोक्सिन ज्ञात करने की पद्धति	—		1994-07-31
47. आई एस 14178 : 1994 दबकृत सिचाई उपस्कर पार-भाषिक शब्दावली	—		1994-10-31
48. आई एस 14187 : 1994 कीटनाशक-डेपा, तकनीकी, विशिष्ट	—		1994-10-31
49. आई एस 14193 : 1994 डिम्बक्षरण थर्मामीटर; विशिष्ट	—		1994-10-31
50. आई एस 14197 : 1994 द्रवचालित टरबाइनों के माडल-स्वीकरण परीक्षण की संहिता	—		1994-10-31
51. आई एस 14203 : 1994 आग प्रतिरोधी अभिलेख संरक्षण कैबिनेट—विशिष्ट	—		1994-09-30
52. आई एस 14205 (भाग 1) : 1994 भाष टरबाइन भाग 1 विशिष्ट	—		1994-08-31
53. आई एस 14216 : 1994 मिर्च और मसालों के प्रक्रमण इकाइयों के लिए स्वास्थ्यकर रीति संहिता	—		1994-09-30
54. आई एस क्यूसी 302401 : 1994 मुख्य प्रदाय में संयोजन और विद्युत चुम्बकीय व्यक्तिकरण निरोध के लिए स्थिर संधारितों के लिए इलैक्ट्रॉनीक उपस्कर खाली ब्यौरे क्षेत्रीय विशिष्ट में प्रयुक्त स्थिर संधारित्र लेवल 'डी' का निर्धारण	—		1994-09-30
55. आई एस क्यू सी 420000 : 1994 इलैक्ट्रॉनिक उपस्कर में उपयोग के लिए चररोधक सामान्य विशिष्ट	—		1994-09-30
56. आई एस क्यूसी 420100 : 1994 इलैक्ट्रॉनिक उपस्कर में उपयोग के लिए चररोधक-प्रोत्कर्ष निरोध चररोधकों की विषय विशिष्ट	—		1994-09-30
57. आई एस क्यूसी 420101 : 1994 इलैक्ट्रॉनिक उपस्कर में उपयोग के लिए निरोधक सिलिकान कार्बाइड प्रोत्कर्ष निरोध-चररोधकों की खाली विवरण विशिष्ट मूल्योक्त स्तर "ई"	—		1994-09-30

इन मानकों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली 110002 और क्षेत्रीय कार्यालयों बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़ तथा मद्रास और शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना और त्रिवेन्द्रम, गाजियाबाद तथा फरीदाबाद में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[सं. के. प्र. वि/13 : 2]

पी. एस. दास, अपर महाविदेशक

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 19th January, 1995

S.O 277.— In pursuance of clause (b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which is/are given in the Schedule hereto annexed, has/have been established on the date indicated against each :

SCHEDULE

Sl. No.	No. year and Title of the Indian Standard(s) Established	No. and year of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the New Indian Standard	Date of Establishment
1	2	3	4
1.	IS :302-2-24 : 1994-Safety of household and similar electrical appliances Part 2 Particular Requirements Section 24 Refrigerators, Food-Freezers and Ice-Makers	—	1994-06-30
2.	IS : 959-1994—Specification for electric soldering irons (Third Revision)	IS : 959-1980	1994-07-31
3.	IS 1626(Part 1)–1994—Asbestos cement building pipes and pipe fittings, gutters and gutter fittings and roofing fittings—specification Part 1 Pipes and pipe fittings (Second Revision)	IS : 1626(Part 1)–1991	1994-08-31
4.	IS : 1626 (Part 3)–1994—Asbestos cement building types and pipe fittings, gutter and gutter fittings and roofing fittings—specification Part 3 Roofing Fittings (Second Revision)	IS 1626(Part 3)–1981	1994-09-30
5.	IS : 1683–1994—Barytes for rubber industry—specification (Second Revision)	IS : 1683–1973	1994-09-30
6.	IS : 1769 (Part 1)–1994—Cigars and cheroots—specification Part 1 Cigars (Second Revision)	IS : 1769(Part 1)–1973	1994-07-31
7.	IS : 2200–1994—Test chart for milling machines with table of variable height, with horizontal spindle (Second Revision)	IS : 2200–1973	1994-09-31
8.	IS : 2395 (Part 2)–1994—Painting of concrete, masonry and plaster surfaces—code of practice Part 2 Schedules (First Revision)	IS : 2395 (Part 2)–1967	1994-07-31
9.	IS : 2556 (Part 4)–1994—Vitreous sanitary appliances (Vitreous China)—Specification Part 4 Specific Requirements of Wash Basins (Third Revision)	IS : 2556(Part 4)–1972	1994-08-31
10.	IS : 3025 (Part 47)–1994—Methods of sampling and test (Physical and chemical) for water and waste water Part 47 Lead (First Revision)	IS —	1994-10-31
11.	IS : 3612–1994—Crushing and grinding equipment—classification and methods for measuring capacity (First Revision)	IS : 3612–1966	1994-09-30
12.	IS : 4107–1994—Textiles–Blanketing cloth, wool khadi—Specification (First Revision)	IS : 4107–1967	1994-08-31
13.	IS : 4372–1994—Textiles–cloth, Twill, wool Khadi, dyed—specification (First Revision)	IS : 4372–1967	1994-08-31

1	2	3	4
14.	IS : 4398-1994—Carbon-chromium steel for the manufacture of balls, rollers and bearing races—specification (Second Revision)	IS : 4398-1972	1994-08-31
15.	IS : 4410(Part 11/Sec 6)-1994—Glossary of terms relating to river valley projects Part 11 Hydrology Section 6 Ground Water	IS : 4410(Part 11/Sec 6) 1985	1994-09-30
16.	IS : 5452-1994—Spices and condiments—Dehydrated garlic—specification (First Revision)	IS : 5452-1991	1994-09-30
17.	IS : 5508 (Part 24)-1994—Guide for fishing gear Part 24 37.1m Butterfly Trawl	—	1994-09-30
18.	IS : 5572-1994—Classification of hazardous areas (other than mines) having flammable gases and vapours for electrical installation (Second Revision)	—	1994-08-31
19.	IS : 5797-1994—Rubber hose for aircraft refuelling and defuelling—Specification (Third Revision)	IS : 5797-1989	1994-06-30
20.	IS : 6192-1994—Textiles—Monoaxially oriented high density polyethylene tapes—Specification (Second Revision)	IS : 6192-1984	1994-09-30
21.	IS : 8175-1994—Neurosurgical instruments—Forceps, artery, straight and curved on flat, Hugh Cairn's pattern—shape and dimensions (First Revision)	IS : 8175-1976	1994-09-30
22.	IS : 8249-1994—Zinc sulphate heptahydrate, agricultural grade—Specification (First Revision)	IS : 8249-1994	1994-08-31
23.	IS : 8329-1994—Centrifugally cast (spum) ductile iron pressure pipes for water, gas and sewage—specification (Second Revision)	IS : 8329-1990	1994-10-31
24.	IS : 8526-1994—Sizes for bores and port threads for threads for pneumatic fluid power cylinders—Recommendations (First Revision)	IS : 8526-1977	1994-07-31
25.	IS : 8885-1994—Medical electrical equipment—electromyograph—Specification (First Revision)	IS : 8885-1978	1994-10-31
26.	IS : 10431-1994—Measurement of air flow of compressors and exhausters by nozzles (First Revision)	IS : 10431-1983	1994-09-30
27.	IS : 10923-1994—Carbide Tipped and solid carbide reamers—technical supply conditions (First Revision)	IS : 10923-1984	1994-08-31
28.	IS : 10983-1994—Fluid power-cylinders-housing for piston and rod seals in reciprocating applications dimensions and tolerances—recommendations (First Revision)	IS : 10983-1984	1994-06-30
29.	IS : 13174 (Part 2)-1994—Life cycle costing Part 2 Methodology	—	1994-08-31
30.	IS : 13416 (Part 3)-1994—Preventive measures against hazards at work-places—recommendations Disposal of debris	—	1994-07-31
31.	IS : 13730 (Part 6)-1994—Specification for particular types of winding wires Part 6 Oleo-resinous enamelled round aluminium wire, class 105	—	1994-09-30
32.	IS : 13730 (Part 9)-1994—Specification for particular types of winding wires Part 9 Polyester enamelled round aluminium wire, Class 130	—	1994-09-30

1	2	3	4
33.	IS : 13934-1994—Test charts for surface grinding machines with two columns for grinding slideways	—	1994-08-31
34.	IS : 13951-1994—Heavy item lift platform for aircraft/airport operations—general requirements	—	1994-07-31
35.	IS : 13969-1994—Sampling of groundwaters—guidelines	—	1994-07-31
36.	IS : 13970 (Part 3)-1994—Prosthetics and orthotics-vocabulary Part 3 terms relating to external orthoses	—	1994-08-31
37.	IS : 13990-1994—Precast reinforced concrete planks and joints for roofing and flooring—Specification	—	1994-08-31
38.	IS : 13994-1994—Design and construction of floor and roof with precast reinforced concrete planks and joists-code of practice.	—	1994-09-30
39.	IS : 14124-1994—Malic acid, food grade—specification	—	1994-05-31
40.	IS : 14141-1994—Automotive vehicles electrical windshield washing systems—performance requirements	—	1994-07-31
41.	IS : 14142-1994—Design and construction of floors and roofs with prefabricated bricks panel-code of practice.	—	1994-07-31
42.	IS : 14147 (Part 3)-1994—Identification cards—recording technique Part 3 Location of embossed characters on ID-1 cards	—	1994-06-30
43.	IS : 14151 (Part 1)-1994—Polyethylene pipes for sprinkler irrigation systems Part 1 pipes	—	1994-09-30
44.	IS : 14157-1994—Simazine, Technical—Specification	—	1994-06-30
45.	IS : 14159-1994—Cartap hydrochloride, technical-specification	—	1994-07-31
46.	IS : 14161-1994—Pesticides-determination of metalaxyl residues in agricultural, food commodities, soil and water.	—	1994-07-31
47.	IS : 14178-1994—Pressurized irrigation equipment—terminology.	—	1994-10-31
48.	IS : 14187-1994—Depa, technical-specification.	—	1994-10-31
49.	IS : 14193-1994—Ovulation thermometers—specification.	—	1994-10-31
50.	IS : 14197-1994—Code for odel acceptance tests of hydraulic turbines	—	1994-10-31
51.	IS : 14203-1994—Fire resisting record protection cabinets—specification.	—	1994-09-30
52.	IS : 14205 (Part 1)-1994—Steam turbine Part 1 specification.	—	1994-08-31
53.	IS : 14216-1994—Code for hygienic practice for spices and condiments processing units.	—	1994-09-30
54.	IS : QC 302401-1994—Fixed capacitors for use in electronic equipment blank detail specification for fixed capacitors for electromagnetic interference suppression and connection to the supply mains assessment level D	—	1994-09-30
55.	IS QC 420000-1994—Varistors for use in electronic generic specification.	—	1994-09-30

1	2	3	4
56.	IS-QC 420100-1994—Varistors for use in electronic equipment—sectional specification for surge suppression varistors	—	1994-09-30
57.	IS QC 420101-1994—Varistors for use in electronic equipment—blank detail specification for silicon carbide surge suppression varistors—assessment level E	—	1994-09-30

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices: New Delhi, Calcutta, Chandigarh, Madras, Bombay and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Coimbatore, Faridabad, Ghaziabad, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Lucknow, Patna, Thiruvananthapuram.

[No. CMD/13:2]

P.S. DAS, Addl. Director General

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1995

का.आ. 278.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) की खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिस/जिन भारतीय मानक/मानकों, का/के विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है/दिए गए हैं, वह/वे स्थापित हो गया है/हो गए हैं :

अनुसूची

क्रम	स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा अतिरिक्त भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हों, की सं. और वर्ष	स्थापित तिथि
1	2	3	4
1.	आई एस : 583-1994 भारी कार्य के प्रयोजनों के लिए टखने तक के बूट—विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 583-1981	1994-01-31
2.	आई एस : 648-1994 चुंबकीय सर्किट के लिए गैर-दिशात्मक विद्युत-इस्पात की चद्दरे एवं पत्तियाँ—विशिष्ट (चौथा पुनरीक्षण)	आई एस : 648-1980	1994-02-28
3.	आई एस : 1200 (भाग 13)-1994 भवन निर्माण और सिविल इंजीनियरी कार्यों की मापन पद्धतियां भाग 13 भवन सतहों की सफेदी, रंगीन पुताई, डिस्टेंसपर व रोगन (पांचवा पुनरीक्षण)	आई एस : 1200 (भाग 13)-1987	1994-03-31
4.	आई एस : 1322-1993 जलनर और नमतर बनाने के लिए विद्युत् मेन नदेवे—विशिष्ट (चौथा पुनरीक्षण)	आई एस : 1322-1982	1993-12-31
5.	1891 (भाग 1)-1994 संयोजक और उत्पादक के लिए बस्त्राधि पट्टे बनाना—विशिष्ट भाग 1 सामान्य प्रयोजन के लिए पट्टे बनाना (चौथा पुनरीक्षण)	आई एस : 1891 (भाग 1)-1988	1984-02-28
6.	आई एस : 4738-1993 पट्टी, पेरिस के पलस्तर वाली—विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 4738-1989	1993-12-31

1	2	3	4
7.	आई एस : 7567-1993 पुनः बन्द होने वाले स्वचालित सर्किट की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 7567-1983	1993-12-31
8.	आई एस : 7611-1993 अतर्बाही इंजन विकीरक-विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 7611-1975	1993-12-31
9.	आई एस : 7646-1994 वेंजाइल-जे-अम्ल तकनीकी-विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 7646-1975	1994-02-28
10.	आई एस : 7917-1994 भारवाही धारक-वायु/सतही (अन्तरमाडल) सामान्य प्रयोजन के धारक-विशिष्टि एवं परीक्षण (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 7917 (भाग 1 एवं 2)-1975	1994-03-31
11.	आई एस : 8236-1994 केन कैरियर के लिए स्लेट-विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 8236-1976	1994-01-31
12.	आई एस : 8345-1994 हृदय बाहिका शल्य क्रिया उपकरण अनुप्रस्थक्रिया प्रकार के बुलडांग क्लेप-विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 8345-1977	1994-02-28
13.	आई एस : 10043-1994 स्वचल वाहन स्कूटर और मोटर-साइकिल की नियंत्रण युक्तियां, संकेतक और टैलटेल के लिए प्रतीक (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 10043-1981	1994-02-28
14.	आई एस : 10350-1993 खिजाब पाउडर-विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 10350-1982	1993-12-31
15.	आई एस : 10881-1994 स्वचल वाहन मोपेड, स्कूटर तथा मोटर साइकिल-ईंधन खपत के मूल्यांकन की पद्धति (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 10881-1984	1994-02-28
16.	आई एस : 11000 (भाग 2/अनु 3)-1994 अग्नि जोखिम परीक्षण भाग 2 परीक्षण पद्धतियां अनुभाग 3 हीटरो के द्वि-संयोजन परीक्षण	---	1994-02-28
17.	आई एस : 11154 (भाग 2)-1994 नाम पट्टिकाएं-आयास भाग 2 परिचालन नाम पट्टिकाएं (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 11154-1984	1994-02-28
18.	आई एस : 11154 (भाग 3)-1994 नाम पट्टिकाएं भाग 3 त्रिभुजीय नाम पट्टिकाएं (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 11154-1984	1994-02-28
19.	आई एस : 12032 (भाग 9)-1993 विद्युत तकनीकी क्षेत्र से संबंधित आरेखों के लिए आफीय संकेत भाग 9 दूरसंचार स्विच तथा उपान्त उपस्कर	---	1994-12-31
20.	आई एस : 12735-1994 तार रस्से तथा क्षेत्र-उपयोग के लिए सुरक्षा मापदंड और निरीक्षण कार्यविधियां (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 12735-1989	1994-02-28
21.	आई एस : 13736 (भाग 2/खंड 1)-1993 पर्यावरण अवस्थाओं का वर्गीकरण भाग 2 प्रकृति में दिखाई देने वाली पर्यावरण अवस्थाएं अनुभाग 1 तापमान और आर्द्रता	---	1993-10-31
22.	आई एस : 13737-1993 सूचना प्रौद्योगिकी सूचना विनियम के लिए 130 एम एस पुनर्लिखनीय प्रकाशिक डिस्क काट्टि क सूचना विनियम	---	1993-12-31

1	2	3	4
23.	आई एस : 13768-1993 मिट्टी उठाने की मशीनरी- सुदकती हुई मशीन और गिरती वस्तुओं से संरक्षी संरचनाओं का प्रयोगशाला मूल्यांकन विक्षेप सीमानिर्धारण आयुक्त की विशिष्टि	--	1993-12-31
24.	आई एस : 13002-1993 तट से दूर प्लेटफार्म पाइपलाइन के लिए समुद्रतल इंजीनियरी (भू-भौतिकी) सर्वेक्षण कं. आयोजना और कार्य निष्पादन मार्ग दर्शी सिद्धांत	--	1993-12-31
25.	आई एस : 13848-1993 अन्तर्देशीय जलयान रबड़ के इंजन छाज विशिष्टि	--	1993-11-30
26.	आई एस : 13866-1994 बस्त्रादि मशीनरी एवं सहायकांग कुंडलन-मूलशब्द	--	1994-02-28
27.	आई एस : 13868-1993 सूचना प्रक्रमण तंत्रों के लिए आंकड़े संचारण में कार्यक्रम सेवा परिभाषा	--	1993-12-31
28.	आई एस : 13873-1993 कार्मिक और पर्यावरणीय मानीटरों के लिए तापसंक्षीप्ति मात्राभिति	--	1993-11-30
29.	आई एस : 13930-1994 पोतनिर्माण जहाज के मुख्य इंजन के ताप पानी के शीतलतंत्र रीति संहिता	--	1994-01-31
30.	आई एस : 13939-1994 फार्म जल निकास बागान के लिए जल अवरोधक नाली बनाने की मार्गदर्शिका ।	--	1994-02-28
31.	आई एस : 13946 (भाग 1)-1994 शैल प्रतिबल ज्ञात करना-रीति संहिता भाग 1 द्रवचालित विमंजन तकनीक का उपयोग करते हुए	--	1994-02-28
32.	आई एस : 13954-1994 द्वि अल्प लघुकृत विद्युत अपघटनी टिनप्लेट चक्षर-विशिष्टि	--	1994-03-31
33.	आई एस : 13960-1994 तापसुषट्य परिपट्टन-विशिष्टि	--	1994-02-28
34.	आई एस : 14000 (भाग 4)-1994 गुणता प्रबंध तथा गुणता आश्वासन मानक भाग 4 निर्भरणीयता कार्यक्रम प्रबंध की मार्गदर्शिका	--	1994-03-31
35.	आई एस : 14004 (भाग 3)-1994 गुणता प्रबंध तथा गुणता तंत्र घटक भाग 3 संसाधित सामग्री के लिए मार्गदर्शी सिद्धांत	--	1994-03-31
36.	आई एस : 14004 (भाग 4)-1994 गुणता प्रबंध तथा गुणता तंत्र घटक भाग 4 गुणता सुधार के लिए मार्गदर्शी सिद्धांत	--	1994-03-31
37.	आई एस : 390000-1994 हलैकट्रानिकी उपस्कर में उपयोग के लिए जड़ित फिल्म प्रतिरोधक नेटवर्क की सामान्य विशिष्टि	--	1994-02-28
38.	आई एस : 750107-1994 अध्यालक युक्तियां विविक्त युक्तियां--दो धुब्रीय ट्रांजिस्टर उच्च बारम्बारता अनुप्रयोगों के लिए केस रेटित दो धुब्रीय ट्रांजिस्टर की खाली विवरण विशिष्टि	--	1994-02-28

इन मानकों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और क्षेत्रीय कार्या-
लयों बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़ तथा मद्रास और शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद,
जयपुर, कानपुर, पटना और त्रिवेन्द्रम, गाजियाबाद तथा फरीदाबाद में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

S.O. 278.—In pursuance of clause (b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which is/are given in the Schedule hereto annexed, has/have been established on the date indicated against each :

THE SCHEDULE

Sl. No.	No. and year and Title of the Indian Standard(s)	No. and year of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Date of Establishment
1	2	3	4
1.	IS : 583-1994 Ankle boots for heavy duty purposes-specification (third revision)	IS : 583-1981	1994-01-31
2.	IS : 648-1994 Non-oriented electrical steel sheets and strips for magnetic circuits-specification (fourth revision)	IS : 648-1980	1994-02-28
3.	IS : 1200 (Part 13)-1994 Method of measurement of building and civil engineering works Part 13 white washing, colour washing, distempering and painting of building surfaces (fifth revision)	IS : 1200(Part 13)-1987	1994-03-31
4.	IS : 1322-1993 Bitumn felts for water-proofing and damp-proofing -specification (fourth revision)	IS : 1322-1982	1993-12-31
5.	IS : 1891 (Part 1)-1994 Conveyor and elevator textile belting-specification Part 1 general purpose belting (fourth revision)	IS : 1891 (Part 1)-1988	1994-02-28
6.	IS : 4738-1993 Bandage, plaster of paris-specification (second revision)	IS : 4738-1980	1993-12-31
7.	IS : 7567-1993 Automatic circuit reclosers-specification (second revision)	IS : 7567-1983	1993-12-31
8.	IS : 7611-1993 Internal combustion engines-radiators-specification (first revision)	IS : 7611-1975	1993-12-31
9.	IS : 7646-1994 Benzoyl J-acid, technical-specification (first revision)	IS : 7646-1975	1994-02-28
10.	IS : 7917-1994 Fright containers-air/surface (intermodal) general purpose containers-specification and tests (first revision)	IS : 7917 (Part 1&2)—1975	1994-03-31
11.	IS : 8236-1994 Slats for cane carriers-specification (first revision)	IS : 8236-1976	1994-01-31
12.	IS : 8345-1994 Cardiovascular surgery instruments-clamps, bulldog, cross action type-specification (first revision)	IS : 8345-1977	1994-02-28
13.	IS : 10043-1994 Automotive vehicles-symbols for controls, indicators and telltales for scooters and motorcycles (first revision)	IS : 10043-1981	1994-02-28
14.	IS : 10350-1993 Powder hair dyes-specification (first revision)	IS : 10350-1982	1993-12-31
15.	IS : 10881-1994 Automotives vehicles-mopeds, scooters and motorcycles-method of evaluation of fuel consumption (first revision)	IS : 10881-1994	1994-02-28

1	2	3	4
16.	IS : 11000 (Part 2/Sec 3)-1994 Fire hazard testing Part 2 test methods section 3 Badconnection test with heaters	—	1994-02-28
17.	IS : 11154 (Part 2)-1994 Nameplates-dimensions Parts 2 circular nameplates (first revision)	IS : 11154-1984	1994-02-28
18.	IS : 11154 (Part 3)-1994 Nameplates-dimensions Part 3 triangular nameplates (first revision)	IS : 11154-1984	1994-02-28
19.	IS : 12032 (Part 9)-1993 Graphical symbols for diagrams in the filed of electrotechnology Part 9 telecommunications switching and peripheral equipment.	—	1994-12-31
20.	IS : 12735-1994 Wire ropes slings-safety criteria and inspection procedures for use (first revision)	IS : 12735-1989	1994-02-28
21.	IS : 13736 (Part 2/Sec 1)-1993 Classification of environmental conditions Part 2 environmental conditions appearing in nature Section 1 temperature and humidity	—	1993-10-31
22.	IS : 13737-1993 Information technology-130mm rewritable optical disk cartridge for information interchange	—	1993-12-31
23.	IS : 13768-1993 Earth-moving machinery-laboratory evaluations of roll-over and falling object protective structures-specification for the deflection-limiting volume	—	1993-12-31
24.	IS : 13802-1993 Planning and execution of seabed engineering (geophysical) survey for offshore platforms and pipelines-guidelines.	—	1993-12-31
25.	IS : 13848-1993 Inland vessels-rubber fenders-specification	—	1993-11-30
26.	IS : 13866-1994 Textile machinery and accessories-winding-basic terms	—	1994-02-28
27.	IS : 13868-1993 Network service definition in data communications for information processing systems	—	1993-12-31
28.	IS : 13883-1993 Thermoluminescence dosimetry systems for personal and environmental monitoring.	—	1993-11-30
29.	IS : 13930-1994 Shipbuilding-ships' maintaining fresh water cooling system-code of practice	—	1994-01-31
30.	IS : 13939-1994 Farm drainage-interceptor drains for steep hill slopes under plantation crops-guidelines for laying.	—	1994-02-28
31.	IS : 13946 (Part 1)-determination of rock stress-code of practice part 1 using the hydraulic fracturing technique	—	1994-02-28
32.	IS : 13954-1994 Double cold-reduced electrolytic tinplate sheet-specification.	—	1994-03-31
33.	IS : 13960-1994 Thermoplastic strappings-specification	—	1994-02-28
34.	IS : 14000 (Part 4)-1994 Quality management and quality assurance standards Part 4 Guide to dependability programme management.	—	1994-03-31
35.	IS : 14004 (Part 3)-1994 Quality management and quality system elements Part 3 Guidelines for processed materials.	—	1994-03-31

1	2	3	4
36.	IS : 14004 (Part 4)-1994 Quality management and quality system elements Part 4 Guidelines for quality improvement.	—	1994-03-31
37.	IS : QC 390000-1994 Fixed film resistor networks for use in electronic equipment-generic specification	—	1994-02-28
38.	IS : QC 750107-1994 Semiconductor devices-discrete devices-bipolar transistors-blank detail specification for case rated bipolar transistors for high frequency amplification.	—	1994-02-28

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : Bombay, Calcutta, Chandigarh, and Madras and also Branch Offices: Ahmedabad, Banaglore, Bhopal, Bhubaneswar, Coimbatore, Faridabad, Ghaz'abad, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Lucknow, Patna and Thiruvananthapuram.

[No. CMD/13 : 2]
P.S. DAS, Addl. Director General

भारतीय मानक ब्यूरो
नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1994

का.आ. 279.--भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) की खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिस/जिन भारतीय मानक/मानकों का/के विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है/दिए गए हैं, बहु/वे स्थापित हो गया है/हो गए हैं।

अनुसूची

क्रम सं.	स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा अतिरिक्त भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हों, की सं. और वर्ष	स्थापित तिथि
1	2	3	4
1.	आईएस 1448 (भाग 142) - 1993 पेट्रोलियम और उसके उत्पादन-परीक्षण पद्धतियां भाग 142 सुबाह्य पृथक्करण भीटर द्वारा विमान टरबाइन ईंधन के जल पृथक्करण लक्षण ज्ञात करना	—	1993-07-31
2.	आई एस 1885 (भाग 57)-1993 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 57 विद्युत और चुम्बकीय परिपथ (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 1885-1992	1993-05-31
3.	आई एस 1885 (भाग 62)-1993 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 62 विद्युत रोधन द्रव, ठोस और गैस (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 1885-1985	1993-07-31
4.	आई एस 1885 (भाग 73/अनु 01)-1993 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 73 भौतिकी और रसायन विज्ञान अनुभाग 1 भौतिकी अवधारणाएं	—	1993-07-31
5.	आई एस 2653 : 1993 डिब्बीबन्द निरापद दियासलाई-विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस 2653-1980	1993-07-31

1	2	3	4
6.	आई.एस. 3412 : 1993 घिरनियाँ-मिराहीन V बैल्ट, काट जैड, ए, बी, सी, डी और ई तथा मिराहीन बेज बैल्ट, काट एस पी जैड, एस पी बी और एस पी सी के लिए V-खिंचाव घिरनियाँ-विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई.एस. 3412:1982	1993-07-31
7.	आई.एस. : 3873 : 1993 नहरों में सीमेंट कंक्रीट/पत्थर के स्तंभ के अस्तु-विज्ञान-रीति बहिता (दूसरा पुनरीक्षण)	आई.एस. 3873 : 1993	1993-07-31
8.	आई.एस. : 3881:1993 टमाटर रस-विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आई.एस. 3881: 1966	1993-07-31
9.	आई.एस. : 4990 : 1993 कंक्रीट गटिंग कार्य के लिए प्लाईवुड : विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई.एस. : 4990: 1969	1993-08-31
10.	आई.एस. : 5223 : 1993 निम्नलिखित घरेलू की मशीनरी-नेन निष्कर्ष यंत्र-परीक्षण संज्ञा (पहला पुनरीक्षण)	आई.एस. 5223 : 1963	1993-07-31
11.	आई.एस. : 8308:1993 विद्युत रोधित के बलों के एल्युमीनियम संचालकों के संपीड़न टाइप नलिकाकार अंतस्थ शिरो की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आई.एस. 8308 : 1993	1993-07-31
12.	आई.एस. : 8309 : 1993 विद्युत रोधित के बलों के एल्युमीनियम संचालकों के मशीन टाइप के लाइनगत कनेक्टरों की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आई.एस. : 8309: 1976	1993-07-31
13.	आई.एस. : 8437 (भाग 1) : 1993 मानव शरीर में धारा के प्रवाहित होने के प्रभावों की मार्गदर्शिका भाग 1 सामान्य पहलू (पहला पुनरीक्षण)	आई.एस. 8437 : 1993	1992-07-31
14.	आई.एस. : 8437 (भाग 2) : 1993 मानव शरीर में धारा के प्रवाहित होने के प्रभावों की मार्गदर्शिका भाग 2 विशेष पहलू (पहला पुनरीक्षण)	आई.एस. 8437 : 1993	1993-07-31
15.	आई.एस. 9025 : 1993 एकल अतृप्त लघुकृत टिन प्लेट और एकल अतृप्त लघुकृत काली प्लेट अथवा टिन प्लेट कुडली और काली प्लेट कुडली, बाद में चहर के रूप में काटने के लिये (पहला पुनरीक्षण)	आई.एस.—	1993-03-31
16.	आई.एस. 9136 : 1993 कैल्शियम सल्फेट ग्रीज—विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आई.एस. 9136 : 1978	1993-05-31
17.	आई.एस. 9428 : 1993 पहले से बनी हुई कैल्शियम मिलिकेट तापरोधन (950. से. तक के तापमान के लिये)—विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आई.एस. 9428 : 1980	1993-03-31
18.	आई.एस. 9880 : 1993 मांस एवं मांस उत्पाद—एक दिन का चूड़ा बुनियादी मांस (पहला पुनरीक्षण)।	आई.एस.—	1993-07-31
19.	आई.एस. 10189 (भाग 2/अनु 1) : 1993 औद्योगिक प्रक्रम नियंत्रण वाल्व भाग 2 प्रवाह क्षमता अनुभाग 1 संस्थापित दशाओं के अन्तर्गत असंपीड़्य तरल प्रवाह के लिये साइज निर्धारित करने के समीकरण	—	1993-07-31
20.	आई.एस. 10210 : 1993 दरवाजों के लिये द्रव्यालित उच्चालकों के डिजाइन मापदंड (पहला पुनरीक्षण)	आई.एस. 10210-1982	1993-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)
21. आई एस 10286 : 1993 विरंजक सिनटेन—विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस 10286—1986	1993-08-31	
22. आई एस 10635 : 1993 तटबंध बांधों में मुक्त बोर्ड अपेक्षाओं के मार्गदर्शी सिद्धांत (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 10635—1983	1993-07-31	
23. आई एस 10810 (भाग 62) : 1993 केबलों की परीक्षण पद्धतियां भाग 62 गुच्छेदार केबलों के लिये अग्नि प्रतिरोध परीक्षण	—	1993-07-31	
24. आई एस 10854 (भाग 6) : 1993 अन्तर्वेशी जलयान कर्त्तक चूषण निकर्ष घटक भाग 6 ढलवां स्पड सिलिंडर— सामान्य अपेक्षाएं	—	1993-07-31	
25. आई एस 11114 (भाग 3) : 1993 मिट्टी उठाने की मशीनरी—आयामों और सूचकों की परिभाषाएं भाग 3 उपस्कर (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 11114 (भाग 3) : 1985	1993-07-31	
26. आई एस 12370 : 1993 स्फोटन डिस्क और स्फोटन डिस्क युक्तियां (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 12370 : 1988	1993-05-31	
27. आई एस 12746 (भाग 1/अनु 2) : 1993 दूर नियंत्रण उपस्कर और तंत्र भाग 1 सामान्य तथ्य अनुभाग 2 विशिष्टियों की मार्गदर्शिका	—	1993-08-31	
28. आई एस 12746 (भाग 5/अनु 1) 1993) दूरनियंत्रण उपस्कर तथा तंत्र भाग 5 पारगमन न्याचार अनुभाग 1 पारगमन फ्रेम फार्मेट	—	1993-08-31	
29. आई एस 13720 : 1993 बस्त्रादि मशीनरी एवं सहायकांग- पटसन कताई फ्रेम के लिये दाबन रोलर समुच्चय— विशिष्टि	—	1993-08-31	
30. आई एस 13721 : 1993 बस्त्रादि मशीनरी एवं सहायकांग- पटसन कताई फ्रेम के लिये बांविन रेल बॉस—विशिष्टि]	—	1993-04-30	
31. आई एस 13730 (भाग 0/अनु 2) : 1993 कुंडलन तारों के विशेष प्रकारों की विशिष्टि भाग 0 सामान्य अपेक्षाएं अनुभाग 2 इन्मलकृत आयताकार तांबे के तार	—	1993-06-30	
32. आई एस 13731 (भाग 3) : 1993 मालधारक उपस्कर आंकड़े विनियम (सी ई डी ई एक्स) भाग 3 इलैक्ट्रानि आंकड़े अन्तरविनियम के लिये संदेश टाइप	—	1993-08-31	
33. आई एस 13733 : 1993 कृषि ट्रैलर और ट्रालित उपस्कर—विभंजन सिलिंडर—विशिष्टि	—	1993-04-30	
34. आई एस 13739 : 1993 बाढ़ से हुई क्षति के निर्धारण करने के मार्गदर्शी सिद्धान्त	—	1993-04-30	
35. आई एस 13340 : 1993 ए सी विद्युत् तंत्रों के लिये स्वतः ठीक होने वाले 650 वोल्ट की रेटित वोल्टता के सैट संधारित्र—विशिष्टि	—	1993-08-31	

(1)	(2)	(3)	(4)
36. आई एस 13741 (भाग 1) : 1993 कार्बाइड टिन भाग 1 एक नोक वाले औजारों के लिये कार्बाइड टिप— विशिष्ट	—		1993-04-30
37. आई एस 13741 (भाग 3) : 1993 कार्बाइड टिप भाग 3 सरकवां शीर्ष वाले स्वच्छलों के लिये एक नोक वाले औजार ब्लेडों के कार्बाइड टिप—विशिष्ट	—		1994-04-30
38. आई एस 13741 (भाग 4) : 1993 कार्बाइड टिप भाग 4 बहु नोक वाले औजारों के लिये कार्बाइड टिप—विशिष्ट	—		1994-04-30
39. आई एस 13757 : 1993 पकी मिट्टी उड़नराख भवन निर्माण हटों की विशिष्ट	—		1993-04-30
40. आई एस 13557 (भाग 6) : 1993 सूचना प्रक्रमण तंत्र शब्दावली भाग 6 डाटा तैयार करना और उसका प्रहस्तन	—		1993-11-30
41. आई एस 13635 : 1993 मशीनी औजारों के संख्यात्मक नियंत्रण—प्रतीक	—		1993-08-31
42. आई एस 13742 (भाग 2) : 1993 कार्बाइड टिपदार एक नोक वाले औजार भाग 2 केंकीत खरादन और प्रफलक औजार (आई एस ओ 2)—विशिष्ट	—		1993-08-31
43. आई एस 13745 : 1993 परफोरेटर पद्धति नामक निष्कर्षण पद्धति द्वारा पार्टिकल बोर्ड में कार्मेलडी हाइड अंश ज्ञात करना	—		1993-05-31
44. आई एस 13754 : 1993 6% \leq 10% (ग्रुप बी 116) जल अवशोषण वाली उस्ट प्रेस्ड सिरैमिक टाइलें—विशिष्ट	—		1993-07-31

इन मानकों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जकर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और क्षेत्रीय कार्यालयों बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़ तथा मद्रास और शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना और त्रिवेन्द्रम, गाजियाबाद तथा फरीदाबाद में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[सं. के. प्र. वि. 13:2]

पी.एम. दास, अपर महानिदेशक

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 19th January, 1995

S.O. 279.—In pursuance of clause (b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, The Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s), Particulars of which is/are given in the Schedule hereto annexed, has/have been established on the date indicated against each:

SCHEDULE

SL. No.	No. Year and Title of the Indian Standard(s) Established	No. and year of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Date of Establishment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 1448 (P : 142) : 1993 Petroleum and its products—methods of test [P : 142] Determination of water separation characteristics of aviation turbine fuels by portable separometer	—	1993-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)
2.	IS : 1885 (Part 57) : 1993 Electrotechnical vocabulary Part 57 electric and magnetic circuits (first revision)	IS : 1885—1982	93-05-31
3.	IS : 1885 (Part 62) : 1993 Electrotechnical vocabulary Part 62 insulating solids, liquids and gases (first revision)	IS : 1885—1985	93-07-31
4.	IS : 1885 (Part 73/Sec 1)—1993 Electrotechnical vocabulary Part 73 physics and chemistry Section 1 physical concepts	—	93-07-31
5.	IS : 2653—1993 Safety matches in boxes—specification (second revision)	IS : 2653—1980	93-07-31
6.	IS : 3142—1993 Pulleys V-grooved pulleys for endless V-Belts sections Z, A, B, C, D and E and endless wedge belts sections SPZ, SPA, SPB and SPC—Specification (second revision)	IS : 3142—1982	93-07-31
7.	IS : 3873—1993 Laying cement concrete/stone slab lining on canals—code of practice (second revision)	IS : 3873—1993	93-07-31
8.	IS : 3881—1993 Tomato juice—specification (first revision)	IS : 3881—1966	93-07-31
9.	IS : 4990—1993 Plywood for concrete shuttering work—specification (second revision)	IS : 4990—1969	93-08-31
10.	IS : 5223—1993 Oilseeds milling machinery—oil expellers—test code (first revision)	IS : 5223—1963	93-07-31
11.	IS : 8308—1993 Compression type tubular in-line connectors for aluminium conductors of insulated cables—specification (first revision)	IS : 8308—1993	93-07-31
12.	IS : 8309—1993 Compression type tubular terminal ends for aluminium conductors of insulated cables—specification (first revision)	IS : 8309—1976	93-07-31
13.	IS : 437 (Part 1)—1993 Guide on effect of current passing through the human body—Part I General aspects (first revision)	IS : 8437—1993	93-07-31
14.	IS : 8437 (Part 2)—1993 Guide on effects of current passing through the human body Part 2 Special aspects (first revision)	IS : 8437—1993	93-07-31
15.	IS : 9025—1993 Single cold reduced tinplate and single cold-reduced blackplate-electrolytic triplate coil and blackplate coil for subsequent cutting into sheet form (first revision)	—	93-03-31
16.	IS : 9136—1993 Calcium complex grease—specification (first revision)	IS : 9136—1978	93-05-31
17.	IS : 9428—1993 Preformed calcium silicate insulation (for temperature up to 950°)—Specification (first revision)	IS : 9428—1980	93-03-31
18.	IS : 9800—1993 Meat and meat products-day-old chicks (layers and broilers) basic requirements (first revision)	IS :	93-07-31
19.	IS : 10189 (Part 2/Sec 1)—1993 Industrial process control valves Part 2 flow capacity Section 1 Sizing equations for Incompressible fluid flow under installed conditions	—	93-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)
20.	IS : 10210—1993 Criteria for design of hydraulic hoists for gates (first revision)	IS : 10210—1982	93-07-31
21.	IS : 10286—1993 Bleaching syntans—specification (second revision)	IS : 10286—1986	93-08-31
22.	IS : 10635—1993 Freeboard requirement in embankment dams—guidelines (first revision)	IS : 10635—1983	93-07-31
23.	IS : 10810 (Part 62)—1993 Method of tests for cables Part 62 flame retardance test for bunched cables	—	93-07-31
24.	IS : 10854 (Part 6)—1993 Inland vessels—cutter suction dredge components Part 6 Cast spud cylinder—general requirements	—	93-07-31
25.	IS : 11114 (Part 3)—1993 Earth-moving machinery—definitions of dimensions and symbols Part 3 Equipment (first revision)	IS : 11114 (Part 3)—1985	93-07-31
26.	IS : 12370—1993 Bursting discs and bursting disc devices (first revision)	IS : 12370—1988	93-05-31
27.	IS : 12746 (Part 1/Sec 2)—1993 Telecontrol equipment and systems Part 1 General consideration Section 2 Guide for specifications	IS,—	93-08-31
28.	IS : 12746 (Part 5/Sec 1)—1993 Telecontrol equipment and systems Part 5 transmission protocols Section 1 transmission frame formats	—	93-08-31
29.	IS : 13720—1993 Textile machinery and accessories—pressing roller assembly for jute spinning frame—specification	—	93-08-31
30.	IS : 13721—1993 Textile machinery and accessories—bobbin rail boss for jute spinning frame—specification	—	93-04-31
31.	IS : 13730 (Part 0/Sec 2)—1993 Specifications for particular types of winding wires Part 0 general requirements Section 2 enamelled rectangular copper wire	—	93-06-30
32.	IS : 13731 (Part 3)—1993 Freight containers—container equipment data exchange (codex) Part 3 message types for electronic data interchange	—	93-08-31
33.	IS : 13733—1993 Agricultural trailers and trailed equipment—braking cylinders—specifications	—	93-04-30
34.	IS : 13739—1993 Guidelines for estimation of flood damages	—	93-04-30
35.	IS : 13340—1993 Power capacitors of self-healing type for ac power systems having red voltage up to 650V—Specification	—	93-08-31
36.	IS : 13741 (Part 1)—1993 carbide tips Part 1 carbide tips for single point tools—specification	—	93-04-30
37.	IS : 13741 (Part 3)—1993 Carbide tips Part 3 carbide tips for single point tools blanks for sliding head type automats—specification	—	93-04-30
38.	IS : 13741 (Part 4)—1993 carbide tips part 4 carbide tips for multi point tools—specification	—	93-04-30

(1)	(2)	(3)	(4)
39.	IS : 13757—1993 Burnt clay fly ash building bricks—specification	—	93-04-30
40.	IS : 13557 (Part 6)—1992 Information) processing systems—vocabulary part 6 preparation and handling of data	—	93-11-30
41.	IS : 13635—1993 Numerical control of machines—symbols	—	93-08-31
42.	IS : 13742 (Part 2)—1993 carbide tipped single point tools—ISO series Part 2 cranked turning and facing tool (ISO 2)—specification	—	93-08-31
43.	IS : 13745—1993 Method for determination of formaldehyde content in particle board by extraction method called perforator method	—	93-05-31
44.	IS : 13754—1993 Dust-pressed ceramic tiles with water absorption of $6\% > E \geq 10\%$ (Group B IIB)—specification	—	93-07-31

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : Bombay, Calcutta, Chandigarh and Madras and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Coimbatore, Faridabad, Ghaziabad, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Lucknow, Patna, Thiruvananthapuram.

[No. CMD/13 : 2]
P.S. DAS, Addl. Director General

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1995

का.आ. 280.—भारतीय मानक व्यूरो नियम 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड "ख" के अनुसरण में भारतीय मानक व्यूरो एनडॉराग अधिसूचित करता है कि नीचे दिये गये मानक (कों) में संशोधन किया गया है/किये गये हैं।

अनुसूची

क्रम सं.	संशोधित भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन लागू होने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस 285 : 1992	संशोधन सं. 1, अगस्त 1994	1994-08-31
2.	आई एस 302-2-21 (1992)	संशोधन सं. 2, सितम्बर 1994	1994-09-30
3.	आई एस 302-2-30 (1992)	संशोधन सं. 2, मई 1994	1994-05-31
4.	आई एस 1258 : 1987	संशोधन सं. 3, मई 1994	1994-05-31
5.	आई एस 1528 (भाग 15) : 1993	संशोधन सं. 1, सितम्बर 1994	1994-09-30
6.	आई एस 1891 (भाग 4) : 1978	संशोधन सं. 2, मई 1994	1994-05-31
7.	आई एस 1919 : 1982	संशोधन सं. 2, जुलाई 1994	1994-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)
8. आई एस 2047 : 1992		संशोधन सं. 1, अगस्त 1994	1994-08-31
9. आई एस 2080 : 1980		संशोधन सं. 1, जुलाई 1 1994	1994-07-31
10. आई एस 2887 : 1993		संशोधन सं. 1, अगस्त 1994	1994-08-31
11. आई एस 2980 : 1986		संशोधन सं. 4, मई 1994	1994-05-31
12. आई एस 3175 : 1974		संशोधन सं. 1, मई 1994	1994-05-31
13. आई एस 3347 (भाग 4/अनुभाग 2) : 1982		संशोधन सं. 3, अप्रैल 1994	1994-04-30
14. आई एस 3854 : 1988		संशोधन सं. 4, सितम्बर 1994	1994-09-30
15. आई एस 5290 : 1993		संशोधन सं. 1, जून 1994	1994-06-30
16. आई एस 5594 : 1983		संशोधन सं. 2, जुलाई 1994	1994-07-31
17. आई एस 6221 : 1971		संशोधन सं. 3, जुलाई 1994	1994-07-31
18. आई एस 6222 : 1971		संशोधन सं. 2, जुलाई 1994	1994-07-31
19. आई एस 6224 : 1980		संशोधन सं. 2, जुलाई 1994	1994-07-31
20. आई एस 7924 : 1976		संशोधन सं. 2, सितम्बर 1994	1994-09-30
21. आई एस 8013 : 1985		संशोधन सं. 1, मई 1994	1994-05-31
22. आई एस 8074 : 1990		संशोधन सं. 1, मई 1994	1994-05-31
23. आई एस 8336 : 1977		संशोधन सं. 3, मई 1994	1994-05-31
24. आई एस 8492 : 1985		संशोधन सं. 2, सितम्बर 1994	1994-09-30
25. आई एस 9155 : 1979		संशोधन सं. 1, मई 1994	1994-05-31
26. आई एस 9371 : 1980,		संशोधन सं. 4, मई 1994	1994-05-31
27. आई एस 9452 (भाग 1) : 1993		संशोधन सं. 1, मई 1994	1994-05-31
28. आई एस 9471 (भाग 3) : 1980		संशोधन सं. 2, सितम्बर 1994	1994-09-30

(1)	(2)	(3)	(4)
29. आई एस 9975 (भाग 3) : 1984	संशोधन सं. 1, मई 1994		1994-05-31
30. आई एस 10008 : 1992	संशोधन सं. 1, मई 1994		1994-05-31
31. आई एस 10111 : 1992	संशोधन सं. 2, सितम्बर 1994		1994-09-30
32. आई एस 10243 : 1993	संशोधन सं. 1, मई 1994		1994-05-31
33. आई एस 10267 : 1982	संशोधन सं. 1, मई 1994		1994-05-31
34. आई एस 10350 : 1993	संशोधन सं. 1, सितम्बर 1994		1994-09-30
35. आई एस 10538 : 1983	संशोधन सं. 2, सितम्बर 1994		1994-09-30
36. आई एस 10539 : 1983	संशोधन सं. 1, सितम्बर 1994		1994-09-30
37. आई एस 11009 : 1984	संशोधन सं. 2, जुलाई 1994		1994-07-31
38. आई एस 11875 : 1926	संशोधन सं. 1, मई 1994		1994-05-31
39. आई एस 11876 : 1976	संशोधन सं. 1, मई 1994		1994-05-31
40. आई एस 12016 : 1987	संशोधन सं. 2, जुलाई 1994		1994-07-31
41. आई एस 12897 : 1990	संशोधन सं. 1, मई 1994		1994-05-31
42. आई एस 12931 : 1990	संशोधन सं. 1, जुलाई 1994		1994-07-31
43. आई एस 13172 : 1991	संशोधन सं. 1, जुलाई 1994		1994-07-31
44. आई एस 13329 : 1992	संशोधन सं. 1, जुलाई 1994		1994-07-31
45. आई एस 13331 : 1992	संशोधन सं. 1, जुलाई 1994		1994-07-31
46. आई एस 13333 : 1992	संशोधन सं. 1, जुलाई 1994		1994-07-31
47. आई एस 13403 : 1982	संशोधन सं. 2, जुलाई 1994		1994-07-31
48. आई एस 13727 : 1993	संशोधन सं. 1, अगस्त 1994		1994-08-31
49. आई एस 13775 (भाग 1) : 1993	संशोधन सं. 1, मई 1994		1994-05-31
50. आई एस 13929 : 1993	संशोधन सं. 1, मई 1994		1994-05-31

इन संशोधनों की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुरशाह जंक्शन मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, तथा मद्रास और शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, अंगलोर, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना और त्रिवेन्द्रम, गाजियाबाद तथा फरीदाबाद में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[सं. के. प्र. वि./13:5]

पी. एम. दास, अपर सहायक निदेशक

New Delhi the 20th January, 1995

S.O. 1280.—In pursuance of clause (b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed has/have been issued.

SCHEDULE

Sl. No. and year of the Indian Standard No. amended	No. and date of the amendment	Date from which the amendment shall have effect	
(1)	(2)	(3)	(4)
1. IS 285 : 1992	Amendment No. 1, August 1994	1994-08-31	
2. IS 302-2-21 (1992)	Amendment No. 2, September 1994	1994-09-30	
3. IS 302-2-30 (1992)	Amendment No. 2, May 1994	1994-05-31	
4. IS 1258 : 1987	Amendment No. 3, May 1994	1994-05-31	
5. IS 1528 (Part 15) : 1993	Amendment No. 1, September 1994	1994-09-30	
6. IS 1891 (Part 4) : 1978	Amendment No. 2, May 1994	1994-05-31	
7. IS 1919 : 1982	Amendment No. 2, July 1994	1994-07-31	
8. IS 2047 : 1992	Amendment No. 1, August 1994	1994-08-31	
9. IS 2080 : 1980	Amendment No. 1, July 1994	1994-07-31	
10. IS 2887 : 1993	Amendment No. 1, August 1994	1994-08-31	
11. IS 2980 : 1986	Amdendment No. 4, May 1994	1994-05-31	
12. IS 3175 : 1974	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31	
13. IS 3347 (Part 4/Sec 2) : 1982	Amendment No. 3, April 1994	1994-04-30	
14. IS 3854 : 1988	Amendment No. 4, September 1994	1994-09-30	
15. IS 5290 : 1993	Amendment No. 1, June 1994	1994-06-30	
16. IS 15594 : 1983	Amendment No. 2, July 1994	1994-07-31	
17. IS 6221 : 1971	Amendment No. 3, July 1994	1994-07-31	
18. IS 6222 : 1971	Amendment No. 2, July 1994	1994-07-31	
19. IS 16224 : 1980	Amendment No. 2, July 1994	1994-07-31	
20. IS 7924 : 1976	Amendment No. 2, September 1994	1994-09-30	
21. IS 8013 : 1985	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31	
22. IS 8074 : 1990	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31	

(1)	(2)	(3)	(4)
23.	IS 8336 : 1977	Amendment No. 3, May 1994	1994-05-31
24.	IS 8492 : 1985	Amendment No. 2, September 1994	1994-09-30
25.	IS 9155 : 1979	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31
26.	IS 9371 : 1980	Amendment No. 4, May 1994	1994-05-31
27.	IS 9452 (Part 1) : 1993	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31
28.	IS 9471 (Part 3) : 1980	Amendment No. 2, September 1994	1994-09-30
29.	IS 9975 (Part 3) : 1984	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31
30.	IS 10008 : 1992	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31
31.	IS 10111 : 1982	Amendment No. 2, September 1994	1994-09-30
32.	IS 10243 : 1993	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31
33.	IS 10267 : 1982	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31
34.	IS 10350 : 1993	Amendment No. 1, September 1994	1994-09-30
35.	IS 10538 : 1983	Amendment No. 2, September 1994	1994-09-30
36.	IS 10539 : 1983	Amendment No. 1, September 1994	1994-09-30
37.	IS 11009 : 1984	Amendment No. 2, July 1994	1994-07-31
38.	IS 11875 : 1986	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31
39.	IS 11876 : 1986	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31
40.	IS 12016 : 1987	Amendment No. 2, July 1994	1994-07-31
41.	IS 12897 : 1990	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31
42.	IS 12931 : 1990	Amendment No. 1, July 1994	1994-07-31
43.	IS 13172 : 1991	Amendment No. 1, July 1994	1994-07-31
44.	IS 13329 : 1992	Amendment No. 1, July 1994	1994-07-31
45.	IS 13331 : 1992	Amendment No. 1, July 1994	1994-07-31
46.	IS 13333 : 1992	Amendment No. 1, July 1994	1994-07-31
47.	IS 13403 : 1992	Amendment No. 2, July 1994	1994-07-31
48.	IS 13727 : 1993	Amendment No. 1, August 1994	1994-08-31
49.	IS 13775 (Part 1) : 1993	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31
50.	IS 13929 : 1993	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31

Copies of the Amendments are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : New Delhi, Calcutta, Chandigarh, Madras, Bombay and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Coimbatore, Faridabad, Ghaziabad, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Lucknow, Patna, Thiruvananthapuram.

[No. CMD/13 : 5]

P.S. DAS, Addl. Director General

कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1995

का. आ. 281 —केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई और भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 29 फरवरी, 1992 में प्रकाशित भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक 668, तारीख 20 फरवरी, 1992 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में भूमि और अधिकारों को अर्जित करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का, पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और महाराष्ट्र सरकार से परामर्श करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 190.82 हेक्टर (लगभग) या 471.51 एकड़ (लगभग) माप वाली भूमि अर्जित की जानी चाहिए।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (i) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में वर्णित 190.82 हेक्टर (लगभग) या 471.51 एकड़ (लगभग) माप वाली भूमि अर्जित की जाती है।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. सी. आई. (ई.)/III/जे. जे. आर./538-0793, तारीख 8 जुलाई, 1993 का निरीक्षण कलक्टर, चन्द्रपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में या बेस्टर्न कोलफील्ड्स लि. (राजस्व विभाग), कोल इस्टेट, सिविल लाइन्स, नागपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में किया जा सकता है।

अनुसूची

तेलवासा खंड

मजरी क्षेत्र

जिला चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)

[रेखांक सं. सी. आई. (ई.)/III/जे. जे. आर./538-0793, तारीख 8 जुलाई, 1993] सभी अधिकार

क्रम संख्यांक	ग्राम का नाम	पटवारी सक्ति संख्यांक	तहसील	जिला	हेक्टर क्षेत्र में	टिप्पणियां
1.	घोरवासा	28	भद्रावती	चन्द्रपुर	100.94	भाग
2.	तेलवासा	28	भद्रावती	चन्द्रपुर	89.88	भाग
					कुल 190.82 हेक्टर (लगभग)	
					या 471.51 एकड़ (लगभग)	

ग्राम घोरवासा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :—26 से 29, 30/1-30/2, 31/1-31/2-31/3, 32 से 45, 46 भाग, 47, 48, 51 से 53, 55 से 58, 59/1-59/2-59/3-59/4, 60, 61/1-61/2-61/3, 62/1-62/2-62/3, 63/1-63/2 भाग, 65, 66/1-66/2, नाला 1

ग्राम तेलवासा में अजित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :—4 से 7, 6/1, 6/2, 9, 10, 11/1-11/2, 11/3, 12, 13/1-13/2-13/3-13/4, 14, 15/1-15/2-15/3, 16/1-16/2-16/3-16/4, 17, 18/1-18/2-18/3-18/4, 19/1-19/2-20/1, 20/2-20/3-20/4, 21 भाग, 22 से 26, 66 से 68, नाला भाग

सीमा वर्णन :—

क—ख

रेखा बिन्दु “क” से आरंभ होती है और प्लॉट संख्यांक 4, 5, 66 की बाहरी सीमा के साथ-साथ ग्राम तेलवासा से होकर जाती है, फिर प्लॉट संख्यांक 68, 20/1-20/2-20/3; 20/4 की बाहरी सीमा के साथ-साथ आगे बढ़ती है, फिर प्लॉट संख्यांक 21 से होकर जाती है और प्लॉट संख्यांक 21 में प्लॉट संख्यांक 20/1; 20/2; 20/3; 20/4 की बाहरी सीमा के साथ-साथ आगे बढ़ती है और प्लॉट संख्यांक 21, 26 की बाहरी सीमा के साथ-साथ जाती है, फिर प्लॉट संख्यांक 21 और 29 की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ आगे बढ़ती है और बिन्दु “ख” पर मिलती है।

ख—ग

रेखा प्लॉट संख्यांक 26 और प्लॉट संख्यांक 46 की बाहरी सीमा के साथ-साथ ग्राम घोरवासा से होकर जाती है, फिर प्लॉट संख्यांक 46, 51 की बाहरी सीमा के साथ-साथ आगे बढ़ती है और बिन्दु “ग” पर मिलती है।

ग—घ

रेखा प्लॉट संख्यांक 63/1-63/2 में प्लॉट संख्यांक 53, नाला, प्लॉट संख्यांक 62/1-62/2-62/3 की बाहरी सीमा के साथ-साथ ग्राम घोरवासा से होकर जाती है, फिर प्लॉट संख्यांक 65, 66/1-66/2 की बाहरी सीमा के साथ-साथ आगे बढ़ती है और बिन्दु “घ” पर मिलती है।

घ—ङ

रेखा ग्राम चारगांव और घोरवासा की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु “ङ” पर ग्राम घोरवासा, चारगांव, और तेलवासा के संगम बिन्दु पर मिलती है।

ङ—क

रेखा भागवत: ग्राम तेलवासा और चारगांव की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है फिर प्लॉट संख्यांक 15/1-15/2-15/3, 14, 13/1-13/2-13/3-13/4, 12, 11/1-11/2-11/3, 8/1-8/2, 7, 4 की बाहरी सीमा के साथ साथ ग्राम तेलवासा से होकर आगे बढ़ती है और आरंभिक बिन्दु “क” पर मिलती है।

[सं. 43015/17/89—एल. एस. डब्ल्यू.]

नरेन्द्र भगत, निदेशक

MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 19th January, 1995

S.O. 281.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 668, dated the 20th February, 1992 issued under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act) and published in Part-II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India, dated the 29th February, 1992, the Central Government gave notice of its intention to acquire lands and rights in the local ty specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the competent authority in pursuance of section 8 of the said Act has made his report to the Central Government.

And whereas the Central Government after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Maharashtra is satisfied that the lands measuring 190.82 hectares (approximately) or 471.51 acres (approximately) described in the Schedule appended hereto should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the lands measuring 190.82 hectares (approximately) or 471.51 acres (approximately) described in the said Schedule are hereby acquired.

The plan bearing No. C-I(E)/III/JJR/538-0793, dated the 8th July, 1993 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Chandrapur (Maharashtra) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the Western Coalfields Limited (Revenue Department), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur (Maharashtra).

SCHEDULE

Telwasa Block

Majri Area

District Chandrapur (Maharashtra)

(Plan No. C-I(E)/III/JJR/538-0793 dated the 8th July, 1993)

All Rights

Serial number	Name of village	Patwari circle number	Tehsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Dherwasa	28	Bhadravati	Chandrapur	100.94	Part
2.	Telwasa	28	Bhadravati	Chandrapur	89.88	Part
					Total : 190.82 hectares (approximately)	
					or 471.51 acres (approximately)	

Plot numbers acquired in village Dhorwasa :

26 to 29, 30/1-30/2, 31/1-31/2-31/3, 32 to 45, 46 part, 47, 48, 51 to 53, 55 to 58, 59/1-59/2-59/3-59/4, 60, 61/1-61/2-61/3, 62/1-62/2-62/3, 63/1-63/2 part, 65, 66/1-66/2, nallah.

Plot numbers acquired in village Telwasa :

4 to 7, 8/1, 8/2, 9, 10, 11/1-11/2-11/3, 12, 13/1-13/2-13/3-13/4, 14, 15/1-15/2-15/3, 16/1-16/2-16/3-16/4, 17, 18/1-18/2-18/3-18/4, 19/1-19/2, 20/1-20/2-20/3-20/4, 21 part, 22 to 26, 66 to 68, nallah part.

Boundary description :

- A-B Line starts from point 'A' and passes through village Telwasa along the outer boundary of plot numbers 4, 5, 66, crosses nallah, then proceeds along the outer boundary of plot numbers 68, 20/1-20/2-20/3-20/4, then passes through plot number 21 and proceeds along the outer boundary of plot number 20/1-20/2-20/3-20/4, in plot number 21 and passes along the outer boundary of plot numbers 21, 26, then proceeds along the common boundary of plot numbers 21 and 29 and meets at point 'B'.
- B-C Line passes through village Dhorwasa along the outer boundary of plot number 26 and in plot number 46, then proceeds along the outer boundary of plot numbers 48, 51 and meets at point 'C'.
- C-D Line passes through village Dhorwasa along the outer boundary of plot number 53, nallah, plot number 62/1-62/2-62/3 in plot number 63/1-63/2, then proceeds along the outer boundary of plot numbers 65, 66/1-66/2 and meets as point 'D'.
- D-E Line passes along the common boundary of villages Chargaon and Dhorwasa and meets at junction point of villages Dhorwasa, Chargaon and Telwasa at point 'E'.
- E-A Line passes along the common boundary of villages Telwasa and Chargaon partly then proceeds through village Telwasa along the outer boundary of plot numbers 15/1-15/2-15/3, 14, 13/1-13/2-13/3-13/4, 12, 11/1-11/2-11/3, 8/1, 8/2, 7, 4 and meets at starting point 'A'.

[No. 43015/17/89-LSW]
N. BHAGAT, Director

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1995

का. आ. 282.—यस: पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का.आ. सं. 736, तारीख 8-3-94 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय गैस अयांस्टी ऑफ इंडिया लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में क्रोशना के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. अप्रोजेक्शन पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	मौजा	गाटा संख्या	अर्जित क्षेत्र बीघा/एकड़/हेक्टर	अन्य विवरण
1	2	3	4	5	6	7
अरुणाचल	जेरामाङ	जेरामाङ	बमनई खुर्द	345	0.1400	
				346	0.0120	
				344	0.2920	
				343	0.1420	
				342	0.0120	
				341	0.0840	
				354	0.0080	
				359	0.3000	
				297	0.0060	
				294	0.2072	
				287	0.0382	
				293	0.1886	
				289	0.0080	
				292	0.1748	
				290	0.0180	
				291	0.0128	
				285	0.0060	
				284	0.1856	
				276	0.0704	
				278	0.1880	
				277	0.3880	
				268	0.0060	
				261	0.2880	
				262	0.1996	
				263	0.0300	
				231	0.2124	
				232	0.0480	
				233	0.0120	
				234	0.1350	
				235	0.0060	

1	2	3	4	5	6	7
				237	0.1680	
				198	0.2920	
				196	0.0720	
				197	0.1200	
				181	0.0060	
				162	0.1840	
				161	0.1900	
				160	0.1540	
				159	0.2640	
				158	0.0060	
				156	0.2900	
				154	0.0960	
				1	0.3230	
योग				43	5.5856	हेक्टेअर
				या	13.796	एकड़
				या	22-01-09	बीघा

[सं. एल-14016/22/93-जी.पी.]

अर्घेन्दु सेन, निदेशक

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 17th January, 1995

S.O. 282.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 736 dated 8-3-94 under sub-section (1) of section of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

CASE SCHEDULE

H.B.J. Upgradation Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired area in Bigha/Acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Agra	Kheragarh	Kheragarh	Bamnai- Khurd	345	0.1400	
				346	0.0120	
				344	0.2920	

1	2	3	4	5	6	7
				343	0.1420	
				342	0.0120	
				341	0.0840	
				354	0.0080	
				359	0.3000	
				297	0.0060	
				294	0.2072	
				287	0.0382	
				293	0.1886	
				289	0.0080	
				292	0.1748	
				290	0.0180	
				291	0.0128	
				285	0.0060	
				284	0.1856	
				276	0.0704	
				278	0.1880	
				277	0.3880	
				268	0.0060	
				261	0.2880	
				262	0.1996	
				263	0.0300	
				231	0.2124	
				232	0.0480	
				233	0.0120	
				234	0.1350	
				235	0.0060	
				237	0.1680	
				198	0.2920	
				196	0.0720	
				197	0.1200	
				181	0.0060	
				162	0.1840	
				161	0.1900	
				160	0.1540	
				159	0.2640	
				158	0.0060	
				154	0.0960	
				1	0.3230	
				156	0.2900	
Total				43	5.5856	
				OR	13.796 Acres	
				OR	22-01-09 Bigha	

[No. L-14016/22/93-GP]
ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1995

का. आ. 283 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का. आ. सं. 742, तारीख 8-3-94 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों की बिछाने के लिए अर्जन करने का अपना आग्रह कर दिया था।

और, यतः, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और, आगे, यतः, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे, उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाए गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

बादअनुसूची

एच. बी. जे. अप्रेशेशन पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	मौजा	गाटा संख्या	अर्जित क्षेत्र बीघा/एकड़/हेक्टेयर	अन्य
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
भारगवा	खैरागढ़	खैरागढ़	खान्दरा	14	0.0160	
				15	0.0870	
				12	0.3220	
				11	0.1200	
				10	0.1540	
				9	0.0060	
				7	0.0780	
				6	0.1420	
				5	0.1800	
				3	0.0336	
				2	0.0708	
				1	0.0072	
				4	0.0100	
सम्पूर्ण योग				13	1.2266	हेक्टेयर
या					3.029	एकड़
या					04-16-19	बीघा

[संख्या एच 14016/22/93 जी पी.]

अश्वेन्द्र सैन, निदेशक

New Delhi, the 17th January, 1995

S.O. 283.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 742 dated 8-3-94 under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And, whereas, the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this 164 GI/95—9,

notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And, further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

CASE SCHEDULE

H.B.J. Upgradation Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired area in Bigha/Acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Agra	Kheragarh	Kheragarh	Khankhara	14	0.0160	
				15	0.0870	
				12	0.3220	
				11	0.1200	
				10	0.1540	
				9	0.0060	
				7	0.0780	
				6	0.1420	
				5	0.1800	
				3	0.0336	
				2	0.0708	
				1	0.0072	
				4	0.0100	
Grand Total				13	1.2226 Hactare	
				OR	3.029 Acres	
				OR	04-16-19 Bigha	

[F.No. L-14016/22/93-G.P.]
ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1995

का.आ. 284.—यतः, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का.आ. संख्या तारीख 741, 8-3-94 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय कर दिया था।

और, यतः, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्टें दे दी है।

और, आगे, यतः, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची विनिर्दिष्ट उक्त उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय गैस अगारिटी आफ इंडिया लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

वाद अनुसूची

एच.बी. जे. अपग्रेडेशन पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	मौजा	गाटा संख्या	अर्जित क्षेत्र बीघा/एकड़/हैक्टर	अन्य विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)

1	2	3	4	5	6	7
आगरा	खैरागढ़	खैरागढ़	सराय अहमद	143	0.0060	
				140	0.1920	
				139	0.4000	
				137	0.0480	
				138	0.0900	
				124	0.0020	
			योग	7	1.4220	हेक्टेयर
			या		3.514	एकड़
			या		05-12-08	बीघा

[स. एल-14016/22/93-जी. पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

New Delhi, the 17th January, 1995

S.O. 284.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 741 dated 8-3-94 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of

user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

CASE SCHEDULE H.B.J. UP GRADATION PIPE LINE PROJECT

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired area in Bigha—Acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Agra	Kheragarh	Kheragarh	Saraj Ahmad	147	0.6840	
				143	0.0060	
				140	0.1920	
				139	0.4000	
				137	0.0480	
				138	0.0900	
				124	0.0020	
Grand Total				7	1.4220 Hec.	
				OR	3.514 Acres	
				OR	05-12-08 Bigha	

[F. No. L-14016/22/93-G.P.]
ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1995

का.आ. 285.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962, (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अर्वात् भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना, का.आ. सं. 737 तारीख, 8-3-94 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आग्रह प्रकट कर दिया था

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और अग्रे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और अग्रे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय गैस अथारिटी आफ इंडिया लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

वाद-अनुसूची

एच बी० जे० अपग्रेडेशन पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	मौजा	गाटा सं.	चक सं.	अर्जित क्षेत्रफल हेक्टेयर में	अन्य विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
आगरा	खैरागढ़	खैरागढ़	जलालपुर	683	—	0.0028	
				682/2	48	0.1000	
			योग	2	2	0.1028	हेक्टेयर
			या		0.254	एकड़	
			या		0-8-2½	बीघा	

[सं. एल-14016/22/93-जी.पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

New Delhi the 17th January, 1995

S.O. 285.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 737 dated 8-3-94 under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of

user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquire for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

CASE SCHEDULE

H.B.J. Upgradation Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Chak No.	Plot No.	Acquired area in Hectares	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Agra	Kheragarh	Kheragarh	Jalalpur	—	683	0.0028	
				48	682/2	0.1000	
			Total	2	2	0.1028 Hect.	
					OR	0.254 Acres	
					OR	0-8-2½ Bigha	

[No. L-14016/22/93-G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1995

का. भा. 286—भारत का राजपत्र दिनांक 19-3-94 के पृष्ठ संख्या 908 से 910 पर प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की खनिज पाइप लाइन के (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम संख्या 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई अधिसूचना संख्या 738 दिनांक 8-3-94 ग्राम देवरी, परगना व तहसील—खेरागढ़, जनपद—आगरा की प्रकाशित सूची के स्तम्भ 5, 6 व 7 से निम्न प्रकार सही पढ़ा जाये।

पूर्व प्रकाशित			सही पढ़ा जाए		
5	6	7	5	6	7
—	729/2	0.0580	189	729/1	0. —
189	729/1	0.3360		728	0.3940
	728			670/1	
	670/1				
	661/3	0.3800	सी.एच. 18	661/1	0.0990
			115	681	0.1660
			—	681	0.1150
281	652	0.0480	181	652	0.0480
	653/1			653/1	
205	514	0.2790	200	514	0.3846
	515			515	
	495/2			513	
				495/2	
200	495/2	0.2540		496	
	496				
68	468	0.0840	69	468	0.0840
	489			489	

[संख्या एच -14016/22/93 जी० पी०]

अर्घेन्दु सेन, निदेशक

CORRIGENDUM

New Delhi, 17th January, 1995

S.O. 286—In the Gazette of India Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 738 dated 8-3-94 published on 19-3-94 at page No. 910 to 912 sub-section (1) of section 3 of the Petroleum & Mineral Pipe Line (Acquisition of right of users in land) Act, 1962 (50 of 1962) of Village—DEVRI, Pargana & Tehsil:Kheragarh, Distt. Agra in column 5, 6 and 7 be read as follows :

As per gazette			Corrected as below		
5	6	7	5	6	7
—	729/2	0.0580	189	729/1	0.3940
				728	
				670/1	
189	729/1	0.3360			
	728				
	670/1				

5	6	7	5	6	7
	661/3	0.3800	CH—18	666/1	0.0990
			115	681	0.1660
			—	681	0.1150
281	652	0.0480	181	652	0.0480
	653/1			653/1	
205	514	0.2790	200	514	0.3846
	515			515	
	495/2			513	
				495/2	
200	495/2	0.2540		496	
	496				
68	468	0.0840	69	468	0.0840
	489			489	

[No. L-14016/22/93.G.P.]

ARDHENDU SEN, Dir.

शुद्धि — पत्र

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1995

का. आ. 287.—भारत सरकार का राजपत्र दिनांक 19-3-94 के पृष्ठ सं. 913-915 पर प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को खनिज पाइप लाइन के (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम सं. 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गयी अधिसूचना सं. 739 दिनांक 8-3-94 ग्राम जगनेर, परगना व तहसील खेरागढ़, जलपद आगरा की प्रकाशित सूची के हिन्दी लिपि के स्तम्भ 5,6,7 में निम्न प्रकार सही पढ़ा जाये।

विज्ञापित			संशोधित विज्ञापित हेतु		
5	6	7	5	6	7
340	2588/1	0.3900	रास्ता	2588/2	0.0180
	2588/2		348	2588/1	0.3720
	2588/3			2588/2	
	2590			2588/3	
				2590	
1158	2579	0.0960	सी. एच. -18	2589/4	0.0760
	2589/4		सी. एच. -18	2589/5	0.0200
122	2571	0.1200	222	2571/2	0.1200
	2572			2572	
1083	2571/2	0.1379	1083	2573/1	0.1100
	2576/2				
				2571/2	
				2567/1	
			137	2571/2	0.0279
694	467	0.2200	1205	412	0.0400
	414			467	
			1143	467	0.0200
				414	
			658	467	0.0200
				414	

5	6	7	5	6	7
			449	467	0.0200
				414	
			694	467	0.1200
				414	
				415	
1018	466/1	0.2800	1018	415	0.0880
	466/2		679	415	0.0460
913	415	0.0360	913	415	0.1240
1284	463	0.1160	1284	463	0.1520
	464			464	
				432/2	
932	461	0.2010	932	461	0.1510
				462	
				463	
				432/3	
				433	
			1185	433	0.0330
			चकरोड़	433	0.0060
880	434	0.1360	880	433	0.2000
	458/1			435	
				462	
				458 1	
			477	435	0.1200
				445	
				446	
1292	446	0.1180	1292	435	0.0480
	457			446	
	458/1				
			411	446	0.0100
			सी.एच.-18	447	0.090 2
			सी.एच.-18	448	0.0160
402	436-457	0.0720	सी.एच.-18	592	0.1680
	448	0.1060	सी.एच.-18	588/1	0.0090
	548	0.1674	सी.एच.-18	589	0.0100
	492	0.1056	सी.एच.-18	591	0.2300
	588/1	0.0300	सी.एच.-18	590/1	0.0980
	589	0.1716	सी.एच.-18	590/2	0.0120
	588/2	0.0460	सी.एच.-18	594/15	0.0210
	590/2	0.0420	761	594/8	0.2000
118	594/8	0.2576	118	594/8	0.0970
671	594/8	0.0192	नदी जंगल	594/14	0.0810
	404	0.0780		374/17	
	594/14				
1227	374/16	0.1020	1227	374/16	0.3080
	399			374 18	
				399	
			चकरोड़	399	0.0120

5	6	7	5	6	7
477	374/16 397	0.2310	477	399	0.0320
			738	399	0.0600
				396/1	
				397/397/1	
1249	388	0.1200	1249	397	0.0600
	397			388	
77	378	0.0840	78	388	0.1800
				384/2	
				386	
940	386	0.2240	950	384/1	0.0900
	384 1			383	
	383				
1213	383 4	0.0156	1313	383/4	0.0800
				383	
123	332 2	0.0270	128	382/1	0.0600
				382/2	
				383/4	
				381	
841	381	1.1200	841	380	0.0820
	381 1			381	
			546	380	0.0100
411	382	0.1736	411	382	0.0150
	380				
35	379	0.0064			
198	312/9	0.3420	198	374 1	0.2506
	374/1			377	
	377			378	
	378			380	
	380				
	312/7	0.0240	सी.एम.-18	312/9	0.0420
	312/8	0.0400	सी.एच.-18	312/7	0.0240
			सी.एच.-18	313/2	0.0100
	312/6	0.0240	303	312/4	0.0400
			सी.एच.-18	312/6	0.0310
			1211	172	0.0300
				174	
310	174	0.3000	310	174	0.2500
	175			175	
	176			176	
	177			177	
		1139		200/2	0.0500
				176	
				177	

CORRIGENDUM

New Delhi, 17th January, 1995

S.O. 287 --In the Gazette of India Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 739 dated 8-3-94 published on 19-3-94

at page No. 916 to 918 sub-section (1) of section-3 of the Petroleum & Mineral Pipe Line (Acquisition of right of users in land) Act, 1962 (50 of 1962) of village—Jagner, Pargana & Tehsil—Kheragarh, Distt.—Agra in column 5, 6 & 7 be read as follows :—

PUBLISHED			TO BE PUBLISHED NOW		
5	6	7	5	6	7
340	2588/1 2588/2 2588/2 2590	0.3900	Kachaa Road 348	2588/2 2588/1 2588/2 2588/3 2590	0.0180 0.3720
1158	2579 2589/4	0.0960	CH-18 CH-18	2589/2 2589/5	0.0760 0.0200
122	2571 2572	0.1200	222	2571/2 2572	0.1200
1083	2571/2 2576/1	0.1379	1083	2573/1 2571/2 2567/1	0.1100
694	467 414	0.2220	137 1205 1143 658 449 694	2571/2 412 467 467 414 467 414 467 414	0.0279 0.0400 0.0200 0.0200 0.0200 0.1200
1018	466/1 466/2	0.2800	1018 679	415 415	0.0880 0.0460
913	415	0.0360	913	415	0.1240
1284	463 464	0.1160	1284	463 464 432/2	0.1520
932	461	0.2010	932	461 462 463 432/3 433	0.1510
			1185 Chakroad	433 433	0.0330 0.0060
880	434 458/1	0.1360	880	433 435 462 458/1	0.2000
			477	435 445 466	0.1200

5	6	7	5	6	7
1292	446	0.1180	1292	435	0.0480
	457			446	
	458/1				
			411	446	0.0100
			CH-18	447	0.0902
			CH-18	448	0.0160
402	416-457	0.0720	CH-18	592	0.1680
	448	0.1060	CH-18	588/1	0.0090
	548	0.1674	CH-18	589	0.0100
	492	0.1056	CH-18	591	0.2300
	588/1	0.0300	CH-18	590/1	0.0980
	589	0.1716	CH-18	590/2	0.0120
	588/2	0.0460	CH-18	594/15	0.0210
	590/2	0.0420	761	594/8	0.2000
118	594/8	0.2567	118	594/B	0.0970
671	594/8	0.0192	River-Forest	594/14	0.0810
	404	0.0780		374/17	
	594/14				
1227	374/16	0.1020	1227	374/16	0.3080
	399			374/18	
				399	
			Chakroad	399	0.0120
477	374/16	0.2310	477	399	0.0320
	397				
			738	399	0.0600
				396/1	
				397-398/1	
1249	388	0.1200	1249	397	0.6000
	397			388	
77	378	0.0840	78	388	0.1800
				384/2	
				386	
940	386	0.2240	950	384/1	0.0900
	384/1			383	
	383				
1213	383/4	0.0156	1313	353/4	0.0800
				383	
128.	382/2	0.0270	128	382/1	0.0600
				382/2	
				383/4	
				381	
841	381	0.1200	841	380	0.0820
	381/1			381	
			546	380	0.0100
411	382	0.1736	411	382	0.0150
	380				
	379	0.0064			
35	312/9	0.3420	198	374/1	0.2506
198	374/1			377	
	377			378	
	378			380	
	380				
	312/7	0.0240	CH-18	312/9	0.0420
	312/8	0.0400	CH-18	312/7	0.0240

5	6	7	5	6	7
	312/6	0.0240	CH-18 303 CH-18 1211	313/2 312/4 312/6 172 174	0.0100 0.0400 0.0310 0.0300
310	174 175 176 177	0.3000	310 1139	174 175 176 177 200/2 176 177	0.2500 0.0500

[F. No. 14016/22/93-G.P]
ARDHENDU SEN, Director

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1995

का.प्रा. 288.—भारत का राजपत्र दिनांक 19-3-94 के भाग-2, खण्ड-3, उपखण्ड (2) के पृष्ठ संख्या 919 से 921 पर प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की खनिज पाइप लाइन के (भूमि के उपयोग के अधिकार का अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गयी अधिसूचना संख्या 740 दिनांक 8-3-94 ग्राम—बरगवां खुर्द, परगना व तहसील—खेरागढ़, जनपद—भामरा की प्रकाशित सूची के स्तम्भ 5, 6 व 7 में निम्न प्रकार सही पढ़ा जाय।

विक्षापित			संशोधित		
5	6	7	5	6	7
68	1518 1520 1521 1522 1534	0.3960	69	1521 1522 1507	0.1872
66	1535 1536 1537	0.3112	610	1534 1535 1536 1537 1519 1520 1521	0.5200
513	1411 1390 1391 1392 1393 1394 1394 1395	0.6000	जंगल बंजर 293	1411 1390 1391	0.1040 0.4960

5	6	7	5	6	7
				1392	
				1293	
				1394	
				1395	
38	1147	0.2946	38	1147	0.1626
	1148			1148	
216	845/3	0.1360	316	845/3	0.1360
	847/3		बजत गांव	847/3	
			पंचायत	1147	0.1320
96	1147	0.1320	128	1147	0.1320
	1155			1148	
781	719	0.2905	780	719	0.2105
	756			746	
	757			747	
503	757	0.3600	508	757	0.1800
	752			752	
			बजत गांव	719/1	0.3600
			पंचायत	752	
				757	

[संख्या एल-14016/22/93-जी.पी.]

अग्नेकु सेन, निदेशक

CORRIGENDUM

New Delhi, the 17th January, 1995

S.O. 288.—In the Gazette of India Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 740 dated 8-3-94 published on 19-3-94 at page No. 921 to 923 in sub-section (I) of section-3 of the Petroleum & Mineral Pipe Line (Acquisition of right of users in land) Act 1962 (50 of 1962) of Village-Bargawan Khurd, Pargana & Tehsil-Kheragarh, Distt. Agra in column 5, 6 & 7 be read as follows :—

As per gazette			corrected as below		
5	6	7	5	6	7
68	1519	0.3960	69	1521	0.1872
	1520			1522	
	1521			1507	
	1522				
	1534				
66	1534	0.3112	610	1534	0.5200
	1536			1535	
	1537			1536	
				1537	
				1519	
				1520	
				1521	
513	1411	0.6000	Banjar	1411	0.1040
	1390		293	1390	0.4960
	1391			1391	
	1392			1392	
	1393			1393	
	1394			1394	
	1395			1395	
38	1147	0.2946	38	1147	0.1626
	1148			1148	
96	1147	0.1320	128	1147	0.1320
	1155			1148	

5	6	7	5	6	7
781	719	0.2905	780	719	0.2105
	756			746	
	757			747	
508	757	0.3600	508	757	0.1800
	752			752	
			G.S. Land	719/1	0.3600
				752	
				757	
216	845/3	0.1360	316	845/3	0.1360
	847/3			847/3	

[NO. L-14016/22/93 G.P.]
ARDHENDU SEN, Director

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1995

का. भा. 289.—भारत का राजपत्र दिनांक 19-3-94 के पृष्ठ संख्या 901 व 902 पर प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रो-लियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की खनिज पाइप लाइन के (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गयी अधिवृत्ता सं. 735 दिनांक 8-3-94 प्रति-बनवाई कता, परगना व तहसील-अैरागढ़ जनपद-भागना की प्रकाशित सूची के स्तम्भ 5, 6 व 7 में निम्न प्रकार सही पड़ा जाय।

पूर्व प्रकाशित			शुद्ध पड़ा जाय		
5	6	7	5	6	7
121	211	0.1640	121	212	0.0610
	212			213	
	213				
पहाड़	210	0.5060	बंजर पहाड़	211	0.1000
82	219	0.1440	62	219	0.1440
	220			220	
157	220	0.0400	बंजर ग्राम सभा	220	0.0400
	222			222	
175	222	0.2560	175	218	0.2560
	223			220	
	224			222	
				223	
				224	
184	191	0.1200	184	191	0.1930
	192			192	
	194			193	
	224			194	
	191	0.2100		224	
	192				
	193				
303	190	0.0060	बंजर ग्राम सभा	190	0.1380
				191	

[संख्या एल-14016/22/93 जी.पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

CORRIGENDUM

New Delhi, the 17th January, 1995

S.O. 289.—In the gazette of India Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 735 dated 8-3-94 published on 19-3-94 page No. 902 & 903 sub-section (1) of section 3 of the Petroleum & Mineral Pipe Line (Acquisition of right of users in land) Act, 1962 (50 of 1962) of Village-Bannai Kalan, Pargana & Tehsil-Kheragarh, Distt.- Agra in column 5, 6 & 7 be read as follows :—

As per gazette			Corrected as below		
5	6	7	5	6	7
121	211	0.1640	121	212	0.0640
	212			213	
	213				
Hill	210	0.5060	Hill-Rock	211	0.1000
82	219	0.1440	62	219	0.1440
	220			220	
157	220	0.0400	G.S. Land	220	0.0400
	222			222	
175	222	0.2560	175	218	0.2560
	223			220	
	224			222	
				223	
				224	
184	191	0.1200	184	191	0.1980
	192			192	
	194			193	
	224			194	
				224	
	191	0.2100			
	192				
	193				
303	190	0.0060	G.S. Land	190	0.1380
				191	

[No. L—14016/22/93 G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

गुडि-पत्र

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1995

कां.आं. 390.—भारत सरकार का राजपत्र दिनांक 1-10-94 के पृष्ठ सं 3835 पर प्रकाशित भारत सरकार के पट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की खनिज पाषाण विभाग के (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम सं. 1962 (1962 भा 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गयी अधिसूचना सं. 2265 दिनांक 13-9-94 ग्राम-तोष, पारगना, तहसील-मथुरा की प्रकाशित सूची के दिव्य निधि के स्तम्भ 5 व 6 में त्रुटि प्रकार सही पढ़ा जाए।

1. गाटा सं. 313 क्षेत्रफल 0.5100 के स्थान पर क्षेत्रफल 0.3780

2. गाटा सं. 314 क्षेत्रफल 0.3600 के स्थान पर क्षेत्रफल 0.3460

3. गाटा सं. 315 क्षेत्रफल 0.6900 के स्थान पर क्षेत्रफल 0.9120

4. गाटा सं. 316 क्षेत्रफल 0.0200 शरित्ता पढ़ा जाए।

5. कुल योग 27 क्षेत्रफल 7.3340 के स्थान पर कुल योग 28 क्षेत्रफल 7.4300 हेक्टर या 18-115 एकड़ के स्थान पर 19-359 एकड़ या 28-19-14 बीघा के स्थान पर 29-07-10 बीघा पढ़ा जाए।

[संख्या ए-14016/22/93-डी.पी.ए.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

CORRIGENDUM

New Delhi, the 17th January, 1995

S.O. 290.—In the gazette of India Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 2265 dated 13-9-94 published on 01-10-94 at page No. 3847 subsection (1) of section-3 of the Petroleum & Mineral Pipe Line (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) of Village-Tosh, Pargana & Tehsil-Mathura, Distt. Mathura in column 5, 6 be read as follows :—

1			2		
1. Plot No.	313	Area 0.5100	To be read	Area 0.3780	
2. "	314	" 0.3600		0.3460	
3. "	315	" 0.6900		0.9120	
4. "	316	" 0.0200	be also added		

5. To be read Grand Total 28 Area 7.4300 Hectare Or 18.359 Acre or 29-07-10 Bigha instead of Grand Total 27 Area 7.3340 or 18.115 or 28-19-14 Bigha.

[No. L—14016/22/93 G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

अनुसूची

अधिकारी/प्राधिकारी का नाम और पता	अधिकारता का क्षेत्र
1	2
केदार मल मुप्ता, तहसीलवार (प्रतिनियुक्ति पर) इंडियन आर्बिट्रेशन काउंसिल लिमिटेड विरमगाम—जाकसू— पानीपत पाइपलाइन परियोजना, बी—21—ए, शिव मार्ग, बनी धाके, अजयपुर—302016 (राजस्थान)	राजस्थान राज्य

જે. કે. માયલ, મયર સધિય

Schedule

Name and Address of the Officer/authority	Area of jurisdiction
1	2
KEDAR MAL GUPTA Tehsildar on deputation with Indian Oil Corporation Limited, Virangam-Choksu-Panipat Pipeline Project, B-21-A, Shiv Marg, Banipark, Jaipur (Rajasthan)-302016.	State of Rajasthan

J. K. MAYALL, Under Secy.

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

New Delhi, the 16th January, 1995

S.O. 292.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Language (User of Official Purposes of the Union) Rule, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices under the Ministry of Health & Family Welfare, 80 percent staff whereof have acquired working knowledge of Hindi :—

1. National Tuberculosis Institute, Bangalore.
2. Central Drug Standard Control Organisation Sub Zonal Office (U.P.) Lucknow.
3. Central Government Health Scheme, Jabalpur.
4. Regional Leprosy Training and Research Institute, Aska, Ganjam, Orissa.
5. Regional Office for Health and Family Welfare, Pune.
6. Central Jalma Institute for Leprosy, Taj Ganj, Agra-282001.
7. Regional Medical Research Centre for Tritals (ICMR), R M R C Complex, Nagpur Road, Jabalpur-482003.
8. Rajendra Memorial Research Institute of Medical Sciences, Agam Kuan, Patna-800007.

[No. E-11012/1/94-OLI]

SHAILAJA CHANDRA, Jt. Secy.

विद्युत् मंत्रालय

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1995

का.आ. 293 :—सार्वजनिक परिसर (अप्रामादित अधि-भोगियों की वेदखती) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने एतद्वारा विद्युत् मंत्रालय में भारत सरकार के दिनांक 8 जुलाई, 1993 के का. आ. 1590 में निम्नलिखित संशोधन किए हैं, प्रवृत्ति :—

उक्त अधिसूचना के नीचे तालिका में क्र. सं. 4 में कालम (1) की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी,

“श्री आर. यू. खान, विधि अधिकारी, कोरबा सुपर ताप विद्युत् परियोजना, मध्य प्रदेश।”

[का. सं. 8/6/92-यू. एस. (सी. टी.)]

रमेश चन्द्र, अवसर सचिव

MINISTRY OF POWER

New Delhi, the 17th January, 1995

S.O. 293.—In exercise of the power conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby makes the following amendment to the notification of the Government of India in the Ministry of Power number S.O. 1590, dated the 8th July, 1993, namely :—

In the table below the said notification, for the entry in column (i) against serial number 4, the following entry shall be substituted, namely :—

“Shri R.U. Khan, Law Officer, Korba Super Thermal Power Project, Madhya Pradesh.”

[F.No. 8/6/92-US(CT)]

RAMESH CHANDER, Under Secy.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 5 जनवरी, 1995

का. आ. 294 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सैन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण मद्रास के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-1-95 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एन.—12012/3/89-डी II ए, आई.आर.बी-2]

बी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 5th January, 1995

S.O. 294.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal,

Madras as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of CENTRAL BANK OF INDIA and their workmen, which was received by the Central Government on 5-1-95.

[No. L-12012/3/89-D IIA/IR(B-II)]

V.K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL,
TAMIL NADU
MADRAS

Thursday, the 19th day of May, 1994.

PRESENT

THIRU—K. SAMPATH KUMARAN, B.A.B.L.,

INDUSTRIAL TRIBUNAL

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 46/89

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1) (d) of the Industrial Disputes Act, 1947, between the Workman and the Management of Central Bank of India, Madurai).

Between

Shri I.N. Nagamony,
Cherukural Puthen Vecdu,
Kannumamoodu,
Edaikodu Village,
Vilavancode Taluk,
Kanyakumari Distt.-629 702.

AND

The Regional Manager,
Central Bank of India,
Regional Office, P.B. No. 206,
IInd Floor, Work Shop Road,
(Sinnakkal) Madurai-625 001.

REFERENCE : Order No. L—12012/3/89-D.II(A), dated 15-5-1989, Ministry of Labour, Govt of India, New Delhi.

This dispute coming on 1st day of March, 1994 for final hearing upon perusing the reference, claim and Counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Tvl. S. James, P.G. Thamaraiichelvi, Advocates appearing for the workman and of Tvl. T.S. Gopalan, P. Ibrahim Kalifulla, S. Ravindran and N.C. Srinivasa Varadhan, Advocates appearing for the Management, and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following

AWARD

This reference has been made for the adjudication of the following issue :

“Whether the action of the Management of Central Bank of India, in dismissing Shri I.N. Nagamony, Daftry-cum-Watchman from the service of the Bank is justified ? If, not, to what relief is the workman entitled.”

2. The petitioner filed the following Claim Statement: The petitioner joined Bank on 2-11-78 as a temporary watchman-cum-Peon and was subsequently confirmed. He

was served with charge sheet dated 3-7-86. Totally 5 charges were framed against him. The petitioner was not a member of any union, and there is nobody to defend the petitioner in the departmental enquiry. The petitioner faced the enquiry and his request for engaging a lawyer to help him was rejected by the respondent without reasons. The Enquiry Officer found that only the first 3 charges were proved against the petitioner. The Disciplinary Authority disagreed with the Enquiry Officer and came to the conclusion that along with first 3 charges, the 4th charge was also proved and issued a Show Cause Notice dated 27-5-87 seeking explanation of the petitioner as to why he should not be dismissed from service. The petitioner appeared before the Disciplinary Authority on 8-6-87 for personal hearing with regard to the proposed punishment and explained the matter. He submitted a written reply to the Show Cause Notice. The petitioner was dismissed from service by the order dated 17-6-87. The petitioner had no experience in departmental enquiry and the refusal of the respondent to permit him to engage a lawyer vitiates the whole enquiry. The enquiry officer was not a fair minded person. The request of the petitioner to change the Enquiry Officer was rejected. The whole enquiry is against natural justice. The charges were framed in the year 1986, whereas the charges relate to the period 1981-82. The charges were vague. Another employee of the bank was reinstated into service without enquiry. The first two charges relate to alteration of dates in the medical certificate produced by the petitioner for availing leave. These two medical certificates were produced in the year 1981 and 82. The respondent bank after due verification sanctioned leave for the period mentioned in the medical certificates. These documents were under the exclusive custody of the respondent-bank. After 5 years, the respondent-bank finds alternation in the dates. There is no evidence to show that such alteration was made by the petitioner. Therefore, the findings of the Enquiry Officer with regard to the first two charges have to be set aside. The 3rd charge relates to the availing of leave fare concession. The bank has not proved the charges. The petitioner went to Allahabad with his family, spent 3 days in Allahabad in Anand Nivas hotel for which he produced the bill. The petitioner claimed Rs. 775.60, but only Rs. 400 was allowed. The petitioner availed leave fare concession in the year 1982, and produced the bills in that year, which were verified by the branch as well as sanctioning authority and the internal auditors. All the tickets and vouchers with relevant records were in the custody of the respondent-bank. The Exhibits marked by the respondent as tickets were not that produced by the petitioner. There is no evidence to show that these tickets were produced by the petitioner in June, 1982.

3. Regarding charges 4 and 5, Enquiry Officer held that they were not proved. The reversion of the finding of the Enquiry Officer on Charge No. 4 by the Disciplinary Authority is vitiated. The complainant with regard to charge no. 4 was not examined for which there is no explanation. The conclusion of the Disciplinary Authority that there is some financial dealing between the petitioner and the complainant and hence, the charge of demand of money for sanction of loan is proved is quite illogical.

4. Assuming that the charges are proved, the punishment is excessive. Therefore, an award may be passed holding that the non-employment of the petitioner is not justified and directing the respondent to reinstate the petitioner with back wages, continuity of service and other benefits.

5. The respondent filed the following Counter :
The charges against the workman are :

1. That Thiru Nagamony vide his leave application dated 9-3-81 applied for leave on medical grounds from 9-3-81 to 16-3-81. He produced a discharge slip dated 16-3-81 issued by Military Hospital, Trivandrum. On the certificate the date of admission to the hospital has been altered as 9-3-81. On verification it is found that Thiru Nagamony was actually admitted in the hospital on 10-3-81. Thus, Nagamony produced a certificate which had been altered to give him the advantage of one more day's leave.

2. Mr. Nagamony submitted a leave letter dated 23-8-82 for 13 days sick leave from 23-8-82. He reported for duty on 6-9-82 and produced a discharge slip dated 25-8-82 issued by Military Hospital, Trivandrum. The date of discharge mentioned in this Certificate is found to have been altered as 4-9-82. On verification it was found that Nagamony who was admitted on 23-8-82 was discharged on 26-8-82. By producing the altered discharge certificate, Mr. Nagamony stayed away from duty beyond 26-8-82. 3(a) Nagamony submitted a leave fare concession bill for Rs. 775.60 in June 1982. In order to claim the bill under LFC facility he produced bus tickets nos. 256/YZD, 4823 and 246/YZD 3567 issued by Kerala Tourist Corporation for the journey from Kaliakavilai to Nagercoil and represented that these tickets were issued for the journey from Nagercoil to Trivandrum (b) the amount of bus ticket numbers 92695 and 92696 issued by Pallavan Transport Corporation Ltd., operating in Madras city only have been included to claim the fare for the journey from Nagercoil to Trivandrum. (c) Nagamony claimed Rs.34/ only per ticket for journey from Allahabad to Secunderabad whereas the prevailing rail fare was more. (d) In support of journey from Secunderabad to Renigunta, Nagamony produced two excess fare tickets No. 512461 for Rs. 142 and 512464 for Rs. 12. As per these tickets, the excess fare was collected at warrangal for journey from Balharshah to Renigunta. Thus he has not produced correct tickets for his journey. Further, he produced a bill issued by a lodge at Allahabad wherein the date of arrival and departure were given as 13-6-82 to 15-6-82. In the tickets 512461 and 512464 the date of journey has been altered to 13-6-82. Train No. 132 for which the excess fare tickets have been issued did not run from Secunderabad to Renigunta. Thus Nagamony submitted false bill under LFC facility, and committed gross misconduct.

4. Nagamony, while working at Puliyoorsalai branch demanded Rs. 500 from Thangappan stating that he would get a loan sanctioned to him. Thangappan refused to pay the amount on 25-10-84, when Thangappan was granted a loan of Rs. 5,000, Nagamony demanded Rs. 500 from him. On his refusal, he forcibly took away Rs. 500 from Thangappan. On 26-10-84, Nagamony went to the borrower's house and demanded Rs. 200 when the borrower was away.

5. Nagamony while working in Puliyoorsalai branch obtained Rs. 500 from K.Muthusamy, promising that he will get a loan.

6. During the enquiry, Nagamony stated that he will himself defend the case. But, he wanted proceedings to be recorded in Malayalam. The Enquiry Officer stated that the proceedings will be recorded in English only, and stated that Nagamony can take the assistance of the staff member, who is well versed in Malayalam and English. The Enquiry proceedings will show that the petitioner had skilfully cross-examined the Management's witnesses and the enquiry officer had translated the entire enquiry proceedings then and there, and that was accepted by the workman. Nagamony has also signed for having understood the entire proceedings.

7. The Enquiry Officer found that the charges 1 to 3 were proved and that the charges 4 and 5 were not proved. The disciplinary authority issued a Show Cause Notice dated 27-5-87 requesting the workman to appear on 8-6-87 with regard to the charge sheet dated 3-7-86. He had disagreed with the finding of the Enquiry Officer with respect to charge no. 4 and declared that the charge no. 4 was proved. He proposed a consolidated punishment of dismissal. The petitioner represented before the Disciplinary authority on 8-6-87. He was dismissed from service by the order dated 17-6-87.

8. After issue of the charge sheet, dated 3-7-86, the dismissed workman committed a major misconduct on 12-2-87 for which he was suspended. An enquiry was conducted against N. Raghunathan, Chief Cashier of Nagercoil branch and the Disciplinary Authority had already passed the punishment order against Raghunathan. He was reinstated into service after the infliction of the punishment. The dismissed workman was also issued the charge sheet dated 9-3-87 and the Enquiry was conducted. The disciplinary authority did not pass any order on the basis of the Enquiry report, since the workman had already been dismissed in view of the charge sheet dated 3-7-86.

9. Since the Presenting Officer was not a legally qualified person, the bank had declined his request for an advocate to represent his case in the departmental proceedings by letter dated 29-8-86. The case was represented by an Officer of the bank in his official capacity. Para 6(a) of the Sastry Award provides that the charge sheeted employee should be defended by a representative of a registered union of the bank or with bank permission by a lawyer. Since the presenting Officer is not legally qualified and was not having any previous experience in conducting the domestic enquiry, the Management did not permit the worker to engage a lawyer. The Presenting Officer and the Enquiry Officer were not conversant with legal procedure and had not conducted any enquiry previously. The petitioner was given a reasonable opportunity. In the application submitted at the time of the employment in the bank Nagamony had stated that he can read and write English along with Hindi and Malayalam. These applications were written only in English and not in Malayalam. Enquiry proceedings were translated then and there into Malayalam by the Enquiry Officer.

10. Even during the course of the personal hearing before the Disciplinary Authority or after the completion of the enquiry, the petitioner did not challenge the appointment of Enquiry Officer. The Disciplinary Authority by his letter dated 29-11-86 had replied that it is only a surmise that the friendship between the Enquiry officer and the former Branch Manager of Pullyoorsalai will influence the Enquiry Officer. He was also informed that there was no need to change the Enquiry Officer. Whatever, complaints/reports are received, they are thoroughly investigated and if there is a prima facie case, and after conducting the enquiry, the punishment is imposed. Naturally there will be time lag.

11. It is true that the petitioner submitted medical certificate with alterations. Only after verification of the records and after getting necessary certificates from the respective officials, charges were framed against workmen. On account of verification with the Government department, it has taken some time to frame charges. Only on the basis of the evidence produced in the enquiry,

the Disciplinary Authority reversed the findings of the Enquiry Officer. The punishment given by the Disciplinary Authority is reasonable, considering the offence committed by him. The person working in bank must act with utmost integrity. The Management may be permitted to lead evidence before this Court. Therefore, the claim may be dismissed.

12. The Issues that arise for consideration in this Industrial dispute are :

1. Whether the charges against the petitioner have been proved?
2. Whether the enquiry against the petitioner has been fair and just?
3. Whether the punishment imposed upon the petitioner is appropriate.

13. Issues 1 to 3 : The first charge is that the petitioner Nagamony gave his leave application (Ex.M. 17 dt. 9-3-81) seeking leave on medical grounds for 8 days from 9-3-81. He had stated that the medical certificate will be produced at the time of joining, but he had produced a discharge slip (Ex. M. 18 dated 16-3-81) from the Military Hospital, Trivandrum where in the date of admission has been altered from 10-3-81 to 9-3-81. It is evident from the mere perusal of Ex.M.18 that the date of admission found therein has been altered by overwriting as '9th. Thereupon the respondent bank wrote a letter to the Military hospital, Trivandrum requesting them to confirm whether the alteration of the date as 9-3-81 was authenticated alteration, and also requested them to give the date of admission of the petitioner-Nagamony. The reply (which is also a part of Ex. M.28) shows that the petitioner-Nagamony was admitted in the hospital only on 10-3-81. So, the respondent bank issued a memo found Ex. M. 29 dated 14-2-83 calling upon him to explain why he altered the date of admission in the discharge slip. The reply given by the petitioner is also a part of Ex.M.29 where in he has stated that since the original certificate and the copies of the relevant records were not shown and furnished to him, he is not able to recollect, that alongwith medical certificate issued by the Military hospital, he had attached a Medical certificate obtained from a local doctor pertaining to 9-3-81, that the said certificate appears to have been suppressed and that some miscreants have caused the correction in the medical certificate issued by the Military Hospital, Trivandrum. He has also stated that he had not done the correction. So, from this it is clear that he was admitted in the Military hospital only on 10-3-81, and according to him he had produced the discharge slip from the Military hospital for the period from 10-3-81 only, and that he had also produced a certificate from a local doctor for 9-3-81. so, it is clear that there is alternation in the date. The question is whether somebody else could have corrected it and whether there is any reason for anybody to do so. In the reply found in Ex.M.29, the petitioner has not named any person who could have done so. He has not given any reason for anybody to do so. MW7 Parameswaran examined on the side of the Management in the domestic enquiry spoke about the leave application, the discharge slip produced by the petitioner, about the memo issued to him and the reply given by the petitioner. The petitioner questioned MW7 Parameswaran as to whether he corrected the discharge slip and

Parameswaran replied in the negative. The petitioner suggested to him as follows :

I have seen that yourself and one Mr. A.M.J. Stanislas, Peon of this Office were altering discharge slip. What, have to say in this.

To this he replied he did not do so.

If really the petitioner had seen Parameswaran and Stanislas correcting or altering the discharge slip he would not have kept quiet without giving a complaint against them. In the reply to the memo found in Ex. M.29 he has not mentioned the names of Stanislas and Parameswaran. He merely stated that it was some miscreant. Therefore, the suggestion that he had seen them correcting or altering the memo is unacceptable. It is the petitioner who will be interested in altering date. Though, he attempts to say that he had produced medical certificate from a local doctor, and that was suppressed, there was no such suggestion to Parameswaran. There is nothing to show that the petitioner had produce a certificate from a local doctor regarding 9-3-81. When the petitioner is an ex-servicemen, and when he has been taking treatment from the Military hospital, it is improbable also that he would have taken treatment from a local doctor on 9-3-81 only. So, his contention that he produced a medical certificate for 9-3-81 from a local doctor and therefore, there was no necessity to alter the discharge slip Ex. M-18 cannot at all be accepted. Therefore, taking into consideration all these facts, I find that it is clear that it is the petitioner who had altered the date as 9-3-81 in the discharge slip, since, there was no separate medical certificate to support his leave for that date. So, I find that the finding of the Enquiry Officer that the first charge is proved has to be accepted.

14. The second charge is that the petitioner-Nagamony gave a leave application dated 23-8-82 (Ex.M.21) wherein he has stated that he had to be admitted in the Military Hospital, Trivandrum and that he may be granted 13 days sick leave from 23-8-82. The petitioner produced the discharge slip dated 25-8-82 where the date of discharge mentioned in the certificate is found to have been altered as 4-9-82. The petitioner was charged that he was admitted in the hospital on 23-8-82, but was discharged on 26-8-82, and by producing discharge certificate with the date of discharge altered, he had stayed away from duty beyond 26-8-82. Ex.M.22 is the discharge slip issued by Military Hospital, Trivandrum, which bears the date of discharge as 4-9-82. A mere perusal of the Ex. M.22 shows that the date has been altered as 4-9-82 atleast on two places, i.e. at Column 7 and below the signature, and the seal found at the bottom. The fact that was overlooked at the time of altering this date is that the date of certificate mentioned there in at the bottom is 25-8-82. If the certificate is issued on 25-8-82, then the date of discharge cannot be 4-9-82. But, the date of discharge is mentioned as 4-9-82 and therefore, obviously the date of discharge cannot be 4-9-82 and must have been altered. As pointed out already, the petitioner has asked for 13 days sick leave from 23-8-82 and therefore naturally he is the person who will be interested in altering the date of discharge as 4-9-82. Here again, the bank had written a letter to Military Hospital, Trivandrum and has asked for the period of treatment as inpatient apart from other details. The reply of the Military Hospital, Trivandrum is also found in Ex.M.23 where in we find that he date of

admission is given as 23-8-82 and discharge as 26-8-82. In the memo issued by the bank to the petitioner M.25 dated 16-10-82, it has been mentioned that the petitioner applied for sick leave for 13 days from 23-8-82 to get himself admitted as inpatient in the Military Hospital, Trivandrum that he rejoined duty on 6-9-82, that he produced the discharge slip dated 25-8-82 issued by the Military Hospital, that the date of discharge is found erased and altered as 4-9-82, that the correct date of discharge from the hospital is 26-8-82, and also called upon him to explain as to why the alteration was done as 4-9-82. The petitioner has replied under Ex.M.26 dated 25-10-82 where he has stated that it is true that he submitted a medical certificate for 3 days issued by the Military Hospital, Trivandrum, that he had submitted another medical certificate for 10 days issued by the local doctor, that he had submitted these certificates to K.Parameswaran (MW7) who had suppressed certificate issued by the local doctor, and has tampered with and corrected the certificate issued by the Military Hospital to cause damage to him. As pointed out already, if Parameswaran had done it, and if the petitioner knew about it, certainly the petitioner would not have kept quiet, and would have complained against the said Parameswaran (MW7) without waiting till the memo is issued to him by the bank demanding for his explanation. One significant factor which goes against the petitioner is that in his evidence before this Tribunal, he stated that he joined the Military Hospital, Trivandrum after applying for sick leave, for 13 days from 23-8-82 that he did not get himself discharged on 29-8-82, and that he was there till 4-9-82. This is quite contrary to the reply found in Ex.M.26 where in he has stated that he has submitted a medical certificate for 3 days issued by the Military Hospital, Trivandrum and from a local doctor for 10 days. It means that he had not taken treatment at the Military hospital for the entire period from 23-8-82 to 4-9-82 whereas his statement before this Tribunal is that he took treatment from the Military Hospital from 23-8-82 to 4-9-82. So, it is evident that after having altered the date of discharge as 4-9-82 and then finding himself in trouble, the petitioner first stated that he had produced certificate from, Military hospital for 3 days only, that for the next 10 days he has produced a medical certificate from a local doctor and Parameswaran had tampered with it, but failing to establish the same, has stated before this Tribunal that he stayed there in the Military hospital from 23-8-82 to 4-9-82. So, taking into consideration all these factors, I find that the petitioner's case is not true and that it must be the petitioner who has altered the date of discharge as 4-9-82. Therefore, the finding of the Enquiry Officer that the petitioner altered the date in the discharge slip has to be sustained.

15. I will next deal with the 4th charge against the petitioner. The 4th charge is that the petitioner, while working at the Puliyoorsalai branch, demanded Rs. 500 from Thangappan stating that he would get the loan sanctioned to Thangappan by the branch, that Thangappan was granted a loan of Rs. 5,000 on 25-10-84 that the petitioner demanded Rs. 500 from him, that when Thangappan refused to pay it, the petitioner forcibly took Rs. 500 from Thangappan. It is also alleged that on 26-10-84, he went to Thangappan's house, when he was away and demanded Rs. 200. Thangappan was examined as MW1 in the domestic enquiry. He stated in his evidence that he received a loan of Rs. 5,000 from Puliyoorsalai branch of the respondent and that he has given a complaint against petitioner

(Ex. M. 7) regarding this charge. He stated that on 25-10-84, he availed this loan of Rs. 5,000 that before he left the office, the petitioner-Nagamony came and demanded Rs. 500 that he refused to pay, that the petitioner caught hold of him and took Rs. 500 from him, that after he (MW1) left office, the petitioner Nagamony followed him and demanded Rs. 200/- which he refused, that in the evening of the next day, when he (MW1) was away, Nagamony came to his house in an intoxicated state along with others demanded Rs. 200 and threatened his family members. In cross-examination Thangappan stated that he was sentenced to pay a fine of Rs. 175 in a criminal case, that he was unable to remit it, that he was in the jail, that he wrote a letter to petitioner-Nagamony to pay the fine and get him released without knowledge of his (MW1's) family, but, the petitioner had explained everything to his family members, who came and got him released. But, no questions were put to him with regard to demand and taking of Rs. 500 (from him MW1 Thangappan). The Enquiry officer held that the evidence of MW1 is not trustworthy and the complaint is doubtful. But, the Disciplinary Authority issued a show cause memo dated 27-5-87 (Ex. M. 39) wherein he had disagreed with the findings of the Enquiry Officer and opined that there is evidence to show that there were certain money dealings between the petitioner and Thangappan and therefore, held that there is no justification in the conclusion of the Enquiry Officer and therefore held that this charge is proved. But, before giving this final finding the Disciplinary Authority had not called upon the petitioner to say whatever has got to say on this point, since he (Disciplinary Authority) was not in agreement with the finding of the Enquiry Officer on this charge. Without having done so, without giving an opportunity for the petitioner to put forward his case, the Disciplinary Authority held that this charge is proved and proposed the punishment of dismissal without notice. The finding of the Disciplinary Authority cannot at all be sustained. Even though the petitioner had not put questions to Thangappan with regard to this, straight away, it is clear from the questions put to MW1 Thangappan that there is enmity between Thangappan and the petitioner in view of the petitioner's failure to get him released from jail, and in view of the fact that he had made the fact of MW1 Thangappan having been lodged in the jail known to his family. There is no acceptable evidence except the interested testimony of MW1 only in this regard, and in view of the animosity between them, his evidence alone cannot be accepted on this point. So, I find that this charge is not proved.

16. Now I will deal with the 3rd charge against the petitioner. The 3rd charge consists of 4 parts. Charge 3(a) is that Nagamony submitted a leave fare concession bill for Rs. 775.60 in June 1982, to claim the amount under the LFC facility, that he produced certain Bus tickets issued by Kattabomman Transport Corporation, for travel from Kaliya-kavilal to Nagercoil representing as if these tickets were issued for journey from Nagercoil to Trivandrum.

17. Charge 3(b) is that he included the amounts covered by two tickets issued by Pallavan Transport Corporation operating at the City of Madras for claiming the fare for the journey from Nagercoil to Trivandrum.

18. Charge 3(c) is that the petitioner claimed only Rs. 34 as being the fare for journey from Allahabad to Secunderabad whereas, it must have been more.

19. Charge 3(d) is that in support of his journey from Secunderabad to Renigunta, the petitioner produced two excess fare tickets, one for Rs. 142 and other for Rs. 12/- but for this excess fare was collected at Warangal for journey from Balharsha to Renigunta. It is also alleged that he has produced the bill issued by a lodge at Allahabad where the date of arrival and departure have been given as 13-6-82 and 15-6-82 whereas in the excess fare tickets, the date of journey has been altered to 13-6-82. It is alleged that train no. 132 for which the excess fare tickets have been issued do not run from Secunderabad to Renigunta.

20. I will first deal with the charges 3(a) and (b) together which relate to the claim for travel from Nagercoil to Travandum. Ex. M32 is a letter written by the respondent-bank to the Pallavan Transport Corporation requesting them to inform whether the tickets bearing Nos. 92695 & 92696 each for 40 paise are genuine tickets for travel between Nagercoil and Trivandrum. The reply by Pallavan Transport Corporation is also found in Ex. M. 32 wherein they stated that these tickets were sold in Madras City route no. 21, and that the Pallavan Transport Corporation bus tickets are not valid on other transport corporation routes. The respondent bank issued a memo Ex. M. 33 dated 10-1-84 to the petitioner regarding this charge. The petitioner has given a reply dated 21-1-84 found in Ex. M. 34 wherein he has stated that his claim was passed after careful verification of all the tickets given by him, and that Palamswaran, the Accountant, and Stanislas, the peon must have changed the tickets. The LFC with its enclosure submitted by him has been marked as Ex. M. 35 wherein he has mentioned ticket nos. 92696 and 92695 each for 40 paise as tickets for his travel from Nagercoil to Trivandrum. Obviously this cannot be correct. The tickets issued by the Pallavan Transport Corporation operating the buses in the Madras City cannot be used for travel from Nagercoil to Trivandrum. But, the learned Enquiry Officer has found that this must be due to some unknown mistake. The Disciplinary Authority though in general agreed with the finding of the Enquiry Officer, has not specifically discussed this aspect. The other part of this charge 3(a) is that the petitioner has given two tickets for travel from Kaliyakavilal to Nagercoil bearing numbers 256 and 246, and these are not correct tickets. The petitioner and his wife travelled by LFC facility. If both of them travelled together normally the tickets issued to them should bear consecutive numbers. But, from the mere fact that these two tickets do not bear consecutive ticket numbers, only, it cannot be stated that they are not true. So, while it must be stated that charge 3(a) is not proved, so far as charge 3(b) is concerned, the finding of the Enquiry Officer is that it must be a mistake, which has not been specifically dealt with by Disciplinary Authority. So, the petitioner cannot be punished for the alleged misconducts mentioned in the charges 3(a) and 3(b).

21. Charge 3(c) is that the petitioner Nagamony claimed a sum of Rs. 34 per ticket only for journey from Allahabad to Secunderabad whereas, this must be more. Here again there is no satisfactory evidence. MW9 Ramathan, who was a Sub-Accountant at Nagercoil branch during 2-1-79 to 27-8-82 spoke about the LFC bill claimed by the petitioner. He stated that Nagamony has claimed a sum of Rs. 34 per ticket for journey from Allahabad to Secunderabad whereas, the then travelling rail fare was more than that. He stated it must have been

nearly about Rs. 74/-. In cross examination he admitted that the tickets were verified by him at the time of passing the bill. It is not known why this objection was not raised then. From merely what this witness stated, it cannot be concluded that this is a false tickets. Therefore, I find this charge is not proved since no other evidence has been produced to show the correct fare.

22. The charge 3(d) is that the petitioner had produced two excess fare tickets for Rs. 142 and 12 for journey from Secunderabad to Renigunta, and that from those tickets it is seen that these excess fares were collected at Warrangal for journey from Balharsha to Renigunta, and therefore, these tickets are not correct tickets. It is also alleged that the petitioner had produced a bill from a lodge at Allahabad for having stayed there from 13-6-82 to 16-6-82 whereas the two excess fare tickets mentioned show the date as 13-6-82 and that too, the date has been altered. It is also alleged that the train no. 132 for which the excess fare tickets have been issued do not run from Secunderabad to Renigunta. A perusal of the LFC bill produced by the petitioner (Ex. M. 35) shows that the date in the excess fare tickets has been changed as 13-6-82 from 17-6-82. It has been ascertained from the Railways under Ex. M. 38 that these excess fare tickets have been issued for travel from Balharsha to Renigunta. If this travel had been made on 13-6-82, then the petitioner could not have stayed in the lodge at Allahabad from 13-6-82 to 15-6-82. The petitioner has produced a bill from a lodge at Allahabad for his stay from 13-6-82 to 15-6-82. Therefore, this goes to prove that the dates in excess fare tickets have been changed from 17-6-82 to 13-6-82. So, the petitioner has committed these irregularities. So, this charge must be held to have been proved. So far as the charge no. 5 is concerned, both the Enquiry officer and Disciplinary Authority have held that this charge is not proved.

23. So far as the punishment is concerned, even the Disciplinary Authority had only proposed the punishment of stoppage of one increment for charges 1 and 2, and dismissal of charges 3 and 4. Ultimately, the petitioner was dismissed from service. But, in view of my finding that only charges 1, 2, and 3 have been proved, the punishment of dismissal from service under charge no. 4 cannot be sustained. The punishment of stoppage of increment under charges 1 and 2 has to be sustained and cannot be stated to be disproportionate, or excessive. So far as charge no. 3 is concerned, it is not the contention of the respondent-bank, and it is not the charge that the petitioner did not perform the travel by availing leave fare concession. The receipt from the lodge shows that he had gone to Allahabad and stayed there. He has also produced return tickets. Therefore, he had performed journey by availing the leave fare concession, but had only committed some irregularities, in producing the tickets, which did not relate to the travel. Therefore, in these circumstances, I am of the opinion that the punishment of dismissal from service is excessive, and instead of the punishment of dismissal, from service for this charge, stoppage of one increment for 1 year for this charge also can be imposed. So, for these charges 1, 2 and 3 the punishment of stoppage of one increment for 1 year for each of the 3 charges can be imposed.

24. The next question is whether the enquiry was fair and just? The petitioner contended that these charges relate to the incidents which are alleged to have taken

place during 1982, but charges were framed only on 3-7-86, and therefore, the charge sheet itself is vitiated and consequently the enquiry and the punishment also. But, we have to see that the charges relate to different aspects. These things had to be verified and then only the charges can be framed. The fact that the bank had immediately taken steps is also seen from Ex. M. 23, the letter written by the bank to the Military hospital, for ascertaining the details. In October, 1982 itself the bank had issued the memo seeking the explanation and had obtained his explanation. In December, 1982 the bank had addressed the Military hospital, as is evident from Ex. M. 28. But, it issued another memo to the petitioner under Ex. M. 29 on 14-2-83. With regard to the leave fare concession, the bank had addressed the Pallavan Transport Corporation in 1984. It had issued memo to him under Ex. M. 33, and he had given his explanation under Ex. M. 34 in January 1984. The bank had addressed the railways and ascertained certain details under Ex. M. 38 i.e. names of railway stations referred to in the excess fare tickets. With regard to the charges that the petitioner had received money from 2 persons on the ground that he will get the loan sanctioned to them are also concerned, it is seen that on receipt of the complaint Ex. M. 7 from Thangappan in November, 1984 the bank had issued a communication to Thangappan to come and establish the charges as is evident from Ex. M. 14 dated 15-5-85. Thangappan had written a letter Ex. M. 9 stating that he is unable to attend personally and that he had stated what all he wanted to say in his complaint. A memo was issued to the petitioner under Ex. M. 15 on 2-6-86, and the petitioner had given his explanation regarding these allegations, under Ex. M. 16 on 12-6-86. Therefore, the various types of allegations have been made against the petitioner, and when certain irregularities had come to the notice of the respondent-bank the respondent-bank had naturally to investigate into the allegations and irregularities and then take action. Therefore, in these circumstances, it cannot be stated that there has been undue delay in framing the charges. It has also not been established that the petitioner has been prejudiced in any manner by the delay. It is not as if he is not able to produce some oral or documentary evidence in view of the delay. Therefore, it cannot be stated that the charge, enquiry and punishment are vitiated in view of the delay. So, this contention of the petitioner can not be accepted.

25. One other contention put forward by the petitioner is that the enquiry proceedings were recorded in English and that he does not know English. Of course, he has requested that the enquiry should be recorded in Malayalam but, that was not accepted. According to the respondent, the witnesses have given evidence in English, Tamil and Malayalam and wherever it is given in a language not known to him it was translated into Malayalam and his signatures have also been obtained in token of having understood what is recorded. A perusal of the enquiry proceedings shows that at several places, the enquiry officer has recorded that it was explained to him in Malayalam, that he has understood it, and has signed the enquiry proceedings. Further, it is not as if the petitioner does not know the English completely. The application sent by him for appointment in the bank has been filled up in English. The petitioner in his evidence before this Tribunal only attempted to say that he has not signed it, though, he has stated that what all has been written is in his own handwriting. This application is in English

and filled up in English. He only stated that certain portions are not in his handwriting. Even in the charge sheet, we find his signature is in English, in token of having received it. The manner in which he had cross-examined the witnesses also shows that he had understood what was deposed and had cross-examined the witness intelligently. Therefore the contention that he does not know English and that the deposition has been recorded in English and therefore, he has been prejudiced cannot be accepted. Even in the evidence given by him before this Tribunal, he stated that the enquiry was conducted in Tamil and Malayalam, that he could not understand that mixed language. Therefore, it is clear that the entire enquiry was not conducted in English, though, the deposition was recorded in English. So, this contention of the petitioner that he has been prejudiced in this behalf cannot be accepted.

26. Another contention put forward by him is that the documents were not given to him before the commencement of the enquiry, and therefore, he could not effectively cross-examine the witnesses. The Enquiry proceedings (Ex. M. 3) shows that list of witnesses and documents were produced by the respondent on 15-12-86 itself, and a copy of the same had also been delivered to the petitioner. Of course, it is seen that the documents as such or the copies of the documents were not furnished to petitioner as and when they were marked as Exhibits. The petitioner had perused the originals at that time and only thereafter he had cross-examined the witnesses. Therefore, though copies of the documents were not given in entirety before the commencement of the enquiry, it is seen that the list was given earlier and copies were given when they were marked, that the petitioner had an opportunity to peruse the originals and that he had conducted cross-examination only thereafter. Therefore, in these circumstances, it cannot be stated that the petitioner is prejudiced in this behalf.

27. Another contention put forward by the petitioner is that he had requested the Enquiry Officer to permit him to engage a lawyer, and that this was refused and therefore, he has been prejudiced. But, I find from the Enquiry Proceedings that on 15-12-86, the Enquiry Officer asked the petitioner to state if, he was having any representative to defend. But, the petitioner had replied that he will himself defend. Therefore, the contention that he was not permitted to be defended by a lawyer has been raised now just to say that the enquiry is not fair. But, this cannot also be stated to be a case where the services of a lawyer are called for in defending a case in domestic enquiry, where it is not shown that the Presenting Officer and Presiding Officer are legally trained persons. So, in these circumstances, this objection of the petitioner cannot also be accepted.

28. Therefore, taking into consideration all these points, I find that it cannot be stated that the enquiry was not conducted fairly and properly. Although, I have held that the Disciplinary Authority was not right in finding that the charge no. 4 is proved, disagreeing with the finding of the Enquiry Officer, but without giving an opportunity to the petitioner, I find that charges 1 to 3 have been proved. I also find that the imposition of punishment of dismissal from service for charge no. 3 is disproportionate and has to be set aside.

Accordingly, it is set aside and instead the punishment of withholding one increment for 1 year has to be imposed, for this charge also. With regard to charges 1 and 2 punishment of stoppage of increments for one year on each charge is

imposed. So far each of the charges 1 to 3 the punishment of stoppage of one increment is imposed. In view of my finding that the Order of dismissal has to be set aside, the respondent has to be directed to reinstate the petitioner into service, while imposing the punishment of stoppage of increment. But in view of misconducts committed by the petitioner, and the circumstances of the case, I find that the petitioner should not be given back wages.

In the result, I find that the action of the respondent-bank in dismissing Shri I.N. Nagamoney, Daftary-cum-Watchman from the service of the bank is not justified, and accordingly, the same is set aside. Instead, the punishment of stoppage of increment for one year for each of the 3 charges which have been proved (i.e. stoppage of 3 increments in total) is imposed. The respondent is directed to reinstate the petitioner into service but without back wages. An award is passed accordingly. No costs.

Dated, this the 19th day of May, 1994.

K. SAMPATH KUMARAN,
Industrial Tribunal.

WITNESSES EXAMINED

For Workman

W.W.I. I.N. Nagamoney.

For Management

M.W.1 M.P. Joseph.

M.W.2 K. Raghuraman.

DOCUMENTS MARKED

For Workmen Nil

For Management

Ex.M-1 Portions numbering twelve marked in red ink in the application form for the post of Peon applied by the petitioner-workman Thiru I.N. Nagamoney.

M-2 Signature of Petitioner-workman in the charge sheet.

M-3 Proceedings of the Enquiry Officer.

M-4 Signature of the Petitioner-workman.

M-5/3-7-86 Charge sheet issued to the Petitioner-workman.

M-6/28-2-87 Findings of the Enquiry Officer.

M-7/ Complaint by Thiru P. Thankappan against the petitioner-workman.

M-8/22-10-84 Loan application of Thiru P. Thankappan.
M-9 Inland letter from Thiru P. Thankappan addressed to the Management.

M-10/25-10-85 Letter from Smt. A. Janammal, wife of Thiru P. Thankappan.

M-11/6-7-85 Complaint by Thiru K. Muthusamy against the Petitioner-workman (copy).

M-12/25-10-84 Term Loan Agreement executed by Thiru P. Thankappan for Rs. 5,000/-.

M-13/25-10-84 Debit voucher for Rs. 5,000/- issued by Central Bank of India, to Thiru P. Thankappan.

M-14/15-5-85 Letter from Management Bank, Puliyoar Branch to Thiru P. Thankappan.

M-15/2-6-86	Charge Memo issued to the Petitioner-workman (Xerox copy).	M-17/5-6-82	Letter from Management-Bank, Nagercoil Branch to the petitioner-worker granting leave for 15 days from 7-6-82 (Xerox copy).
M-16/12-6-86	Explanation by the Petitioner-Union to Ex.M-15 (Xerox Copy).	M-38/2-9-86 5-9-86	Letter from Management Bank to the Divisional Commercial Superintendent, Southern Railway, Divisional Office, Madurai and reply by Divisional Commercial Superintendent, Southern Railway (Xerox copy).
M-17/9-3-81	Leave letter from Petitioner-Workman to the Management Bank (Xerox copy)	M-39/27-5-87	Show Cause Memo issued to Petitioner-workman
M-18/	Discharge slip dated 16-3-81 issued by Military Hospital, Trivandrum to Petitioner-Workman (Xerox copy).	M-40	Proceedings of the Disciplinary Authority (Copy).
M-19/	Page No. 128 of Leave Ledger relating to the Petitioner-Workman (Xerox copy).	M-41/17-6-87	Dismissal order issued to Petitioner-workman
M-20	Muster roll sheets for the period from 9-3-81 to 18-3-81 (Xerox copy).	M-42/26-12-74	Application for the post of peon applied by Petitioner-workman
M-21/23-8-82	Leave letter from Petitioner-workman to the Management-Bank enclosing call up memo dated 11-8-82 received from Military Hospital, Trivandrum (Xerox copy).	M-43/9-3-87	Charge sheet issued to Petitioner-workman (Xerox copy).
M-22/25-8-82	Discharge slip issued to Petitioner-workman by Military Hospital, Trivandrum (Xerox copy).	M-44	Proceedings of the Enquiry Officer (Xerox copy).
M-23/11-9-82 16-9-82	Letter from Management -Bank to the military Hospital Trivandrum & reply by Military hospital.	M-45/30-9-87	Findings of the Enquiry Officer.
M-24/30-8-82	Withdrawal slip for Rs. 500/- issued by the Petitioner-workman (Xerox copy).		
M-25/16-10-82	Memorandum issued by Management-Bank to the Petitioner-workman (Xerox copy).		
M-26/25-10-82	Explanation by Petitioner-workman to Ex-M-25 (Xerox copy).		
M-27/	Letter from Thiru K. Parameshwaran, Accountant to the Branch Manager, Central Bank of India, Nagercoil (Xerox copy).		
M-28/27-12-82 4-1-83	Letter from Management-Bank Nagercoil Branch to the Military Hospital & reply by the Military hospital, Trivandrum (Xerox copy).		
M-29/14-2-83	Memorandum issued by Management-Bank to the Petitioner-workman and reply-letter of petitioner-workman dated 25-2-83.		
M-30.	Page No. 49 of Leave Ledger relating to Petitioner-workman (Xerox copy).		
M-31/	Muster roll sheets for the period 23-8-82 to 25-8-82 and 6-9-82 to 8-9-82 (Xerox copy).		
M-32/17-9-84	Letter from Management Bank, Nagercoil, Branch to the Pallavan Transport Corpn. Ltd., Madras and reply letter of Pallavan Transport Corpn. Ltd., Madras dt. 11-10-84 (Xerox copy).		
M-33/10-1-94	Memo issued to Petitioner-workman by Management-Bank (Xerox copy).		
M-34/	Letters from Petitioner-worker to the Management-Bank Nagercoil Branch, 12-8-84 and 21-1-84 (Xerox copy).		
M-35/	Leave Fare Concession Bill submitted by Petitioner-worker enclosing bus tickets and train tickets (Xerox copy).		
M-36/1-6-82	Application for leave fare concession by Petitioner-worker & debit voucher dated 2-6-82 for Rs. 600/- (Xerox copy).		

नई दिल्ली, 5 जनवरी, 1995

का. आ. 295:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-1-95 को प्राप्त हुआ था

[सं. एल.-12012/70/92-आई. आर. (बी. II)]

बी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th January, 1995

S.O. 295.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Union Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 5-1-95.

[F. No. L-12012/70/92-IR(B-II)]
V.K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
JABALPUR (M.P.)

CASE REF. NO. CGIT/LC(R)(214)/1992.

BETWEEN

Shri Maniram Ahirwar represented through the Executive Member, Union Bank Employees Union C/o Union Bank of India, Cantonment Branch, Sadar Bazar, Jabalpur (M.P.).

AND

The Regional Manager, Union Bank of India, Zonal Office, M.P. Zone, Bhadbhada Road, T.T. Nagar, Bhopal (M.P.).

PRESIDED IN : By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For workman : None.

For Management : Shri S.K. Rao, Advocate.

INDUSTRY : Banking District : Jabalpur (M.P.)

AWARD

dated, December 20, 1994.

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-12012/70/92 Dated 12-10-1992 for adjudication of the following dispute;

THE SCHEDULE

“Whether the action of the management of Union Bank of India in demoting Sh. Maniram Ahirwar by an Order dtd 11-4-91 from the post of Bills collector to Peon is justified ? If not, to what relief is the workman entitled ”

2. The workman has not filed the statement of claim. Management has filed an application that during the pendency of the dispute the workman was promoted vide order dated 22-2-1994 to the post of Daftry. Management has prayed that the dispute between the parties is settled and as such no dispute award be passed.

3. After the service of the notice the workman has not appeared nor he has filed the statement of claim and from the application filed by the management it is clear that the demand of the workman under the terms of reference is substantially accepted by the management and probably for this reason workman has not turned up even after service of notice. Consequently, no dispute award is passed. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 जनवरी, 1995

का. आ. 296 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एन.आई.सी. ऑफ इंडिया के प्रबन्धन के संबंध में नियोजक और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक

विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5 जनवरी, 1995 को प्राप्त हुआ था

[(सं. एल-17012/1/93-आई.आर.)बी-II]

बी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th January, 1995

S.O. 296.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of LIC of India and their workmen, which was received by the Central Government on 5-1-95.

[No. L-17012/1/93-IR(B-II)]
V.K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

CASE REF. NO. CGIT/LC(R)(99)/1993.

BETWEEN

Shri Ghanshyam S/o Shri Devi Singh Panoria, 265, Barigwal Toli, Indore (MP).

AND

The Divisional Manager, Life Insurance Corporation 19, M.G. Road, Indore (MP).

PRESIDED IN : By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman : Shri Sanjay Agarwal, Advocate.

For Management : Shri Gupta.

INDUSTRY : LIC DISTRICT : Indore (MP).

AWARD

Dated December 23, 1994.

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification no. L-17012/1/93-IRBII dated 12-5-1993 for adjudication of the following industrial dispute :—

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Life Insurance Corporation of India, Indore in discharging

Shri Ghanshyam S/o Shri Devi Singh from the service of the Corporation with effect from 23-3-1991 is justified? If not, what relief, Shri Ghanshyam is entitled to?"

2. The case of the workman, Shri Ghanshyam, is that he was posted as a Probationary Development Officer in Branch No. 2, Indore vide order dated 1-4-1939 and after completion of his training period he was kept on probation for one year from 1-4-1989 to 31-3-90; that after the completion of the probationary period the management further extended the probationary period from 1-4-1990 to 31-3-1991; that during the second probationary period the workman remained on medical leave for two months and the management mala fide terminated his service on the ground that his services were not found satisfactory. The workman has alleged that the order of the management discharging his services from 23-3-1991 is bad in law and against the principles of natural justice; that the management did not give an opportunity to the workman to give any explanation. He is illegally terminated without holding enquiry. Management has neither given any notice of retrenchment nor paid any compensation to the workman and opportunity was not provided by the management to the workmen even though new persons were appointed on the post of Development Officer. Workman has claimed that he be reinstated in service with full back wages and allowances.

3. The management has not filed written statement or statement of claim. The management has filed an application that the workman preferred Misc. Petition No. 682/94 before the M.P. High Court, Jabalpur and the workman was allowed by the Hon'ble High Court to withdraw his claim pending before the Tribunal. The Hon'ble High Court in the said M.P. No. 682/94 vide its order dated 22-6-94 has observed that the compromise petition filed by the workman for withdrawal of his claim is accepted and the matter is disposed of in the light of the compromise petition filed by the Petitioner. The workman has filed an application on 12-9-1993 before the Tribunal that the management has promised that in the event of the withdrawal of the claim by the workman from the Central Government Industrial Tribunal, his case for reinstatement will be considered by the management. In view of the said order of the hon'ble High Court dated 22-6-1994 granting permission to the workman to withdraw this claim, the dispute raised under reference has come to an end.

4. Consequently, in view of the order dated 22-6-94 in M.P. No. 682/94 of Hon'ble High Court of M.P., Jabalpur no dispute award is hereby passed. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer.
164 GI/95—12.

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 1995

का. प्रा. 297 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ओरियेन्टल बैंक ऑफ कामर्स के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण चण्डीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-1-95 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/621/89-डी II(ए)/आई. प्रार.
(बी.-2)]

वी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th January, 1995

S.O. 297.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Oriental Bank of Commerce and their workmen, which was received by the Central Government on 5-1-95.

[No. L-12012/621/89-DII/A/I R/(B-II)]

V.K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SH. M.S. SULLAR, PRESIDING
OFFICER CENTRAL GOVERNMENT,
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT, CHANDIGARH.

I.D. No. 72/90

Davinder Kumar Vs. Oriental Bank of Commerce.

For the Workman : Sh. Sajal Koser

For the Management : Sh. N.K. Zakhmi.

AWARD

Dated the 10th October, 1994

The matrix of the facts, culminating in the commencement of the present reference are that, the petitioner was appointed clerk on temporary basis, for a specified period, against leave vacancies, leave arrangement, the details of which have been given in the written statement of the Management. The service of the workman was terminated by the Management. In the wake of Industrial disputes raised by the workman, the appropriate government vide No. L-12012/621-89-D. IIA dated 24th May, 1990 referred the dispute for adjudication to this Tribunal, as to

'whether the action of the Management of Oriental Bank of Commerce, in terminating the services of the workman, is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled to?'

The case set up by the workman, in brief, is so far as relevant is that, he was appointed as clerk after completing the required formalities in the branch of the Oriental Bank of Commerce, but no appointment letter was given to him. He had worked for less than 89 days. According to the workman, to accommodate some other person, the services of the workman was terminated without any termination order and without following the mandatory provisions of Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter referred to as the Act) awards/bipartite Settlement, as no compensation in lieu of his termination was paid to the workman. In all, it has been alleged by the workman, that his termination is illegal and against the mandatory provisions of law. On the footing of aforesaid pleadings, the workman claimed his reinstatement with back wages, and all other benefits arising there upon, and continuity of service.

The case was fixed for proper orders on 14-6-1994, as no Presiding Officer took over the charge and the case was slated for 24-8-1994. On that day, learned representative, appearing on behalf of the Management contended with some amount of vehemence, that reference/petition is not maintainable, and submitted that preliminary objection taken by the Management, in the written statement, in this direction, be decided first. Faced with the situation, learned representatives for workman, sought time for arguments on the question of the maintainability of the reference/petition.

Having heard the representative of the parties, having gone through the record of the case and after bestowal of thoughts on the entire matter, to my mind, there is no merit in the reference/petition which deserve dismissal.

The facts of the case are neither intricate, nor on dispute. According to the workman, his service has been terminated without complying with the mandatory provisions of law, and he was entitled for re-instatement under the Act. While on the other hand, according to the Management, the workman had put in continuous service of more than 89 days and his appointment was purely on temporary basis for a specific period. The workman had no industrial rights under the Act. The undisputed facts, rather admitted, case of the workman is that he had put in continuous service of more than 83 days.

Now, the short and significant questions, though important, arise for determination in this case is, whether the workman is entitled to any relief, as

contemplated under chapter V-A of the Act. Section 25-F of the Act postulates that no workman employed in any industry, who has been in continuous service for not less than one year under an employer, shall be retrenched by that employer unless (a) the workman has been given one month's notice in writing, indicating the reasons for retrenchment and the period of notice has expired, or the workman has been paid in lieu of such notice, wages for the period of the notice, (b) the workman has been paid, at the time of retrenchment, compensation, which shall be equivalent to fifteen days average pay for every completed year of continuous service or any part thereof in excess of six months; and (c) notice in the prescribed manner is served on the appropriate Government or such authority as may be specified by the appropriate Government by notification in the official gazette.

Section 25-H of the Act, provides that where any workmen are retrenched, and the employer proposes to take into his employment any person, he shall, in such manner as may be prescribed, give an opportunity (to the retrenched Workmen, who are citizen of India to offer themselves for re-employment, and such retrenched workmen) who offer themselves for re-employment shall have preference over other persons.

Chapter V-A of the Act deals with the retrenchment of an employee.

Section 25-B lays down that a workman shall be said to be in continuous service for a period if he has for that period in uninterrupted service, including service which may be interrupted on account of sickness or authorised leave or an accident or a strike which is not illegal, or a lock out or a cessation of work which is not due to any fault on the part of the workman. Sub Clause (2) of that section says that where a workman is not in continuous service within the meaning of Clause (1) for a period of one year, or six months he shall be deemed to be a continuous service under an employer for a period of one year. If the workman, during which calculation is to be made, has actually worked under the employer for not less 240 days.

The retrenchment has been defined under Section 2(oo) of the Act to mean the termination by the employer of the service of a workman for any reason what-so-ever, otherwise than as a punishment inflicted by way of disciplinary action but does not include (bb) termination of service of a workman as a non renewal of contract between the employer and the workman concerned.

Thus it would be seen that a combined reading of the provisions mentioned above would go to show that retrenched person is that person, who had put in 240

days of continuous service. Admittedly, as mentioned above, none the workman has not completed more than 89 days, so, to my mind, he can not possibly be termed as retrenchee so as to attract the benefits provided U/S 25-F, G&H of the Act.

The sole contention of the representative of the workman that since the workman was appointed by the management for specified period and his services was terminated without complying with the mandatory provisions of the Act, so he is entitled for re-instatement, is neither tenable nor the judgements relief upon by him in *Hindustan Steel Ltd. Vs. State of Orissa & Others* 1976 (33) FLR 257, *Kurukshetra Co-op. Bank Ltd. and State of Haryana & Others* in CWP No. 11261 of 1981 *Rajbir Singh & Others Vs. State of Haryana*, 1983(1) S.L.R. 38, the *Municipal Committee Gobindgarh Vs. The Presiding Officer, Labour Court, Patiala* 1993(3) S.L.R. 265 are applicable to the facts of the present case. The crux of the proposition of law, laid down in *Hindustan Steel Ltd. Vs. State of Orissa & Others*, *Kurukshetra Co-op. Bank Ltd. and State of Haryana & Others* and *Rajbir Singh and Others Vs. State of Haryana* case (Supra) is that, non compliance of Section 25-F would entitle the employee to be reinstated in service with full back wages and in his case, the workman had already completed more than 240 days of continuous service, with notional breaks, which was held to be unfair Labour practice. Possibly, no one can dispute about the proposition of law laid down in the aforesaid judgements. The same would not come to the rescue of the workman, as he had not completed more than 83 days of service in the present case and his appointment was for a specified period. In the above mentioned judgements, it had not been disputed that the retrenchee had already completed 240 days of his service. It is now well settled that, if a workman had not put in 240 days of service, he has no industrial rights under the Act, and can not, therefore, avail of the machinery under the Act, for the settlement of his dispute. The policy of the Act, draws a distinction between those, with service of 240 days and more, and other with less. It was not necessary for the Management, in the present case, to comply with the provisions of the Act, before dispensing with the service of the petitioner, as claimed by him. Hon'ble Supreme Court of India has categorically observed in para 159 of a judgement in case of *Gujarat Steel Tubes Ltd. Etc. Vs. Gujarat Steel Mazdoor Sabha & Others* AIR 1980 S.C. page 1896, that policy of the Act draws a distinction between those, with service of 240 days and more and others with less. The workman with a record of 240 days, on the roll, has

only rights under the Industrial Law. Reliance in this regard can also be placed to a judgements, *Karnal Central Coop. Bank Limited, Karnal Vs. the Presiding Officer Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Rohtak & Others* 1994(1) P.L.R. Page 310, *State Bank of India Vs. M.V. Raval* 1981(1) S.L.R. 831, *The Manager, State Bank of Indore, Kanpur Vs. Presiding Officer, Industrial Tribunal (Central) Kanpur and Others* 1990(60) F.L.R. 672, *Indian Airlines and Sebastian* 1991 (62) F.L.R. Page 755, *Raj Bhadur Vs. General Manager, Food Specialities Ltd. Moga and Others* 1990(5) SLR Page 685 and CWP No. 13522 of 1991 *Hari Kishan Saini Vs. Presiding Officer, Central Govt. Industrial Tribunal-cum-Labour Court, and Others of Punjab & Haryana High Court* decided on 4-3-1992.

Thus, it would be seen that, if the aforesaid provisions of the Act are put together and are analysed in relation to the law laid down in the aforesaid judgements, to my mind, conclusion is unescapable that workman who has not completed 240 days of his service, had no industrial rights which can be enforced by the Tribunal under the Act. Even the Appropriate Government has not formed a correct opinion in sending the reference of this employee who had not completed 240 days in view of the D.B. Judgement of Hon'ble Punjab and Haryana High Court in *Mehar Singh Vs. State of Haryana & Others* 1994 (11) LLJ Page 250. Thus it would be seen that the contention of the representative of the workman is neither tenable nor the judgements cited by him would come to his rescue. On the other hand, the judgements in *Central Coop. Bank Ltd. Karnal Vs. the Presiding Officer, State Bank of India Vs. M.V. Raval, The Manager, State Bank of India Vs. Presiding Officer, Industrial Tribunal (Central) Kanpur, Indian Airlines and Sebastian and Raj Bhadur Vs. General Manager Food Specialities Ltd. Moga and CWP 13522/91 Hari Kishan Saini Vs. The Presiding Officer (Supra)* are the complete answer to the problem in hand.

In the light of the aforesaid reasons, I cannot help observing, that the workman can not possibly be termed as a retrenchee and is not entitled for any benefit under the Act. Consequently, there is no merit in the reference petition, and the same is declined. It is held that the action of the management of Oriental Bank of Commerce in terminating the service of the workman is justified and he is not entitled to any benefit of the provisions of the Act. The appropriate Government be informed accordingly.

M.S. SULLAR, Presiding Officer.

Chandigarh.

Dated 10-10-1994.

नई दिल्ली, 9 जनवरी, 1995

AWARD

का. आ. 298 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-1-95 को प्राप्त हुआ था

[सं. एल-12012/33/91-आई. आर. बी-2]

पी. जे. माईकल, डेस्क अधिकारी,

New Delhi, the 9th January, 1995

S.O. 293.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 5-1-95.

[No. L-12012/33/91-IR B-II]

P.J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA : PRESID-
ING OFFICER : CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL
TRIBUNAL : NEW DELHI

I.D. No. 80/93

In the matter of dispute between :

Shri Shiv Prasad Yadav
G.1-117, Jhuggi No. 7,
Mayapuri Phase II,
New Delhi-110064.

Versus

State Bank of India
through

The Regional Manager (Asstt. General Manager)
Region III,

State Bank of India,
Zonal Office, II, Sansad Marg,
New Delhi-110001.

Appearances : Shri S.K. Patni alongwith the
workman.

Shri P.K. Gupta alongwith
Sh. S.M. Kapoor for the
Management.

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L. 12012/33/91-IR.B.III dated 27-10-93 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the management of State Bank of India, New Delhi, in terminating the services of Shri Shiv Prasad Yadav, Casual Labour/Messenger w.e.f. 1-10-85 is legal and justified ? If not, to what relief the workman is entitled to ?”

2. The matter has since been settled between the parties. The workman and the representative for the management have made statement the dispute has since been settled and the workman does not want to proceed further in this case. The workman has been given appointment by the management vide letter No. 7518 dated 21st December, 94 and he has no further dispute in this case. In view of this situation the dispute stands settled and no dispute award is given in this case leaving the parties to bear their own costs.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this award may be forwarded to the Central Govt. for necessary action at their end.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer
28th December, 1994

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1995

का. आ. 299 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इम्प्लॉईज स्टेट इंशुरेन्स कारपोरेशन के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-1-95 को प्राप्त हुआ था

[सं. एल-15011/2/90-आई. आर. (विधि)]

बी. एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th January, 1995

S.O. 299.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Employees State Insurance Corporation and their workmen, which was received by the Central Government on 10-1-95.

[No. L-15011/2/90-IR (Misc.)]

B.M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
JABALPUR (MP)

CASE REF. No. CGIT/LC(R)(178)/1990

Between

(S/Shri Mahadev Arora and five others represented through the General Secretary, E.S.I.C. Employees Union, 2/III E.S.I.C. Quarters, E.S.I.C. Nikunj, Nehru Nagar, Indore-452008 (MP)

AND

The Regional Director, E.S.I.C. Corporation, Kokam Chambers, 11, Sarjeev Prasad Marg, Indore (MP)-452001.

Presided in : By Shri Arvind Kumar Awasthy.

Appearances :

For workman : Shri S.K. Rao, Advocate

for Management : Shri S. Paul, Advocate.

Industry : ESI Corporation District : Indore (MP)

AWARD

Dated : December 30, 1994

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-15011/2/90-IR (Vividh) dated 20-8-1994 for adjudication of the following industrial dispute :—

SCHEDULE

“Whether the action of the management of ESI corporation, regional Office, Indore in regularising S/Shri Mahadev Arora, Satya Narayana Solanki, Radheshyam Hirva, Raj Kumar, Hari Kant Raikwar and Kailash Verma from 1986 instead of from 1983/1984 is justified. If not, to what relief are the said workman entitled to ?”

2. This reference was referred in the year 1990, Since then a number of opportunities were given to the workmen/Union and the management to file their respective statement of claim, but neither party filed any statement of claim. Workmen/Union remained absent on 30-10-90, 6-6-1991, 5-3-92, 31-7-92 and 15-12-94. On 31-12-90, 28-2-91 and 26-12-91 although Shri S.K. Rao, Advocate, took part in proceedings but sought time for filing of Statement of claim. But the workmen failed to file the statement of claim. Therefore it appears that the workmen or Union are not interested in prosecuting the dispute. No dispute award is therefore passed. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1995

का. मा. 300:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार में. सी.सी.एल. ली. सचाल 'डी' कोलेयरी के प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं. 1) धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-1-95 को प्राप्त हुआ था [सं. एल-20012(255)/93 आई.आर. (कोल-1)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th January, 1995

S.O. 300.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 1) Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Sayal 'D' Colliery of M/s. Central Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 5-1-95.

[No. L-20012(255)/93. IR (Coal-I)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD
In the matter of a reference under section 10(1)(d)(2-A)
of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 128 of 1994

Parties: Employers in relation to the management of Sayal 'D' Colliery of M/s. Central Coalfields Ltd.

AND

Their Workmen.

Present: Shri P.K. Sinha,
Presiding Officer.

Appearances:

For the Employers : Shri R.S. Murthy, Advocate.

For the Workmen : None.

State : Bihar.

Industry : Coal.

Dated, the 29th December, 1994

AWARD

By Order No. L-20012(255)/93-I.R.(Coal-I) dated 27-5-1994 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-sec. (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD.

In the matter of a reference under section 10(1)(d)(2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947.
Reference No. 123 of 1994.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Sayal 'D' Colliery of M/s. Central Coalfields Ltd.
AND
Their Workmen.

PRESENT :

Shri P. K. Sinha, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri R. S. Murthy, Advocate.
For the Workmen : None.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, the 29th December, 1994

AWARD

By Order No. L-20012(255)/93-I. R. (Coal-I), dated 27-5-1994 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Sayal 'D' Colliery of M/s. Central Coalfields Ltd. is justified in superannuating the workmen Shri Pokhan Manjhi w.e.f. 9-4-1993 treating his date of birth as 9-4-33 when his date of birth is 30-1-1944 as claimed and was not examined through Medical Board as per Implementation Instruction 762? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The order of reference was received in this Tribunal on 6-6-1994. Thereafter notice was issued to the sponsoring Union to file written statement on 7-11-1994. Since no one was present on that date on behalf of the sponsoring Union the case was again put up on 27-12-1994 for filing written statement by the sponsoring Union.

3. Since 27-12-1994 was declared holiday, a petition was filed on behalf of the Secretary, Jharkhand Colliery Mazdoor Union, Sayal Area, M/s. C.C. Ltd. on 28-12-1994 stating that the sponsoring Union did not propose to pursue the case, hence he prayed to pass a 'no dispute' award in this case.

4. In view of the prayer of the sponsoring Union, I render a 'no dispute' award in the present reference case.

P. K. SINHA, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1995

का.प्र. 301.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पश्चिम रेलवे, कोटा के प्रबंधक के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, कोटा के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-1-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41012/23/92-आईआरडीयू/बी 1]

पी. जे. माइकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th January, 1995

S.O. 301.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Kota as shown in the Annexure, in the industrial dispute between

the employers in relation to the management of Western Railway, Kota and their workmen, which was received by the Central Government on the 9-1-1995.

[No. L-41012/23/92-IR (DU)/B.I.]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

अनुबंध

न्यायाधीश, औद्योगिक न्यायाधिकरण (केन्द्रीय) कोटा राजस्थान निर्देश प्रकरण क्रमांक ओ. न्या. (केन्द्रीय)-9/1993

दिनांक स्थापित : 29/3/93

प्रसंग : भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली के आदेश क्रमांक एल. 41012/23/92/आईआर. (डीयू) दिनांक 23/3/93

औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947

मध्य

डिविजनल सेंट्रेटरी, पश्चिम रेलवे, कर्मचारी परिषद्, भीमगंज, कोटा।

—प्रार्थी यूनियन

एवं

डिविजनल रेलवे मैनेजर, वेस्टर्न रेलवे, कोटा।

—प्रतिपक्षी नियोजक

उपस्थित

श्री आर. के. चाचान,

आर.एच.जे.एस.

प्रार्थी यूनियन की ओर से प्रतिनिधि : श्री ए. डी. प्रोवर

प्रतिपक्षी नियोजक की ओर से प्रतिनिधि : श्री रामनिवास

अधिनियम दिनांक : 22-12-94

अधिनियम

भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा निम्न निर्देश औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10(1) (घ) एवं उपधारा (2-क) के तहत इस न्यायाधिकरण को अधिनियम संप्रेषित किया गया है :—

"Whether the action of the Railway Admn. (DRM, Western Railway, Kota) in denying promotion to Shri V. S. Vashista, Head Time Keeper, under PWI, Hindon as Head Clerk in 1986 and the Chief Clerk in 1989 is justified? If not, what relief the concerned workman is entitled to?"

2. निर्देश न्यायाधिकरण में प्राप्त होने पर वर्ज रजिस्टर किया गया व पक्षकारों को सूचना जारी की गयी। तदुपरांत दोनों पक्षों की ओर से अपनी-अपनी उपस्थिति दी गयी।

3. आज दोनों पक्षों की ओर से विद्वान् प्रतिनिधिगण उपस्थित हुए। प्रार्थी श्रमिक यूनियन की ओर से कोई क्लेम पेश नहीं करने का निवेदन किया तथा विवाद रहित अधिनियम पारित किये जाने का भी निवेदन किया। प्रतिपक्षी पक्ष की ओर से कोई आपत्ति नहीं की गयी। अतः प्रकरण में "विवाद रहित अधिनियम" पारित किया जाता है।

इस अधिनियम को समुचित सरकार को नियमानुसार प्रकाशनार्थ भिजवाया जावे।

आर. के. चाचान, न्यायाधीश

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1995

का.प्र. 302.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार महाकांशल क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-1-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12011/90/89-आईआर (बीआई)]

पी. जे. माइकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th January, 1995

S.O. 302.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 10-1-1995.

[No. L-12011/90/89-IR (B.D)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer.

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP)

CASE REF. NO. CGIT/LC(R)(105)/1990

BETWEEN

Shri Jagdish Prasad Verma, Ex-Clerk C/o Shri U.S. Malviya, Punjab National Bank, Nagpur Road, Madan Mahal, Jabalpur (MP).

AND

The President, Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank, 164, Shivaji Ward (Civil Lines), Narsinghpur (MP)-487 001.

Presided in : By Shri Arvind Kumar Awasthy.

Appearances:

For Workman : Workman himself.

For Management : Shri O.S. Raroria.

Industry : Banking District : Narsinghpur (MP)

AWARD

Dated, the 30th December, 1994

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-12011/90/89-IR(Bank-1) Dated 10th April, 1990, for adjudication of the following industrial dispute:—

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank, Narsinghpur in terminating the services of Shri Jagdish Prasad Verma, Ex-Clerk w.e.f. 16/9/1988 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?”

2. Both parties filed their respective pleadings and certain documents and adduced evidence by way of affidavits. Case was at the stage of cross examination of witness by the parties.

3. However, good sense prevailed in parties and the workman filed an affidavit along with an application dated 29-12-94 stating that—

“That the applicant had preferred an application on 18-10-94 to the management named above that he is ready and willing to withdraw his case mentioned above which is at present pending with you provided the applicant is given fresh appointment to the post of Cashier/Clerk in Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank. The applicant does not wish to press his claim for back wages, seniority and other whatsoever consequential benefits. the applicant is ready for regular fresh appointment and he is ready also for foregoing back wages, seniority claim and other consequential benefits whatsoever.”

The management vide application dated 30-12-94 filed before the Court has agreed to offer regular fresh appointment to the workman on the post of Cashier/Clerk in the Bank on the terms and conditions mentioned above.

4. Workman has further prayed that an Award be passed in terms of compromise. Management has agreed to provide the employment to the workman from the date of acceptance of the settlement and the award. Settlement being just and proper is accepted and no dispute award is hereby passed. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 12 जनवरी 1995

का.प्र. 303.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार महाकांशल क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-1-1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12011/76/89-आईआर (बी-1)]

पी. जे. माइकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th January, 1995

S.O. 303.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 10-1-95.

[No. L-12011/76/89-IR (BI)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

In the Central Government Industrial Tribunal-Cum-Labour Court, Jabalpur (MP).

CASE REF. NO. CGIT/LC(R)(17)/1990.

Shri Rajesh Kumar Sthapak, Clerk/Cashier C/o Shri P.N. Sharma, 531, Gorakhpur, Jabalpur(MP)-481584.

AND

The Chairman, Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank, Head Office, 164, Shivaji Ward (Civil Lines) Narsinghpur (MP)-487-001.

Presided In : By Shri Arvind Kumar Awasthy.
Appearances:

For Workman : Workman himself.

For Management: Shri O.S. Raroria.

Industry : Banking District : Narsinghpur (MP).

AWARD

Dated : December 30, 1994

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-12011/76/89-IR(B) Dated 18-1-990 for adjudication of the following industrial dispute :—

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank, Narsinghpur in terminating the services of Shri Rajesh Kumar Sthapak, Clerk/Cashier w.e.f. 30-9-1988 in violation of Sections 25 G and H of the Industrial Disputes Act, 1947 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?”

2. Both parties filed their respective pleadings and certain documents and adduced evidence by way of affidavits. Case was at the stage of cross-examination of witness by the parties.

3. However, good sense prevailed in parties and the workman filed an affidavit along with an application dated 29-12-1994 stating that—

“That the applicant had preferred an application on 22-10-94 to the Management named above that he is ready and willing to withdraw his case mentioned above which is at present pending with you provided the applicant is given fresh appointment to the cost of Cashier/Clerk in Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank. The applicant does not wish to press his claim for back wages, seniority and other whatsoever consequential benefits. The applicant is ready for regular fresh appointment and he is also ready for foregoing back wages seniority claim and other consequential benefits whatsoever.”

The management vide application dated 30-12-94 filed before the Court has agreed to offer regular fresh appointment to the workman on the post of

Cashier/Clerk in the Bank on the terms and conditions mentioned above.

4. Workman has further prayed that an Award be passed in terms of compromise. Management has agreed to provide the employment to the workman from the date of acceptance of the settlement and the award. Settlement being just and proper is accepted and no dispute award is hereby passed. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 12 जनवरी 1995

का या 304.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार महाकाणल क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-1-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/93/89-आई.आर. (बो. I)]

पी.जे. माइकल, हेड ऑफिसर

New Delhi, the 12th January, 1995

S.O. 304.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 10-1-95.

[No. L-12012/93/89-IR(B-I)]

P.J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
JABALPUR (MP)

CASE REF. NO. CGIT/LC(R)(104)/1990

Between

Shri Premlal Sharma, Ex-Clerk-cum-Cashier S/o Shri Ramdutt Sharma C/o Shri U.S. Malviya Punjab National Bank, Nagpur Road, Jabalpur (MP)-482001

And

The Chairman, Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank, Head Office, 164, Shivaji Ward (Civil Lines), Narsinghpur (MP)-487001.

Presided in : By Shri Arvind Kumar Awasthy.

Appearances :

For Workman : Workman himself.

For Management : Shri O.S. Raroria

Industry : Banking District : Narsinghpur (MP)

Award

Dated : December 30, 1994

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-12012/93/89-IR (B-I)/B-III dated 5/6-4-90 for adjudication of the following industrial dispute :—

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank Narsinghpur (MP) in terminating the services of Shri Premlal Sharma, Ex-Clerk-cum-Cashier w.c.f. 30-9-1988 is justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled ?”

2. Both parties filed their respective pleadings and certain documents and adduced evidence by way of affidavits. Case was at the stage of cross-examination of witness by the parties.

3. However, good sense prevailed in parties and the workman filed an affidavit along with an application dated 29-12-94 stating that—

“That the applicant had preferred an application on 18-10-94 to the Management named above that he is ready and willing to withdraw his case mentioned above which is at present pending with you provided the applicant is given fresh appointment to the Post of Cashier/Clerk in Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank. The applicant does not wish to press his claim for back wages, seniority and other whatsoever consequential benefits. The applicant is ready for regular fresh appointment and he is ready also for foregoing bank wages seniority claim and other consequential whatsoever benefits.”

The Management vide application dated 30-12-94 filed before the court has agreed to offer regular fresh appointment to the workman on the post of Cashier/Clerk in the Bank on the terms and conditions mentioned above.

4. Workman has further prayed that an Award be passed in terms of compromise. Management has agreed to provide the employment to the workman from the date of acceptance of the settlement and the award. Settlement being just and proper is accepted and no dispute award is hereby passed. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer
164 GI/95—13.

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1995

का.भा.०.305—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पश्चिम रेलवे बम्बई के प्रबन्धसूत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधि-करण, नं० 1, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-1-1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41012/118/92-आई. आर. (बो.पृ.)/बो आई]

पी.जे. माइकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th January, 1995

S.O. 305.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Railway, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-1-95.

[No. L-41012/118/92-IR(Du-/B.I.)
P.J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL NO. 1, BOMBAY.

PRESENT :

Shri Justice R.G. Sindhakar, Presiding Officer.

REFERENCE NO. CGIT-34 OF 1994.

PARTIES :—Employers in relation to the management of
Western Railway, Bombay

AND

Their Workmen

APPEARANCES :—

For the Management	: No appearance
For the Workmen	: No appearance
Industry	: Railways
State	: Maharashtra

Bombay dt. 29th day of December 1994.

AWARD

Government of India Ministry of Labour has by letter dt. 28/29-4-1994 referred dispute mentioned in the schedule below for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

SCHEDULE

“Whether the action of the Management of Western Railway in relation to its Senior Divisional Electrical Engineer (R/S) Bombay Central Division, Bombay in excluding Shri E. Ramesh Kumar, Motor Lorry Driver Grade III from appearing in the trade test of MLD Grade II is justified?”

If not, to what relief the workman concerned is entitled to?"

Bombay, dated 20th December, 1994.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its letter No. L-41012/19/87-D. II(B) dated 11-12-1989 referred to the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication. It is in the following terms :

"Whether the action of the management of Central Railway in relation to its Dy. Chief Engineer's Office at Manmad, in relieving Shri Shakaram Fakira Sanap, Senior Clerk from service w.e.f. 1st March, 1985 is in order. If not, to what relief the workman concerned is entitled to?"

2. Shri Shakaram Fakira Sanap was appointed as the class IV employee in the Central Engineering Workshop of the then G.I.P. Railway, at Manmad (Dist. Nasik), Maharashtra on 24-3-47. On 1-3-84, he was wrongfully retired on superannuation as Senior Clerk in the grade of Rs. 330-560. This post was upgraded to that of head clerk with effect from 1-1-84. The benefit of that was allowed to the Applicant vide item No. 16 of the office order No. 15 for 1985 issued by the Dy. Chief Engineer, Manmad on 9-5-1985.

3. When the workman joined the services of the railway, then he was never called upon to produce any document in respect of his birth date. There were no definite rules at that time. In 1968, certain rules were framed regarding the minimum age qualification. In the Office record he was shown to be born on 1-3-26. In fact, he was born on 13-3-30. The workman approached the concerned Authorities since 7-12-54 to make necessary corrections in the service record but his request was turned down. He produced the school leaving certificate of the school and the birth extract from the Municipality where he was born, but it was of no use. Finally the services of the workman were wrongly terminated with effect from 1-3-84 on the grounds of his having attained the age of 58 years when actually the workman was legally eligible to continue in the railway services up to 31-1-88. Due to that the workman had suffered a monetary loss of Rs. 92,773 which are enumerated in para 3.1 of the statement of claim.

4. The workman contended that the applications made by the other workmen for making corrections in their service record so far as the birth dates are concerned were sympathetically considered by the employee i.e. Railway and they are given the benefits of the same. So far as case of the present workman is concerned, it was not considered the management had shown discrimination between the two Workers.

5. The workman claims that the action of the management in relieving him as a Senior Clerk from services from 1-3-84 is not in order and he is entitled to the claim which is made by him.

6. The Railways, i.e. the respondent by their written statement at Exh. 5 resisted the claim. It is averred that the reference is not tenable under the Industrial Disputes Act of 1947. It is pleaded that it is barred by limitations. It is averred that in the year 1947 a person was eligible for employment in any Government services only on completion of, 18 years. When the workman entered the services of Railway on 24-3-47, declared his date of birth as 1-3-26. He served for 36 years and had taken the benefits.

7. The workman has represented to the management for changing the date, long back in the year 1965. It was consi-

2. On receipt of this reference notices were issued to the parties. The General Manager Western Railway, Churchgate Bombay and the Divisional Secretary, Western Railway, Karmachari Parishad, Dadar (W) Bombay-28. Both the acknowledgements have been received from the Postal department purporting to bear the signatures of the Secretary and on behalf of the Divisional Railway Manager. The matter was adjourned to 10th of October 1994 and thereafter to 28th of December 1994. None of the parties appeared on 10th of October nor on 28th of December 1994. No statement of claim has been filed. Obviously therefore there has been no written statement on behalf of the Management. In the circumstances it is not possible to find out the nature of the grievance, justification thereof and therefore not possible to pass an award in favour of the workman. Reference is therefore disposed of and award accordingly.

R.G. SINDHAKAR, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1995

कां० प्र० 306.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मध्य रेलवे, बम्बई के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, सं० 2, बम्बई के पत्रपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-1-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41012/19/87/-डी.-II (बी.)/बो.-I]
पी०जे० माइकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th January, 1995

S.O. 306.- In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Railway, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-1-95

[No. L-41012/19/87-D.II(B)/B.I.]
P.J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL NO. 2. BOMBAY

PRESENT

Shri S.B. Paise Presiding Officer

REFERENCE NO. CGIT-2/53 OF 1989

EMPLOYERS IN RELATION TO THE MANAGEMENT
OF CENTRAL RAILWAY, BOMBAY

AND

THEIR WORKMEN

APPEARANCES :

FOR THE EMPLOYERS : Shri P.R. Pai Advocate

FOR THE WORKMEN : Shri C.B. Nargolkar Advocate

dered and the application was rejected. He filed a writ petition in the High Court of Bombay, which came to be summarily rejected. Under such circumstance, the reference is not tenable. It is denied that there is discrimination between the two workers. It is averred that the claim which is made by the worker is unjust and improper and it has to be rejected.

4. My Learned Predecessor framed issues at Exh. 6 for determination. The issues and my findings thereon are as follows :

Issues	Findings
1	2
1. Whether the present Reference is not tenable under the provisions of the Industrial Disputes Act?	YES
2. Whether the present reference (petition) is barred by the provisions of the Limitation Act ?	Does not survive
3. Whether the correct date of list of the workman Shri S.F. Sanap is 13-3-1930 and not 1-3-1926 as recorded in the Railway Administration record?	Does not survive
4. Whether the action of the management of Central Railway, in relation to its Dy. Chief Engineer's Office at Manmad, in relieving Shri Shakaram Fakira Sanap, Senior Clerk from service w.e.f. 1st March, 1984 is in order?	YES
5. If not, to what relief the workman concerned is entitled?	Does not Survive
6. What Order?	As per order below.

REASONS

5. Shri S.F. Sanap filed his affidavit at Exh. 4 & Exn. 8 in support of his claim. He is thoroughly cross-examined. It is not in dispute that he joined the services of Railways as Class IV servant known as Coolie or Khalasi on 24-3-47. Then he was promoted in different cadres and was made to retire on Superannuation on 1-3-84. While making him retire on that day the management took into consideration his date of birth to be as 1-3-26. It is also not in dispute that in the year 1964 or earlier to that the workman made representation to the management for correcting the date of birth in the service records. But that application was rejected. The workman preferred a writ petition which happened to be rejected wherein the order passed was

"Rejected the liberty to file suit"

6. The 3rd schedule of the Industrial Disputes Act of 1947 deals with the matters within the jurisdiction of the Industrial Tribunal. There are eleven matters referred to in that schedule.

It is nowhere mentioned that the record of the workman's dispute is to be treated as an industrial dispute. The second schedule of the Act deals with the matters within the jurisdiction of Labor Court. Item 3 deals with the discharge or dismissal of the workman including reinstatement or granting of reliefs to the workman wrongly dismissed. In para 2.7 of statement of claim the workman had contented that he was wrongly terminated with effect from 1-3-84 on untenable grounds of his having attained the age of 58 years. I am not inclined to accept this. It is because, the management took the action of retiring the workman at the age of 58 years on the basis of the birth date on the record. It can be seen further that this action of the management cannot be said to be termination of the workman. Admittedly the workman had received the benefits which an ordinary workman gets after retirement or superannuation. As this is so the reference appears to be out of the jurisdiction of this Tribunal. It has no jurisdiction to decide it.

7. Laws of limitation is not applicable to the reference in the Industrial Disputes Act. No doubt this case suffers from laches. The workman had taken inordinate delay in moving the concerned authorities for making the reference. But as I have come to the conclusion that the reference is not tenable, in the provisions of the Industrial Disputes Act, this issue does not survive.

8. In fact, I have come to the conclusion that the reference is not tenable under the provisions of the Industrial Disputes Act. Hence it is not necessary to answer this issue at all. But if it has to be answered, it has to be stated that the date of birth which is mentioned in the employers' record is correct. It is so because Shri S.F. Sanap admits that when he joined the railway service he disclosed his date of birth to be 1-3-26. That entry was made in the register and then he put his thumb impressions there. He affirmed that his date of birth was 13-3-30. In the School Leaving Certificate his date of birth is shown to be 16-1-30 and in the Municipality Bureau record his date of birth is shown to be 13-3-30. The difference between the two i.e. the School Leaving Certificate and the Municipality Bureau's record creates a doubt in the mind as to which is the exact date. Naturally an inference has to be drawn that the date that was given in by the workman at the time of getting employment is the correct date. Furthermore, it can also be seen that he had taken the benefits of the Railway services on the basis of this birth date. He had withdrawn the salaries more than what he would have drawn in ordinary course and it would have been less. As he had taken that benefit, it has to be accepted that he must have given the correct date of birth to the management which is 13-3-26.

9. The workman had approached the management since 1954 for changing his birth date. His representation were turned down by the management and ultimately he filed a writ petition No. 347 of 1984. After the perusal of the copy of the writ petition, I find that the prayer which was made by the workman in it was correcting the date of birth in the service record and allowing him to have the necessary benefits. Their Lordships considered the matter and passed the order "Rejected the liberty to file suit". This order was passed on 2-2-84. The workman was given the liberty to file a suit but he had not taken that liberty and had tried to make this reference, which appears to be untenable. He had not given any explanation why instead of approaching the City Civil Court, he approached the Assistant Labour Commissioner. This also goes against him. I do not find any cogent evidence on the record that the date of birth of the workman is 13-3-30 and not 1-3-26.

10. The management placed reliance on Gostha Behari Mullick v/s. Union of India and ors. page 86 Vol. II and THEIR LORDSHIPS have observed that when an employee declared his age and got advantage of it, his claim later to change it as per School Certificate cannot be accepted. In that case the workman wanted to take the benefits on the basis of the date of birth in the School Leaving Certificate which was not accepted. Relying on the ratio given in this authority it can be also said that as the workman had taken the advantage of getting the employment below 18 years of age and taken the benefits, now he cannot get his date of birth changed and take the other benefits. For all these reasons, I find that the action of the management is perfectly proper and the workman is not entitled to the benefits as claimed. In the result I pass the following order:

ORDER

1. The action of the management of Central Railway in relation to its Dy. Chief Engineer's Office at Manmad, in relieving Shri Shakaram Fakira Sanap, Senior Clerk from service w.e.f. 1st March, 1984 is in order.
2. No order as to costs.

S.B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1995

का.प्र. 307.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, उच्च रेलवे बम्बई के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, सं 2, बम्बई के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-1-1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41012/105/88-(डा-IIबी.)/बी-I]
पी.जे. माइकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, 12th January, 1995

S.O. 307.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Railway, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-1-95.

[No. L-41012/105/88.D.II(B)/B.I]
P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE
BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2

BOMBAY

PRESENT

SHRI S. B. PANSE

PRESIDING OFFICER

REFERENCE NO. CGIT—2/48 OF 1989
EMPLOYERS IN RELATION TO THE
MANAGEMENT OF D.R.M.,
CENTRAL RAILWAY, BOMBAY

AND

THEIR WORKMEN

APPEARANCES :

FOR THE EMPLOYERS : Mr. J. M. Mahajani
Advocate

FOR THE WORKMEN : Mr. P. C. Dharia,
Advocate

Bombay, dated 15th December, 1994

AWARD

Mrs. S. V. Ambekar was working with the Central Railway with effect from 4-4-1974. She was doing the Clerical job in the catering department under the Chief Catering Inspector, Pune.

2. The workman Ambekar contended that the Chief Catering Inspector Mr. Gandhi always troubled her. He transferred her to Bombay, but she made representations and got the transfer order cancelled. This aggrieved Mr. Gandhi. She was suspended on 13-8-86 without giving any explanation. Subsequently on her representation her suspension order was revoked. Thereafter, when she attended the duty she was not allotted any kind of work and she was made to sit idle.

3. The workman contended that on 17-10-86 a charge-sheet was given to her in respect of her alleged mis-behaviour and quarrel with the Chief Catering Inspector. She denied the charges. Thereafter a domestic enquiry was held against her in an improper way. The principles of natural justice were not followed. She was not supplied with the documents which she demanded for and the matter was heard ex-parte. Later on June 26, 1987 her services were terminated.

4. Her appeal before the Competent Authority was rejected. Being aggrieved by the orders she approached the Assistant Labour Commissioner (Central) Pune. But there even though the Labour Commissioner asked them to produce the necessary documents they were not produced. The workman is without any job for last so many days even though she served with the Railways for the last 15 years with an unblemished record. She prayed that she may be re-instated in service with full back wages, continuity in service and other reliefs.

5. The dispute was sent by the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its letter No. L-41012/105/88-D.II(B) dated 19-7-89 to this Tribunal for adjudication. It is in the following terms :

"Whether the action of the Divl. Railway Manager, Bombay Division of Central Railway, Bombay V.T. in relation to its establishments of Chief Catering Inspector at Pune in taking the work of clerk from Smt. S. V. Ambekar designated as substitute cleaner from 1974 to 19-9-86 and also terminating her service w.f.se 199-86 is justified? If not, to what relief the work man is entitled?"

6. The Railway Administration filed a written statement at Exh. 3 and denied its contentions. It is alleged that fair opportunity was given to the workman to proceed in departmental enquiry. Her request for the copies of the documents were complied with. It is denied that the principles of natural justice were not followed. It is asserted that the Enquiry Officer rightly came to the conclusion that the charges are proved and then awarded the punishment. Her appeal was also rejected.

7. The Employer stated that the question of re-instatement of Mrs. Ambekar does not arise. It is denied that her removal from service is bad in law.

8. My Learned Predecessor framed issues at Exh. 4 for determination. The issues and my findings thereon are as follows :

Issues	Findings
1. Whether the enquiry held against the employee lady was not held properly, and the rules of natural justice were not followed ?	The enquiry is proper.
2. Whether the action of the Area Superintendent, Pune (Rly.) in removing the said lady from service by its letter dated 26-6-87, is justified and proper ?	The action is justified.
3. If not, to what relief she is entitled ?	Does not survive
4. What Award ?	As per order below

REASONS

9. The workman, in her statement of claim had stated that with effect from 4-4-74 she was working as clerk in the catering department under the Chief Catering Inspector, Pune. This statement itself is an incorrect one because from all documentary evidences and from her cross-examination it reveals that she was working as a sub-cleaner in the catering department at Pune. She had tried to assert in her evidence that she was given the job of clerical nature in that department. That might be true. In fact, it is in dispute also. But that does not mean that she was a clerk.

10. It is not in dispute that the workman was transferred from Pune to Bombay. She made a representation and got the transfer cancelled. According to her Mr. Gandhi, the Chief Catering Inspector, Pune was behind her transfer. She affirmed that the Chief Catering Inspector had a bad desire for her. She had narrated the incident which alleged to have taken place on the day of Assassination of Late Prime Minister Smt. Indira Gandhi in the catering department of railways. She had to rush from that place and inform the behaviour of the Inspector to her husband and then she went to the Police Station. Then the matter was settled.

11. Here the witness Rajarani Thakker supports her statements that on the day of the incident she came here and informed the incident to her husband and then they went in Rickshaw to the Police Station. Then Gandhi was called there. Mr. Jadhav made the enquiries with Shri Gandhi and ultimately tendered his apology. Ultimately on this tendering of apology the matter was decided to be settled.

12. Mr. Gandhi denied all these allegations. No documentary evidence is adduced on the record that the workman ever complained to the Police Station. Infact for deciding this reference I donot find any relevancy in respect of this incident. At the most, that incident will help the workman for coming to the conclusion that the testimony of Gandhi is not reliable and he is of a bias mind.

13. Admittedly, the workman was suspended (Exh. 3/4) by the management on 13-8-86. This suspension order was revoked on her representation on 5-9-86 (Exh. 7/5). It is affirmed by her that she approached and attended the Office, but she was not allowed to sign the muster roll. It is therefore she made a representation (Exh. 7/6) for alleging her to sign the muster roll. It appears from this that her demand was to place her at her original place i.e the Clerical section and ask her to do the clerical job of that section. But the management was not ready for doing so. She was given the job of cleaning utensils. It appears that she was not ready to do so.

14. It is not in dispute that the charge-sheet (Exh. 3/6A) was given to her. After persual of the annexure to it, it can be seen that the charges which were levelled against her are clear in nature. She was given an opportunity to give her say to these charges. She had given a reply to these charges on 29-10-86. (Exh. 7/9) and she denied all the charges. As per her reply she was given the copies of the necessary documents and informed the date. She had also informed that she does not want to take the help of a Counsel permissible in the rules. Here one demand for giving the certified copy of the muster

roll abstract at that particular stage was rejected and she was given the opportunity to verify and have the extract from the same.

15. From the enquiry proceedings it reveals that on 3-2-87 she informed the enquiry officer that she may be informed the enquiry date and that she should be given the documents which have already been referred to above. Those documents were given to her and she was then informed the date of hearing. On 29-2-87 (page 32 of the enquiry proceeding) she reported that she was not given a copy of report of the C.C.I. on which the charges are based. She admitted that she received the statements of Kulthe, Pandey, Dussane and Morgah. She also requested that she should be given a copy of it before seven days of the enquiry. Thereafter, she was given the certified copy of C.C.I. report and she was informed the date of hearing. Later on from the record it appears that she instead signed the copy of C.C.I. on which basis the charges were levelled. The Enquiry Officer declined to give it and ordered that the certified copy is given and directed her to take part in the departmental enquiry. But it appears that she declined to do so. The Enquiry Officer also informed that if she fails to attend the proceeding then it will be heard in her absence.

16. Thereafter, the Enquiry Officer recorded the statement of witnesses in detail in a question and answer form. The workman remained absent. After recording the statements, he sent his report finding the workman guilty of the charges levelled against her. The Disciplinary Authority accepted the report and proposed the sentence. The workman was given opportunity to prefer an appeal. She did not prefer the appeal. From all these proceedings it appears to me that there was no illegality in the procedure. The list of witnesses, the documents which the management wanted and relied were given to the workman and she was given an opportunity to cross-examine the witnesses and lead evidence but she did not do so, by remaining absent.

17. From the whole enquiry proceedings it appears to me that the workman was insisting upon the signed statement of C.C.I. on which the charge-sheet was prepared. This is without any basis. She could have taken part in the enquiry and could have brought to the notice of the Enquiry Officer that what is going on is perfectly illegal and bias. But as she had not taken part by sitting idle it cannot be said that the procedure adopted by the Enquiry Officer is illegal. For the reasons given above I find that it is perfectly legal and proper and the principles of natural justice were followed.

18. In the written arguments, it is tried to submit that the datewise enquiry proceedings are not pro-

duced but that is a simple irregularity, and all the papers are on record. The enquiry report is there and the Enquiry Officer has given reasons for coming to the conclusion.

19. Now it is to be seen whether the findings of the Enquiry Officer are perverse. The Enquiry Officer had examined many witnesses in detail. He relied on their testimony and he had then come to the conclusion. As there is no cross-examination of these witnesses, I find that the conclusion which are drawn by him are perfectly legal and proper. Mrs. Ambekar the workman had deposed before this Tribunal and she tried to affirm that the findings of the Enquiry Officer are not correct. In her support Rajaram Thakkar had filed his affidavit.

20. Shri Gajul was the Chief Draftsman in the railway department. He affirmed that he had never seen the workman doing the work. But he had seen the workman picking up quarrels with her superior. His evidence is recorded before the Enquiry Officer. But at that stage the workman had not taken the necessary steps to take part in the enquiry. His evidence has no relevancy in this reference as the enquiry was just and proper.

21. After going through the enquiry proceedings and the statements of different witnesses I do not find any perversity in the report of the Enquiry Officer. The charges which are proved against the workman are gross. They are shouting at the Superior, not doing the legitimate assigned work, irregular in attendance and using filthy language to the Superior. In the result the punishment which is awarded to the workman by the Disciplinary Authority and confirmed by the Appellate Authority cannot be said to be discriminatory to the charges proved. In the result, I record my findings on the points accordingly and pass the following order :

ORDER

1. The action of the Divl. Railway Manager, Bombay Division of Central Railway, Bombay V.T. in relation to its establishment of Chief Catering Inspector at Pune in taking the work of clerk from Smt. S. V. Ambekar designated as substitute cleaner from 1974 to 19-9-86 and also terminating her services w.e.f. 19-9-86 is justified.

2. No order as to costs.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1995

कांसा० 308.—औद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दक्षिण रेलवे

मद्रास के प्रबन्धसूत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, प्रत्यक्ष में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-1-1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-41012/91/91-आई.आर. (डीयू)/डी I]
पी०जे० माइकल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th January, 1995

S.O. 308 .—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Southern Railway, Madras and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-1-1995.

[No. L-41012/91/91.IR(DU)/B.I.]
P. G. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL,
TAMIL NADU, MADRAS

Monday, the 10th day of October, 1994

PRESENT :

THIRU K. PONNUSAMY, M.A.B.L.,
INDUSTRIAL TRIBUNAL
INDUSTRIAL DISPUTE NO. 18/1992

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Workman and the Management of Southern Railway Madras).

BETWEEN

Shri V. Albert,
C/o. Shri B. Bhakthavarsalu,
51, Muthamman Koil Street,
Madras—600 023.

AND

The General Manager,
Southern Railway,
Moore Market Complex,
Madras—600 003.

REFERENCE : Order No. L-41012/91/91-IR(DU),
dated 21-2-92, Ministry of Labour,
Govt. of India, New Delhi.

This dispute coming on Monday, the 26th day of September, 1994 for final hearing upon perusing the reference, claim and counter Statements and all other material papers on record and upon hearing the

arguments of Thiru M. Chandra Raj, Advocate appearing for the Workman and of Thiru R. Venugopal, Advocate appearing for the Management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following :

AWARD

This reference has been made for adjudication of the following issue :

“Whether the Management of Southern Railway, is justified in terminating the services of Shri V. Albert, Electrical Fitter HS/-I w.e.f. 31-12-1987 ? If not, what relief the workman concerned is entitled to ?”

2. This petition is filed under Clause of Section 1 and Sub-Section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 for declaring that the impugned orders of removal, are illegal and quash the same since the copy of the Enquiry proceedings were not furnished to the petitioner before passing the final order of removal from service by the disciplinary authority which is in violation of principles of natural justice and reinstatement of the petitioner in service, with back wages and other attendant benefits.

3. The case of the petitioner briefly stated is as follows :

The petitioner was employed as Electrical Fitter HS I Grade in Electrical Workshop, Perambur, under the control of Chief Electrical Workshop Engineer, Southern Railway, Perambur. He was removed from service with effect from 31-12-1987, on ex parte report submitted by the Enquiry authority, violating the Sub-Rule 19 of Rule 9 of the Railway Servants (Disciplinary and Appeal Rules, 1968) without giving opportunity of giving the statement of the defence in writings. The witnesses were examined and after closure of the deposition of prosecution witness, sub-Rule 21 further provides him to submit a defence statement, explaining the circumstances appearing in the evidence recorded at the enquiry. Without obtaining the defence statement from the petitioner in respect of each article of charge a report was submitted by the Enquiry Authority violating Rule 9(25) of DAR Rules, 1968. He preferred an appeal to the Disciplinary Authority and Appellate Authority and review appeal to the General Manager, S. Rly., Madras. The review authority in his letter No. PA 87/PER/12 dt. 3-1-90 directed the Chief Workshop Electrical Engineer, Perambur, to dispose the appeal according to Rules. When the papers remitted back to the Appellate Authority that Officer did not consider, whether the procedure followed by the Enquiry Authority was according to law, whether the non-compliance of various factors pointed out in the

appeals dated 30-6-88 and 14-12-88 had resulted in the failure of Justice and whether the findings of the Enquiry authority was warranted by evidence on record as such. The appellate authority has not considered about the sustainability of the enquiry report, whether the findings of the enquiry authority are not based on legal evidence and his conclusion was such, as could not be arrived at by a reasonable person on the basis of the Material and circumstances of the case, the appellate authority can set aside the findings as well as the punishment based on such findings. The appellate authority is extremely cryptic and is not a speaking order at all. It does not deal with points raised by the appellant as required under the rules. The clarification and advice given by the Chairman, Railway Rates Tribunal, Madras and the opinion of the law officer on the legal matters notified were not considered by the Appellate Authority and a reason for not considering the views, were not notified as in code rules. A perusal of the article of charge, imputations, and statement of misconduct reveal that the Departmental Proceedings were initiated on 12-06-1987 based on a written statement obtained on 03-09-1985, under inducement, threat and assault, due to enmity, contravening the provisions of Sec. 24 of the Evidence Act, 1872. The said statement obtained under force, was not even attested by any witness as required under Section 68 of the Evidence Act, 1872. Since there was no witness to the statement, it cannot be based as a document in the domestic enquiry as it could not be effectively cross-examined to speak to circumstances of preparation of such statement, or there was any duress or threat at the time of recording the statement. The opinion expressed by the Law Officer, Southern Railway, on the statement when referred by Appellate Authority was suppressed by that authority. He had obtained an Anticipatory Bail order from Madras High Court, in MP No. 728/86, to substantiate that the statement was obtained on 03-09-1985 under threat and duress and submitted to the disciplinary and Inquiry Authority. Since the Disciplinary Authority has not initiated the disciplinary proceedings, within 45 days of recording the statement, (i.e. 3-9-85) the order of nominating the Enquiry Authority at a distant date (i.e. 12-6-87) is not being according to limitation, prescribed under DAR Rules 1968 [Para 25 (2(1))] invalid and as such it is liable to be declared as an illegal one and violation of DAR Rules 1968. The Report of the Enquiry Officer was not based on legal evidence, and his ex parte conclusion without obtaining the defence statement from the charged employee, could not be arrived at, by a reasonable person, on the basis of materials and

replies given to question No. 9, 13, 28, 33, 48, 50, 61 and 73. The Report of the Enquiry Officer cannot be called as the record of the Proceedings, as the defence statement of the employee Item (iii) and advice tendered by the Railway Rates Tribunal or Commission item (iv) were not included in the proceedings as required under Section 11(4) of DAR Rules, 1968. When the charged employee attended enquiry on all the dates, fixed on 12-06-1987, 06-07-1987 and 07-07-1987 and 24-08-1987 the final report of the Presenting Officer was not even made available to the petitioner nor was he given the reasonable and adequate opportunity to present his defence, in respect of the charge. When he was co-operating with the enquiry in attending various adjourned dates, closing the enquiry abruptly, without even calling for the defence statement and based on surmises, recorded a perverse finding and this omission on the part of the Enquiry Officer, has vitiated the enquiry proceedings. The orders of removal by the (DEE shops) who imposed a major penalty, is only a delegate of an appointing authority, by virtue of mere delegation of the power to appoint. He is not competent to initiate disciplinary proceedings or impose any penalty (CAT Hyderabad Bench—1988—6 ATC 675) and the impugned orders of removal are illegal. The review appeal submitted to the higher authority, was remitted back to the Appellate Authority (CEE shops) take into consideration “DENOVO” various factors pointed out with appeals dated 30-6-88 and 14-12-1988 and also the advice tendered by the Rly. Rates Tribunal, and Law Officer of Southern Railway, to verify whether the procedure laid down in the rules has been complied with, if not, whether such non-compliance has resulted in the violation of any provisions of the Constitution, or in the failure of justice. The order of appellate authority is extremely cryptic and is not a speaking order. It does not deal with the points raised by the petitioner the brief statement of reasons for non-acceptance of advice by the Commission and the Law Officer were not even supplied to him as required in Section 28 of DAR Rules, 1968. The Matter was taken up for conciliation with the RLC/MAS and his failure report sent to Central Government.

4. The defence of the respondent briefly stated is as follows :

The petition is liable to be dismissed with cost. The petition is not maintainable either in law or in fact. The petitioner was employed as an Electrical Fitter in Electrical Workshops/Perambur. The petitioner was issued with a charge sheet for a major penalty on 13-10-86 based on the report of the Special Police Establishment/Madras. The petitioner in connivance with Sri S. Sianesan, Dresser, Railway

Hospital, Perambur, received (1) Rs. 5,000/- from one Sri Ayappan to get a job of Attender to him; (2) Rs. 8,000/- from one Sri Rangaswamy to secure a job for his daughter; (3) Rs. 5,000/- from Sri Asaithambi to get a job for him; and (4) Rs. 1,500/- from Vasantha to get her a job and executed three stamped receipts for Rs. 5,000/- in favour of Sri Ayappan, Rs. 8,000/- in favour of Rangaswamy and Rs. 7,500/- in favour of Sri Asaithambi and Vasantha on 3-9-85 undertaking to repay the amount within one week if he could not secure the jobs. Based on a complaint, the Superintendent of Special Police Establishment, Madras investigated the case and submitted the report to the Chief Vigilance Officer, Madras. The above charges were enquired into by the Enquiry Officer/Madras. The petitioner was given all reasonable opportunities to defend his case and he was also assisted by a Defence helper. The petitioner has participated in the DAR enquiry with his defence helper. The charges were proved in the Enquiry. Accepting the finding of the Enquiry Officer, the Disciplinary Authority, who is also the appointing authority imposed on him a penalty of removal from service with effect from 31-12-1987 and the same was communicated to him *vide* penalty advice No. EPB/227/LW/132 dt. 31-12-87 duly enclosing a copy of the said DAR proceedings. He preferred an appeal against the penalty of removal from service and it was rejected by the Appellate Authority in a speaking order. The petitioner raised an Industrial Dispute under Section 2(A) of the I.D. Act before the Regional Labour Commissioner (Central), Madras. Based on the failure report, the Assistant Labour Commissioner (Central) Madras has referred to Industrial Tribunal, for adjudication. The Enquiry report was not an *ex parte* one and the petitioner was given an opportunity to file a defence statement. Even after one month, the petitioner has not filed his defence statement and he was solely responsible for not sending it. Therefore, the report of the Enquiry Officer cannot be an *ex parte* report. The provision of Rule 9(25) of DAR Rules has not been violated. The petitioner has submitted his revision petition to General Manager, after the appeal was disposed off by the Appellate Authority and the General Manager had directed the Appellate Authority to reconsider the appeal after granting him a personal hearing. Accordingly, the Appellate Authority had considered the appeal afresh and disposed it off after giving a personal hearing. The Divisional Electrical Engineer (Shops), Perambur, who is the appointing authority is competent to impose the penalty of removal on the applicant. The order of removal was imposed by the competent authority after following all the procedures and 164 GI/95—14.

giving a reasonable opportunity to the delinquent to defend his case. Therefore, the order of removal is final as the petitioner has violated the service conduct rules which will amount to unbecoming of a Railway Servant. The petition is mischievous and misconceived and devoid of merits.

5. The issue that arises for consideration in this dispute is :

“Whether the Management of Southern Railway is justified in terminating the services of Shri V. Albert, Electrical Fitter, HS-I w.e.f. 31-12-1987? If not, what relief the workmen concerned is entitled to?”

6. The issue :

The petition in connivance with Sivanesan, Dresser, Grade II, Railway Hospital, Perambur, received cash of Rs. 5,000/- to get the job of an attender in the Railways for Ayyappan, that he could not secure that job to Ayyappan for a period of about 8 months and undertook to repay the sum within a week and floated the promise to wind is borne out by Ex. M.1. The petitioner received cash of Rs. 8,000/- from Shakuntala and promising to get the clerical post in Railways for her, and he could not get it and as such when she demanded repayment of the amount, he promised to repay the same within a week is evidenced by Ex. M.2. He received a cash of Rs. 1,500/- to get an attender post in the Railways for Vasantha, but he could not get it and he promised to repay the sum within a week but he failed to do so, is established by Ex. M.3. Similarly, he received cash from some other persons promising to get job for them in railways. The original of Ex. M.1 to M.3 are in the hand writing of the petitioner and he wrote them without any duress-cum-threat coercion or intimidation by anybody. In Exs. M.1 to M.3 he has categorically admitted receipt of the cash from the aforesaid persons, and he neither got the job for the said persons nor returned the amount as promised by him. He duped and cheated the innocent and glibile persons. He was charged sheeted for an offence punishable under Rule 3(1)(i) and (iii) of Railway Servants (Conduct) Rules, 1966. He made an unlawful action and behaved in a manner unbecoming of a Government servant. He committed misconduct which deserves grave penalty. He was charge sheeted is borne out by Ex. W.2 for grave charge. He had no integrity. The charges were read over and transferred to him. He perused the documents and took extract of the same. The copy of the day today proceedings were given to him. He obtained anticipatory bail as disclosed by Ex. W.1. Bhakthavatchalam was his defence helper. His explanation was unsatisfactory. Krishnamurthy was appointed as Domestic enquiry officer. He was

given reasonable and full opportunity to defend charges levelled against him, to cross examine the witnesses examined on the side of the respondent and lead evidence on his side is borne out by Ex. W.3. The domestic enquiry was adjourned is made out by Ex. W.4. Penalty advice was issued to the petitioner is established by Ex. W.5. He was removed from service with effect from 31-12-1987. The Enquiry Officer after careful scrutiny of the evidence and consideration of the documents, came to the conclusion that the petitioner is guilty of the charges framed against him. He preferred an appeal to the Appellate Authority but it was dismissed. He was dismissed from service by the respondent is made out by Ex. W.6. Then, he preferred a revision against the order passed by the Appellate Authority, is substantiated by Ex. W.7. The appeal was remitted back for reconsideration after giving personal hearing to the petitioner. The revision petition was dismissed is borne out by Ex. W.9. The petitioner preferred a revision to the General Manager, Southern Railway, Madras. It was dismissed is substantiated by Ex. W.8. Dismissal of the petitioner is confirmed, is established by Ex. W.10. The punishment is proportionate since the charge proved against the petitioner is grave. After remand, the Appellate Authority after giving personal hearing to the petitioner, and after considering the evidence as well as the documents, he concurred with the findings of the Enquiry Officer and removed the petitioner from service.

7. Disciplinary Authority need not consult the Railway Rates Tribunal unless consultation is necessary. In the present case, there is no necessity for the Disciplinary Authority to consult Railway Rates Tribunal. It is not necessary to furnish a copy of the advice given by the Railway Rates Tribunal since it is neither obligatory nor mandatory is stated by Rule 3 of Railway Servants (Discipline and Appeal) Rules. If the Disciplinary Authority sought the advice of the Railway Rates Tribunal, he must give reasons for not accepting the advice of the Railway Rates Tribunal. Non-furnishing of the copy of the advice of the Railway Rates Tribunal and the copy of the order of the Disciplinary Authority does not arise since the Railway Rates Tribunal's advice was not sought and not obtained. A copy of the order of the Disciplinary Authority does not arise for consideration. The Disciplinary Authority has jurisdiction and is the competent person to remove the petitioner from service since the petitioner was under the control of the Disciplinary Authority. The Divisional Electrical Engineer (Shops), Peramambur is the appointing authority and he is competent to impose the penalty of removal of the petitioner from service. The order of dismissal of the petitioner

from service is just, valid and proper. The order of dismissal does not suffer from any illegality or infirmity.

8. Jurisdiction of this Tribunal is limited. This Tribunal is not an Appellate Authority sitting over the finding of the Disciplinary Authority. This Tribunal has no jurisdiction to reappreciate the evidence. This Tribunal cannot disregard the finding of the Enquiry Officer. This Tribunal can disregard the finding of the Enquiry Officer if it is perverse. The Enquiry conducted by him is fair and proper. The finding of the Enquiry Officer does not suffer from any infirmity or illegality or mistake or error or defect. The domestic enquiry conducted by the Enquiry Officer is fair and proper. The Enquiry Officer followed the procedure prescribed by the Act. The procedure, provision of law, the principles of natural justice, equality and good conscience have been duly complied with by the Enquiry Officer in conducting the domestic enquiry. The finding of the Enquiry Officer is neither arbitrary nor biased. Reasonable and full opportunity was given to the petitioner to cross-examine the witnesses examined by the prosecuting agency and lead evidence on his side. The petitioner was assisted by his defence helper in the domestic enquiry. The punishment of removal of the petitioner from service is imposed by the Disciplinary Authority is proportionate to the gravity of the charge. It is not desirable to allow the petitioner to continue in service since he committed grave misconduct. There are no reasons for this Tribunal to interfere with the order of dismissal of the petitioner from service by the Disciplinary Authority. Interference with the order of dismissal of the petitioner from service by the Disciplinary Authority is not warranted. The provisions of Law and Railway Servants (Discipline and Appeal) Rules, 1968 is not violated. There is no violation of the rules and principles of natural justice. The charge levelled against the petitioner is properly proved by legal evidence. Prima facie case has been made out against the petitioner.

9. By taking the above said aspects into consideration, this Tribunal comes to the irresistible conclusion that the Management of Southern Railway is justified in terminating the services of Shri V. Albert, Electrical Fitter HS-I w.e.f. 31-12-1987. The first part of the issue is found against the petitioner. The second part of the issue does not arise for consideration.

In the result, an award is passed that the Management of Southern Railway is justified in terminating the services of the petitioner with effect from 31-12-1987. No costs.

Dated, this the 10th day of October, 1994.

THIRU K. PONNUSAMY, Industrial Tribunal

WITNESSES EXAMINED

For Workman :

W.W.1 Thiru V. Albert (Petitioner-workman).

For Management : None

DOCUMENTS MARKED

For Workman :

- E.W-1/3-1986 Xerox copy of anticipatory bail obtained by the Petitioner-workman from 1st Additional Sessions Judge, Madras.
- W-2/3-10-86 Charge memo issued to Petitioner-workman (Xerox copy).
- W-3/7-10-87 Report of Enquiry Officer (Xerox copy)
- W-4/ Proceedings of the Enquiry Officer (Copy).
- W-5/31-12-87 Order of removal issued to the Petitioner-workman (Xerox copy).
- W-6/12-1-88 Appeal preferred by the Petitioner-workman against his order of removal (Xerox copy).
- W-7/27-4-88 Order of Appellate Authority (Xerox copy).
- W-8/30-6-88 Review appeal preferred by the Petitioner-workman against his order of removal (Xerox copy).
- W-9/3-1-90 Order of Chief Personnel Officer, Southern Railway, in the revision appeal (Xerox copy).
- W-10/21-9-90 Order of Appellate Authority confirming the order of removal from service of the Petitioner-workman (Xerox copy)

For Management :

- Ex M.1 Pronote for Rs. 5,000 in the name of WW.1 (Xerox copy).
- M-2 Pronote for Rs. 8,000 in the name of WW1 (Xerox copy).
- M-3 Pronote for Rs. 7,500 in the name of WW1 (Xerox copy).

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1995

कां.प्र. 309.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचन में, केन्द्रीय सरकार महाकांशल क्षेत्रीय ग्रामिण बैंक

बैंक के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, प्रमुख में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-1-1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12011/9 89-आई.भार. (सं.आई. 0)]

पं. ज. माइकल, उन्नी डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th January, 1995

S.O. 309.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 10-1-1995.

[No. L-12011/91/89-IR (B-I)]
P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP).

Case Ref. No. CGIT/LC(R)(106)/1990

BETWEEN

Shri Jagdish Prasad Yadav, Ex-Peon C/o Shri U. S. Maaviya, Punjab National Bank, Nagpur Road, Madan Mahal, Jabalpur (MP).

AND

The President, Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank, 164, Saivaji Ward, Civil Lines, Narsingapur (MP)-487001.

PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman—Workman himself.

For Management—Shri O. S. Raroria.

INDUSTRY : Banking DISTRICT Narsinghpur (MP).

AWARD

Dated, the 30th December, 1994

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-12011/91/89-IR (Bank-I) dated 10-4-1990 for adjudication of the following industrial dispute :—

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank Narsinghpur in terminating the services of Shri Jagdish Prasad Yadav, Ex-Peon, w.e.f. 22-8-1989 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled to?”

2. Both parties have filed their respective pleadings and certain documents and adduced evidence by way of affidavits. Case was at the stage of cross-examination of witness by the parties.

3. However, good sense prevailed in parties and the workman filed an affidavit along with an application dated 29-12-94 stating that—

“That the applicant had preferred an application on 21-10-94 to the Management named above that he is ready and willing to withdraw his case mentioned above which is at present pending with you provided the applicant is given fresh appointment to the post of Messenger/Sweeper in Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank. The applicant does not wish to press his claim for back wages, seniority

and other whatsoever consequential benefits. The applicant is ready for regular fresh appointment and he is ready also for foregoing back wages, seniority claims and other consequential whatsoever benefits."

The management vide application dated 30-12-94 filed before the Court, has agreed to offer regular fresh appointment to the workman on the post of messenger/Sweeper in the bank on the terms and conditions mentioned above.

4. Workman has further prayed that an Award be passed in terms of compromise. Management has agreed to provide the employment to the workman from the date of acceptance of the settlement and the award. Settlement being just and proper is accepted and no dispute award is hereby passed. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1995

कां० प्र० 510.—औद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसार म. कं० राज्य सरकार के तहत म. बिंदुष्ट मैनेजर, जलगाँव के प्रबंधक के संबंध निराकरण और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट बाधाएँ का विवाद में कं० राज्य सरकार औद्योगिक प्रबंधक, नं० 1, बम्बई के पत्रपत्र का प्रकाशन करता है, जो कं० राज्य सरकार का 12-1-1995 का प्राप्त हुआ था।

[संख्या एच-40012/143/91-आई०एम०(सी०यू०)]

क० वा० प्र० उन्नी, डेस्क प्रबंधक

New Delhi, the 12th January, 1995

S.O. 510.—in pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Telecom District Manager, Jalgaon and their workmen, which was received by the Central Government on 12-1-1995.

[No. L-40012/143/91-IR (DU)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, BOMBAY

PRESENT :

Shri Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer.
Reference No. CGIT-61 of 1992

PARTIES :

Employers in relation to the management of Telecom District Manager, Jalgaon

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Management—Shri N. V. Patil.

For the Workmen—Shri Chowdhari, Union representative.

INDUSTRY : Telecommunications STATE : Maharashtra
Bombay, the 22nd day of December, 1994

AWARD

Government of India, Ministry of Labour has by letter dated 4-8-1992 referred the dispute mentioned in the schedule below for adjudication to this Tribunal under Section 10(1)(d) read with sub-section 2-A of the Industrial Disputes Act, 1947.

"Whether the action of the Telecom District Manager, Jalgaon, in not regularising the services of Shri Vakilram Paltanram, Telephone Operator w.o.f.

1-2-85 is justified? If not, what relief he is entitled to and from what date?"

2. Statement of claim has been filed by Shri Vakilram Paltanram. Pursuant to the advertisement appearing in issue dated 28-9-1983 of 'Gavkari' a daily Shri Vakilram Paltanram applied for the post which posts were of Regular Telephone Operators and for Reserve Trained Pool (RTP), in the Telecom district of Maharashtra. It was stated in the advertisement that the requirement was of 68 Regular Telephone Operators and 35 Reserve Trained Pool (RTP), the Divisional Engineer selected 40 candidates for the post of Regular Telephone Operators and 25 for Reserve Trained Pool (RTP). These candidates were sent for training of three months with effect from 1-6-1984. The candidates were informed those selected for Reserve Trained Pool had no guarantee of their immediate absorption against regular posts of Telephone Operators and they would be called for duty as and when required by the department for a spell of three hours and will be paid at the rate of Rs. 2.75 per hour after completion of training of three months. 13 candidates were appointed as Telephone Operators vide letter No. E-712/27 dated 23-1-1985. It is stated that after going through the list of candidates who were appointed as Telephone Operators by the letter was confirmed that 12 candidates were belonging to the list of Regular Telephone Operators and one candidate belonged to the list of Reserve Trained Pool. A copy of this letter was forwarded by Divisional Engineer, Telephones, Jalgaon alongwith the list of Regular Telephone Operator to A.E. Phones, Jalgaon. The Divisional Engineer Telegraphs, Jalgaon forwarded a copy of another letter dated 12-6-1984, alongwith a list of Reserve Trained Pool to A.E. Phones, Jalgaon. The names of the candidates were selected for Regular Telephone Operators stood at Serial No. 1 to 10 and 12 to 13 whereas the candidates selected for Reserve Trained Pool (RTP) at Sl. No. 11 in the letter dated 23-1-1985. The Director of Telephone Department issued guidelines for absorption of candidates selected for Regular Telephone Operators and Reserve Trained Pool in their circular dated 29-11-1980 and 30-10-1980. The letter dated 30-10-1980 mentioned clearly indicating that candidates in the reserve list after training would constitute a standing pool of trained reserve and they will be absorbed in regular vacancy in their turn after the candidates in the list were absorbed. The Regular Telephone Operators are entitled to increment, Earned Leave, Half Pay Leave, bonus, Overtime, Holidays, Restricted Holidays, HRA, Medical Reimbursement bills, Leave Travel Concession, Incentive for extra out-pur GPF, Seniority etc. whereas Reserve Trained Pool (RTP) was not entitled to the same. Applicant having stood at Sl. No. 21 of the Regular Telephone Operator list circulated by letter dated 12-6-1984 while Shri Abdul Kauti Sk. Hani Bux stood at Sl. No. 25 of the Reserve Trained Pool circulated vide letter dated 12-6-1984.

3. It is contended that Shri Abdul Rauf Sk. Hahi being a Reserve Trained Pool had no claim to get appointment as a Telephone Operator till all the candidate enlisted in the list of Regular Telephone Operators were absorbed. However, he was appointed by letter dated 23-11-1985 whereas 28 out of 40 candidates of Regular Telephone Operators list were still awaiting their appointment. The grievance is that this was not permissible and legal and has deprived the present workman Shri Vakilram Paltanram of his rights. He continued to work as a Reserve Trained Pool till he came to be appointed as a Regular Telephone Operator on 11-2-1988 at Osmanabad in Latur Division. The management acted upon the instructions of higher authorities and contrary to the provisions of the Constitution and the decision of the Central Administrative Tribunal confirmed by the Supreme Court. His grievance was not attended and therefore, he had to come for redressal of his grievance. It is mentioned that he belonged to Schedule Caste community. His prayer is for regularisation with effect from 1-2-1985 the date on which Shaikh Abdul Rauf was appointed and consequent benefits arising therefrom.

4. On behalf of the management written statement has been filed the first contention raised is that the present dispute does not come under the purview of Industrial Disputes Act, but has to be dealt with by the Central Administrative Tribunal. Workman is governed by, according to the management, CCS (CCA) Rules 1965, Fundamental Rules/Supplementary Rules and Revised Leave Rules. It

is stated that in spite of this contention the management is making a written statement.

5. Admitted fact is that Shri Vakulram Paltanram was selected for appointment as Regular Telephone Operator in 1983 on the basis of merit of marks alongwith other candidates and it is stated that he was not selected as a Scheduled Caste candidate because Caste Certificate submitted by him was not as per prescribed proforma for Central Government Employees. Due to introduction of O.I.D.R. Scheme of upgradation of pay scales under matching saving scheme five percent overall post of I.O.s in the division were abolished before appointment. Only 13 posts remained for appointment of Regular Telephone Operators. 13 posts consisted of 10 Senior most Open Category candidates in merit list, one Senior most candidate of Scheduled Caste quota, one Senior most candidate of Scheduled Tribe and one Ex-serviceman. These appointments were made according to the ratio given for appointment by the Department. Shri Abdul Rauf, Senior Scheduled Caste candidate was selected in reserve quota. All remaining Open Category candidates from Sl. No. 11 to 35 Scheduled Caste, Scheduled Tribe, Ex-serviceman, Physically handicapped and R.I.P. Candidates were named and engaged as R.I.P. I.O.s and were not kept idle. Shri Vakulram was also engaged as R.I.P. I.O. with effect from April 1983 till his regular appointment of I.O. with effect from 1-2-1985 in Junior Division. It is therefore, contended that he cannot make a grievance about it.

6. It is however admitted that 42 candidates were selected for Regular Telephone Operators and 22 for Reserve Trained Pool who were sent for training. It was assumed that they will be absorbed in future vacancies (only 13 candidates out of Open Category, Scheduled Caste category, Scheduled Tribe category and Ex-servicemen were appointed). Shri K. M. Ahire and Shri Vakulram were selected against Open Category quota as they were in merit and Caste Certificates produced were not in prescribed form. He could not be treated as Scheduled Caste candidate. It is further contended that the list circulated while E-7/2/81 and E-7/2/85 dated 12-6-1984 were not select list but list of or the selected candidates diverted for training purposes to A.B. Phones Jalgaon. There was no difference between training for regular and Reserve Trained Pool Telephone Operators and the select list for both are prepared on 22-1-1985 and was based on percentages of marks. Shri Ahire and Shri Vakulram stood in general quota for other Caste and having less marks was selected against reserve vacancy for Scheduled Caste while N. K. Koli, Scheduled Tribe candidate and Shri V. G. Mokashe as Ex-serviceman were appointed. The misunderstanding is caused because of his feeling that junior has been appointed but that has been done on the basis the reserved category taking precedence over Open Category. Prayer, therefore made is that Shri Vakulram was not entitled to any relief.

7. Rejoinder has been filed to the written statement. There in it has been stated that the Bombay High Court has held that P&T is an industry within the meaning of Section 2(j) of the Industrial Disputes Act and therefore, he is entitled to invoke the jurisdiction under that Act and that remedy has to be exhausted before approaching Central Administrative Tribunal as held by the Central Administrative Tribunal in the case of Shri Ramswami Vs. Union of India 1991 17-10-21 (Madras) dated 8-2-1991. It is further stated that the applicant was selected for Regular Telephone Operator's as per Sl. No. 21 and not 20 and that he was selected as Scheduled Caste candidate as clearly marked against his name. The Caste Certificate produced was in prescribed form. There was no instruction to appoint only 13 candidates against vacancies after reduction of 5% posting remaining candidates were sent for training. The ratio is correctly worked out. Shri Abdul Rauf was selected as a Reserve Trained Pool candidate and therefore though he is a Scheduled Caste he had no claim to an appointment as a Regular Telephone Operator with effect from 1-2-1985. No instructions were received for appointment of candidates from Sl. No. 11 to 35 as Reserve Trained Pool. It is again reiterated that the order of appointment of Shri Abdul Rauf is not correct. Instance of P. K. Bodawale (now Mrs. P. S. Kochare) is cited. Contention is that he and Shri Ahire belonged to Scheduled Caste and had produced good proof in prescribed form. In support it is stated that until the list of Regular

Telephone Operators is exhausted the Reserve Trained Pool can not be appointed as Regular Telephone Operators. It is also contended that Shri Abdul Rauf had not submitted the Caste Certificate in the prescribed form.

8. The undisputed position is that an advertisement was published in the issue dated 28-9-1983 'Gavkari', a daily. It is also not disputed two separate letters were addressed by the Divisional Engineer, Telegraphs, Jalgaon Division produced at Annexure B and C dated 12th June 1984 were issued. By these two letters candidates were called for training for three months including one month's practical training. They were directed to report for that course commencing on 19-6-1984. It is mentioned in the letter Annexure B that in case of failure to attend by the due date candidate's name will be removed from the SELECT LIST. While in the letter Annexure 'C' it is mentioned that the candidate's name has been kept on the Reserve Trained Pool and there was no guarantee for his immediate absorption against regular post of Telephone Operator. It was, however, mentioned that he can be absorbed in future vacancies of Telephone Operators. It is also stated therein which is not to be found in Annexure 'B' that the candidate will be called for duty as and when required by the department for special or night hours and will be paid at the rate of Rs. 2.75 per hour. The list with Annexure 'B' mentions at the top 'list of regular candidates' the list contains name of Shri Vakulram an employee about whom present dispute is referred for adjudication and list annexure with 'C' mentions the name of Shri Abdul Rauf about whose employment grievance has been made in the present reference. As against both it is mentioned 'Scheduled Caste'. At the top of list Annexure 'C' is mentioned 'List of Reserve Trained Pool candidates'.

9. The order dated 23-1-1985 under the signature of Divisional Engineer, Telegraphs, Jalgaon Division, 13 persons are directed to report for duty as Telephone Operators and amongst them is mentioned the name of Abdul Rauf at Sl. No. 11. It has been mentioned that on their failure to report for duty as Telephone Operator on the stipulated date 1-2-1985 his/her name will be removed from the select list, Annexure 'D'.

10. Annexure 'E' is letter under signature of Divisional Engineer, Telegraph, Jalgaon Division and dated 6-4-1985. This mentions that it constitutes standing Reserve Pool Trained candidates (RTP) in the cadre of Telephone Operator mentioned in the enclosed list are directed to report to the Telephone Exchange mentioned against each for duty as short duty Telephone Operators for not less than three hours as and when required and will be paid at the rate of Rs. 2.75 per hour. The list mentions name of Shri Vakulram Paltanram. Subsequently by order dated 11th February, 1988, three persons are appointed as Telephone Operators and posted as such and amongst them is the name of Shri Vakulram.

11. Against this admitted and established background the grievance of Shri Vakulram is to be considered. His grievance is that he was selected as a regular candidate and Shri Abdul Rauf was selected as a Reserve Trained Pool candidate and he should have been appointed before Shri Abdul Rauf Reserve Trained Pool candidate. Since by order dated 23rd January, 1985, Shri Abdul Rauf came to be appointed and he was not the management acted unjustifiably and illegally. Subsequently on 6th April, 1985 treating him as a Reserve Trained Pool candidate he was directed to report to the exchange for duty as shift duty Telephone Operator. It is only in 1988 that he comes to be appointed as a Regular Telephone Operator. This he says is contrary to the guidelines which have been produced at Annexure 'G' they are dated 30th October, 1980. Recruitment procedure is sought to be streamlined and a scheme is formulated. Present arrangement prevailing is mentioned. At the time of each recruitment after the selection list is drawn up additional list of candidates known as Part B or Part II is prepared by each recruiting unit. Candidates in Part II list are called up against drew outs from the main list. They are imparted training only after they are brought on to the main list. As against that prevailing practice it was proposed that after the main list is drawn up a specific additional reserve list of candidates equal in number of 50 per cent of the number of candidates in the main list will be drawn up. The candidates in the reserve list also to be imparted training

like the candidates in the main list. The candidates in the reserve list after training will constitute a standing pool of Trained Reserve. They will be absorbed in regular vacancies in their turn after the candidates in the main list are absorbed. Till then they will be used as short duty staff against vacancies due to absenteeism or any other reason besides for peak hour traffic. It is also submitted that after the reserve list is drawn up the candidates in the reserve list will be informed that they have been brought on to reserve list and after training they will be called upon to function as short duty staff hourly rate of wages (Rs. 2 per hour) till such time they are absorbed in regular vacancies in due course. It was then stipulated that the main select list of candidates is to be drawn up as to include the required number of Scheduled Caste/Scheduled Tribe candidates recorded against Scheduled Caste/Scheduled Tribe points. Corresponding to the length of reserve list the number of reserve points of Scheduled Caste/Scheduled Tribe could be computed with reference to the roster and accordingly the composition of the reserve list by Open Category/Scheduled Caste and Scheduled Tribe should be determined.

12. The grievance therefore, is that these guidelines have not been followed by the management in as much as when they prepared a list of regular candidates and when Shri Vakilram was a candidate on that list it was he who should have been appointed in preference to Shri Abdul Rauf who was not in the regular list but who was in the Reserve Trained Pool and the management's action in deferring Shri Vakilram's appointment till 1985 April and that too making his appointment as a Reserve Trained Pool candidate was thoroughly unjustified. His delayed appointment on 11th February, 1988 as a Regular Telephone Operator is consequently unjustified.

13. The justification that the management gives is that there is no separate training course for Regular Telephone Operator's and Reserve Trained Pool candidates. There was no separate select list as such and it is lastly contended that after the list was prepared that restriction on appointments was put and only 13 posts could be filled and they were filled in by 10 senior candidate from the open category, one senior most from the Scheduled Caste quota and one from Ex-servicemen. It is the contention of the management that Shri Abdul Rauf belonged to the Scheduled Caste and therefore came to be appointed and the turn of Shri Vakilram did not come because he was down below in the list.

14. Shri Vakilram's contention is that he belonged to the Scheduled Caste but the management contends that his certificate was not in order. Shri Vakilram still maintains that he had produced it which was in Hindi and which ought to have been accepted. But apart from that I find that the management has filed counter statement dated 15th October, 1992 wherein on page 8 under the head conclusion of the case after submission of rejoinder at Item No. 4 it is stated:

"though Caste Certificates submitted by Shri Vakilram and Shri Abdul Rauf were not in prescribed proforma they must have been selected as per directives of D.G.P. and T. New Delhi No. 60/49/82-SPB-I dated 10th January, 1973 and 201/70/SPB-I dated 9th November, 1977"

Item No. 5:

"The department seem to have missed to get the Caste Certificates from both in a prescribed proforma which are demanded."

15. Therefore, if certificate of Shri Vakilram was not in order so was the certificate of Shri Abdul Rauf and then the question of not considering Shri Vakilram and taking up Shri Abdul Rauf could not be justified. It does appear from the documents produced that Shri Vakilram produced certificate showing that he belonged to Scheduled Caste. He was no doubt included in category having secured reasonably good percentage of marks but reliance upon a circular of 1989 in that behalf will not safely come to the help of management to contend that since he was included in the open category though he belonged to the Scheduled Caste was dropped and a candidate belonging to the Scheduled Caste but included in a Reserve Trained Pool candidate list could be taken up. I have already pointed out above guidelines of 1980 which directed that the regular list has to be exhausted first and then

the additional list in Part 'B' or Part II could be taken up for absorption.

16. The judgement of the Central Administrative Tribunal of Jhapaipur Bench dated 16th December, 1980, deals with the cases of employees of regular trained post (RTP) in post offices who sought regularisation in the posts of Postal Assistants and wages and other facilities given to those postal Assistants on the ground of similar work and similar pay. In a similar situation directions have been given to the Government for absorption of the petitioners against regular posts as directed. This was affirmed by the Supreme Court Annexure 'J'.

17. It has been contended that there has been a delay on the part of the petitioner in making a grievance, I do not think on that ground this Tribunal should decline to give relief if it is found that the grievance is genuine and the action of the management is unjustified. It appears that the petitioner to the advertisement in 1983 appointments were made in 1985 and Sh. Vakilram came to be appointed in a regular post in 1988. He belonged to Scheduled Caste, yet because of higher percentage of marks was taken in open category. Another Scheduled Caste candidate Shri Abdul Rauf securing lower percentage goes as Scheduled Caste in another post of Reserve Trained Pool and comes to be appointed much before him. Totally unjustified action. Shri Abdul Rauf was appointed no doubt in 1983, thereafter the grievance was made and ultimately reference has come to be made. I am not inclined to accept the submission that he should be declined relief on the ground that there has been a delay.

18. One more contention that has been raised is that this Tribunal has no jurisdiction to deal with the dispute, and it is within the purview of Central Administrative Tribunal. It has to be noted that it is a reference by an appropriate Government under section 10(1)(a) or the Industrial Disputes Act and it is concerning an industry carried on by or under the authority of the Central Government. Annexure 'N' is a relevant extract of the judgement in Writ Petition No. 1584/81, 3121/81, 3122/81 where the question passed was whether "the Postal and Telegraphs Department is an industry within the meaning of section 2(j) of the Industrial Disputes Act". It is observed that it was absolutely clear that the employees of the Telegraph Department were workmen within the meaning of Industrial Disputes Act and that the Telegraphic Department was an industry within the meaning of section 2(j) of the Act. Reliance has been placed upon the well known case of Bangalore Water Supply and Sewerage Board Vs. A. Rajappa and others, AIR 1978 Supreme Court 549. Decision of the Calcutta High Court in the case of Tapan Kumar Janna Vs. General Manager, Calcutta Telephone and others 1982 II LLN 334, both also made because it was held in that case that the services rendered by the Calcutta Telephones Public Utility Services and therefore, it was an industry within the meaning of section 2(j) of the Industrial Disputes Act. Remedy under the Industrial Disputes Act should be exhausted before dispute is brought in Central Administrative Tribunal. In my view there is not much substance in the contention that this has no jurisdiction to adjudicate upon this dispute.

19. I direct that Shri Vakilram's services be regularised with effect from 1st February, 1985 and shown to be senior to Shri Abdul Rauf and he should be paid salary and allowances, if not paid, so far on that basis.

Award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1995

का 0 आ 0 311-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार जनरल मैनेजर, टेलीकॉम के प्रबन्धन के संवर्धन नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं० 1, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-1-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-40012/248/91-आई आर (सी यू)]

के बी बी ऊनी डेस्क, अधिकारी

New Delhi, the 12th January, 1995

S.O. 311.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of General Manager Telecom and their workmen, which was received by the Central Government on 12-1-1995.

[No. L-40012/248/91-IR(DU)]

K. V. B. UNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, BOMBAY

PRESENT:

Shr Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer.
REFERENCE NO. CGIT-10 OF 1993

PARTIES:

Employers in relation to the Management of General Manager, Telecom.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES:

For the Management : Shri Chalse, Advocate.
For the Workmen : Shri Anchan, Advocate.

INDUSTRY : Telecommunication STATE : Maharashtra
Bombay dt. 15th day of December, 1994

AWARD

Government of India Ministry of Labour has referred a dispute in the schedule below to this tribunal for adjudication under section 10(1)(d) with 2A of the Industrial Disputes Act, 1947.

THE SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Telecom District Kalyan in terminating the services of Shri R. P. Gund, casual labour with effect from 1-12-1985 is justified if not what relief he is entitled to?"

2. Statement of claim has been filed by president Bhartiya Dak Tar Mazdoor Manch, Bombay. It is stated therein that Shri Gund was appointed as a casual labour on 1-10-1985 by district Manager Telecom, District Kalyan. Since then he continuously worked without a break until his services were terminated with effect from 1-12-1985. That was without a notice and without assigning any reason. He was not paid retrenchment compensation. It is contended that termination of his services is illegal, invalid and not justified. He therefore raised a dispute before the Assistant Labour Commissioner Central Bombay, and since no settlement was arrived at failure report was made to the Government by Assistant Labour Commissioner. That has led to the present reference.

3. It is submitted that the workman had to put in more than 240 days attendance during the year preceeding termination of his services. He was not given one month's notice, or wages in lieu thereof nor paid retrenchment compensation and therefore termination is illegal and invalid. It is thereafter stated that the department of Telecom was engaging large number of employees on casual basis. Union represented to the department for regularisation of their services to sort out the problems of casual labour committees were formed in the year 1990. On their recommendation most of the casual labourers were regularised. It is submitted by the Manch that the present workman Shri Gund was not aware of the appointment of the casual labour committees and therefore he did not make any representation in the beginning when he came to know about it he approached

the Telecom Office on 4-11-1990 when the staff was on strike. Since there was none to whom he could give his application. He approached the district Manager who advised him to give it at the dispatch counter. Since the clerk at the counter was on strike he refused to give any acknowledgement. The workman again approached the district Manager who asked him to leave the application in the dispatch counter which the workman did and went home. That was the last date for making representation and therefore he had no alternative. When the report was published the workman's name did not appear in the list of the employees to be regularised. He, therefore, approached by application dt. 4-12-1991 for absorption, he was asked to submit proof of delivery of application dt. 4-11-1990. He explained the position by letter dt. 3-4-1991. Since the application dt. 4-11-1990 for regularisation was not forwarded by the department to the casual labour committees he was not regularised. Manch therefore prayed that the permission of services of Shri Gund be held unjustified and he be reinstated with full back wages and continuity of service.

4. Written statement has been filed on behalf of the telecom district Manager. Admitting that Shri Gund was engaged as a casual Labour on daily rates basis on 1-10-1984 it is submitted that he was one of the casual labour workers engaged for carrying out departmental expansion work at different sub divisions. The department found that the expansion needed more casual labour to carry out the work in the contracted period took a lenient view by engaging casual labour and paying them according to the rate fixed at that time. That was the practice then prevailing. More casual labour in excess of the quota sanctioned by the Government were engaged. After completion of the work the services of a casual labour automatically come to an end and the department was not bound to provide any further employment opportunities to them. Central Government later restricted further engagement of casual Mazdoor and directed they should be engaged only for specific job of urgent nature and not for usual type of work.

5. So far as workman Shri Gund is concerned it is admitted that he joined on 1-10-85 and continued till 15-12-85 because there was continuous work. Telephone department has been keeping a record on such casual mazdoors and maintaining a gradation list of such workers who have worked for maximum days during preceeding 12 months. They are not provided any facilities and amenities that are provided to the regular employees of the department. It is further stated that department considered some of the casual mazdoor to be taken on permanent basis and accordingly casual mazdoor who had worked for the department for 240 days in a period of 12 calendar months was taken in the department as per the gradation list of the casual mazdoor. Union raised an issue and a committee was formed on 15-12-1990 for settlement of the issue and in view of the settlement reached at the casual labour committee meetings number of workmen were taken up on permanent basis in the department. The recommendations of the committee were observed by the department. This committee consisted of members of the management and also members of the Union. The decision that these casual Mazdoor who had worked in the department and had completed 240 days service in 12 calendar months were called upon to approach or represent to the department on or before 5-11-1990 for re-institute notification was issued inviting representation on 16-10-1990 number of application were received and were re-instituted in service.

6. So far as the contention of the workman that he had presented on application on 4-11-1990 the management denies the same. He did not approach till 4-2-1991 inspite of adequate publicity given to the decision of the committee and inviting applications before 5-11-1990.

7. Shri Gund has filed an affidavit in support and on behalf of the Management assistant engineer Shri Dore has filed one in support of the Management's case. Both of them have been cross-examined. Written argument has been advanced on behalf of the Management and oral submission made on behalf of the workmen.

8. Mr. Anchan on behalf of the workman submitted that he has admittedly worked for 240 days in a year preceeding 15-12-1985 and in this there is an averment in the affidavit filed by Mr. Gund and it has not been challenged in cross-

examination. It has been further stated that there is no contrary averment in the affidavit of Mr. Donge. In the course of cross-examination he admitted that Shri Gund has completed 240 days during the year preceding 15-12-1985. It is therefore clear that this was a case of a workman who had completed 240 days in a year preceding the date of his termination. It is however the case of Management that the workman did not report for duty and there was no termination. He says his services were terminated without assigning reasons but about that the evidence given by him is in such a state that it is difficult to hold in his favour on that point. He denied the suggestion that his services were not terminated and that he himself did not report for duty with effect from 16-12-85. He admits that he did not complain to any officer when the person in charge of the muster refused to take him back in service, he does not remember the name of that person also. He does not know when he approached the muster incharge with this request to take him back but according to him it could be a month and half after 16-12-1985. Later on he was constrained to admit that till he made complaint in 1991 to the Government Labour Officer in writing he had not complained to any one in writing.

9. However it is an admitted position that cases of those who had completed 240 days were recommended by the committee for absorption. The reason for not considering the case of Shri Gund for absorption given is that he had not represented and therefore not considered. Time and again this has been stated by Mr. Dogre in the course of his cross-examination. As against that case of those who had completed 240 days prior to 15-12-1985 were considered and they were absorbed. Reason assigned is that he did not make an application before 5-11-1990 as was expected of him. The workman tried to make out a case that he had approached the Management on 4-11-1990. In the statement of claim an attempt has been made to contend that the workman was not aware of appointment of casual labour committee and therefore did not make any representation in the beginning and when he came to know of the same he approached the office on 4-11-1990 and on that day the staff being on strike his application was not accepted. Obviously this would go to show that his case was that he had approached the management before 5-11-1990. That has been denied and in the affidavit Mr. Dogre states that he did not approach the management before 4-2-1991. When questioned in cross-examination he had to admit that he was aware of the formation of the committee for consideration of the problem of casual employees and also aware that applications were invited from eligible casual labours by 5-11-1990. Thus his earlier case in the written statement that he was not aware is not substantiated by evidence on the contrary contradicted by his own evidence. Earlier in the cross-examination he had admitted that till he made complaint in February 1991 to the Government Labour Officer in writing he had not complained to anyone in writing after 16-12-1985. It is rather difficult therefore to accept his version that he had gone on 4-11-1990 to make the representation. He says his services were terminated without assigning point to hold in his favour that he had made such an application before 5-11-1990.

10. The point is whether as a result of this he should be deprived of an opportunity to get back the job when decision taken was that those who had completed 240 days preceding the date of termination of their services should be absorbed and Shri Gund was eligible for absorption on that account. There is no magic in the date 5-11-1990. The decision of the committee and the notice that was displayed inviting application is unfortunately not produced. In his letter dt. 4th of November 1990 he had not made any reference of any notice or any decision of the committee. In his subsequent letter dt. 4th February 1991 he has made a reference to that notice. Therefore it appears that he has at any rate requested the Management to consider his case by letter of February 1991 and there should not have been any difficulty in absorbing him in regular employment. The Management's action therefore in not accepting his application dt. 4th February 1991 is in my opinion not proper and justified. As other workers who had to put in 240 days of work have been absorbed Shri Gund could have been also absorbed in that manner. I would therefore hold that the action in not absorbing him is not justified. He would be therefore entitled to absorption.

11. So far as the relief aspect is concerned I find that his own admission shows that he has been undertaking work on

contract basis from MSEB and the second division of Ulhasnagar is giving him this work on contract basis. That he has been doing for the last 3 to 4 years earning Rs. 700 to 800 per month. His appointment by telcom was on daily wages of Rs. 10 in 1984. Therefore in the circumstances I do not think he is entitled to any back wages for the period subsequent to his application for absorption in February 1990. For the prior period between 1985 and 1991 obviously he is not entitled to any back wages as admittedly he did nothing between 1985 and 1991.

12. Therefore he had completed 240 days of work in the preceding year and though no notice was given, nor retrenchment compensation paid it will not be a violation of Section 25F of the Industrial Disputes Act and on that ground he will not be held to be in continuous service holding termination illegal. I therefore find that he is entitled to regularisation and absorption but not to any back wages. Award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1995

का.मा. 312.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार टेलीकॉम डिस्ट्रिक्ट मैनेजर, जलगांव के प्रबन्धन के संबंध में निम्नलिखितों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, सं. 1, बम्बई के पक्षपक्ष को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-1-1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-40012/226/91-आई.आर. (डी.यू.)]
के.वी.बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th January, 1995

S.O. 312.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Telecom Distt. Manager, Jalgaon and their workmen, which was received by the Central Government on 12-1-95.

[No. L-40012/226/91-IR (DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL NO. 1, BOMBAY

Present :

Shri Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer
Reference No. CGIT-72 of 1992

Parties :

Employers in relation to the management of
Telcom Distt. Manager, Jalgaon

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Management.—Shri Patil, Advocate.

For the Workmen.—Shri Chowdhary, Advocate.

INDUSTRY : Telecommunication STATE :

Maharashtra.

Bombay, dated the 26th day of December, 1994

AWARD

Government of India Ministry of Labour has by letter dt. 25-6-1992 made reference for adjudication of a dispute mentioned in the schedule below under Section 10(1)(d) read with 2A of the Industrial Disputes Act, 1947.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Telcom District Manager Jalgaon in terminating services of Shri Vinod Suryabhan Ingle is justified? If not, what relief he is entitled to?"

2. Statement of claim has been filed by the workman Shri Ingle.

3. He states that he was working as casual Labour during the period from August 1984 to February 1986 under respondent No. 3 that is SDOT Bhusawal he worked for a total period of 250 days between February 1985 and January 1986. He worked for 7 days in February 1986 his services were terminated orally with effect from March 1986.

4. There were 200 casual labourers working under SDOT Bhusawal. Out of them 83 casual labourers standing at Sr. No. 118 to 200 in the seniority list of casual labourers working in Bhusawal Sub-Division were orally terminated in phased manner during January 1986 to April 1986. All of them were served notice "intimation of no work" on 20-5-1986. Applicant was at Sr. No. 139 and Shri Abdul Khatik Aziz was at Sr. No. 140. He was however, given work in Jalgaon sub-division in September 1988, though he was junior to the applicant while applicant was kept idle. He also states that large number of junior casual labourers were provided work in September 1988 and the principle last come first to go or first come last to go was not observed.

5. In 1989 again 47 out of 83 casual labourers were sent to Solapur division by order dated 13-1-89, while diverting these 47 casual labourers norms were not followed and the test of senior most going there or junior most going there was not applied. At any rate applicant Sr. No. 139 was not sent to Solapur division while those at Sr. No. 119 and 197 namely Prakash Namdev Patil and Ashok Eknath Bhangle were diverted to Solapur Division.

6. His grievance is that he has worked for more than a year as on 31st January, 1986 and was covered by Section 25B of the Industrial Dispute Act. He, further states that "intimation of no work" due to shortage of store material having been served on the employees it was a case of lay off within the meaning of Sec. 2(kkk) of the Industrial Disputes Act. However, these persons

who were served with intimation of notice and who were entitled to 50 per cent of the basic wages and dearness allowance for the period 1-3-1986 to 15-4-1986 under section 25(c) of the Industrial Disputes Act were not paid for the first 45 days or lay off period. Though permissible to retrench they were not retrenched nor paid retrenchment compensation after the expiry of 45 days of lay off period. It is submitted that though issue was taken up there was no result in spite of lapse of long time. It is further stated that he expressed his willingness to join duty but he was not absorbed. He has further relied upon circular dt. 7-6-1990, issued by the Chief General Manager Telcom Maharashtra Circle stating that the casual labourers who were engaged prior to 30-3-1985 and who could not complete 240 days before 30-3-1985 but could do so after 30-3-1985 during any 12 calendar months were eligible for grant of temporary status. It was further stated that he was covered by this category because he had completed 250 days in a year prior to 30-3-1985 and the period of absence which could be condoned being over years and in his case it was less than five years he should have been granted temporary status. In case of those whose period was of more than 8 years have been also granted temporary status.

7. It is further stated that by circular dated 7-2-1990 it was stated that though the casual labourers have absented for more than 6 months for their own reasons no notice was sent to them notifying that their unauthorised absence for more than 6 months has made them ineligible for any claim for the department recruiting them for further employment. This has resulted in Court Proceedings. A comprehensive statement was asked for on or before first of March 1990. In spite of this applicant's name was not included in such a comprehensive statement by Management Telcom District, Jalgaon.

8. HHs prayer is that since he was in service continuously for more than a year as on 1-3-1986 within the meaning of section 25B of the Industrial Disputes Act and since his services have been arbitrarily terminated with effect from 1-3-1986 and since provisions of Sections 25C and 25F of the I.D. Act have not been observed nor guidelines followed nor temporary status given with effect from 1-10-1989 he should be reinstated in service with effect from 1-3-1986 with full back wages and interest, should be given, all benefits and seniority granted temporary status with effect from 1-10-1989 and paid compensation of Rs. 5,000 for causing financial, physical and mental torture.

9. Management has filed written statement. The admitted fact is that Shri Ingle was engaged

as a casual labour by SDOT Bhusaval with effect from August 1984 and that he had completed 250 days during 12 calendar months from February 1985 to January 1986. Management denies that he has been retrenched. It is stated that he was diverted to Amalner Chopada line construction work under SDOT Jalgaon by SDOT Bhusaval vide letter dated 6-9-1988. He was one of the 22 casual labour so diverted. He joined work but worked for only 2 days and left without intimation. His whereabouts were not known till March 1991. He was not diverted to Solapur Division as he was provided work at Amalner Chopada line SDOT Jalgaon from where he was absconding it was presumed that he was not in need of work and willing to have a job and unwilling to go to Solapur a far away place. He did not approach for work he continued to remain absent from March 1986 to September 1988 and from September 1988 till March 1991 when for the first time he approached for a job.

10. It is stated that he was not on duty on 1-10-1989 and the break period was of more than five years and 2 months. He was never retrenched either orally or in writing and his allegation that he is discriminated and juniors preferred is false. It is stated that alongwith Abdul Khatik he was diverted to SDOT Bhusaval by letter dated 8th September, 1988. He was not sent to Solapur. It appears that he was not interested in continuing with the job.

11. He was casual workman and therefore Sec. 25C was not applicable. He was not retrenched and therefore Section 25F was not attracted.

12. It is further contended that he is not entitled to temporary status because that absence is for more than five years and not condoned. It is further stated that he is not entitled to any of the reliefs asked for.

13. Written submissions have been made on behalf of the workman and the Management. The reference is for adjudication of the dispute mentioned in the schedule and the same has been set out. What is to be examined is justification for the action of the Management in terminating the services of Shri Ingle. In case it is found to be unjustified then the question of relief to be given to him would arise.

14. Here in this case the workman's case is that he had put in more than 240 days of work in a calendar year preceding his termination in March 1986 has not been disputed. There is a specific admission to that effect in the written statement. The Management's case however is that he was not retrenched and therefore the question of following the provisions of Section 25 would not

arise. In fact the workman's contention also appears to be that he was not retrenched in 1986. That has been stated by him in para. 15 of the statement of claim. Termination therefore, assuming it is so, could not be said to be bad on account of not following the provisions of Section 25F of the Act.

15. The workman's case is that it was a case of lay off and provisions of Section 25C to have been followed. Reply on behalf of the Management is that Sec. 25C does not apply to the present case because he was a casual workman and cases of Badli workman and casual workman are excluded. That seems to be right on a plain reading of Section 25C. The question of therefore following the provisions of Section 25C by paying compensation and exercising the option of retrenching could not arise.

16. I therefore, do not find any merit in the contention that his services were terminated in the year 1986 and that too without a justification. It appears that there was no work which could be provided and some workman who were casual workman were relieved. When opportunity was available to provide them with work they were invited by letter dated 6-9-1988 and asked to join on Amalner Chopada line construction work. In fact that was not a part of the workman's case in the statement of claim and he all along contended that after March 1986 he was kept idle by the Management. Management however stated that he worked for only 2 days and thereafter disappeared and in support of that they have produced the muster roll with their written statement. That muster roll supports Management's case. He has been paid for 2 days work as evidenced by that statement. Question of diverting him to Solapur alongwith some others does not arise because there was work available on that line Amalner Chopada construction work. It appears that he was not interested and the Management has stated that he was continuing his education and also doing photography business at Jalgaon and later having come to know about some circular issued wanted to take advantage of that.

17. The relevant circular on which reliance is placed is circular dated 7-2-1990 Annexure 'A' & it says that a scheme for conferring temporary status on casual mazdoors who were employed before 30-3-1985 and were currently employed and had rendered continuous service of atleast one year (240 days in 12 calendar months) was approved. It was decided to confer temporary status on all eligible casual mazdoors and the process should be completed within a month. The question was again considered and circular dated 7-6-1990 was issued Annexure 'A' (X) and it says that the eligibility conditions are only two (1) casual mazdoor should have been employed before 30-3-1985 and

(2) he should have worked continuously for 240 days during any 12 calendar months. It then says his period of the absence for the purpose of granting temporary status to the casual mazdoor can be condoned by the concerned TDE without any limit provided he has worked for 240 days continuously during any twelve calendar months. Later on 14-3-1990 another circular have been issued on the same subject and decision taken is CTDE| TDMS may condone absence for the period of five years for the purpose of granting temporary status and further relaxation be given in any case beyond that limit.

18. The Management's case is that though he had completed more than 240 days during twelve calendar months his absence was for more than five years and therefore he could not be granted temporary status as envisaged by circular dated 7th February, 1990, 7th June 1990. As against this the case of the workman is that he was in employment till March 1986 when intimation of no work was given and had completed more than 240 days and in 1990 when the circular was issued there was no break of more than five years. At the time of introduction of the scheme there was no time limit and also when another circular dated 7th June 1990 was issued there was no time limit for period of absence. In fact it was mentioned that period of absence for the granting of temporary status to the casual mazdoor could be condoned by the concerned TDE without any limit. On 14th March 1991 that period is sought to be restricted to five years' absence for condonation. That according to him could not have been done because by the time this circular of dated 14-3-1991 was issued he was already eligible for the grant of temporary status. In fact Annexure 'G' is produced as order dated 28th July 1990 by which temporary status has been conferred on casual mazdoors in accordance with the circular dated 7-6-1990. Many casual mazdoors have been conferred that status with effect from 1-10-1989. The names were approval on 23-7-1990 and 24-7-1990 by TDM Jalgaon. On 13-7-1990 four casual labourers were found eligible for temporary status on the basis of more than 240 days of work in twelve calendar months (Annexure 'D'). Annexure 'E' mentions names of ten casual labourers 2 of them are recommended by letter dated 7-8-1990 Annexure 'D'. Annexure 'G' dated 28-7-1990 contains names of several persons who are included in the seniority list of casual mazdoors in Bhusaval sub-division as on 7-5-1985. Therefore it appears that reliance upon subsequent circular dated 14-3-1991 to deny Shri Ingle confirmment of temporary status on the ground that it was a case of absence of more than five years and that could not be condoned would not be correct. As per the earlier guidelines issued he was eligible and even if it was a case of beyond five years—which it was not—it could have been condoned.

19. There is one more aspect which has to be noted. Management has contended in its written statement that in 1988 he was invited to join and he did join and worked for 2 days. If that is so then absence even in 1991 was not for a period of more than five years. Workman who was in the seniority list at Sr. No. 139 in Annexure 'A'(III) could have been given a temporary status when it was given to others in the list dated 28-7-1990 Annexure 'G' at any rate with effect from the date he made a representation in September 1991 in view of the guidelines issued on 7-2-1990. He is not entitled to reinstatement or back wages. All that he is entitled to in my opinion is absorption, and confirmment of temporary status with effect from the date he is absorbed.

Award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

ई वि० नं० 11 जनवरी, 1995

का. प्रा. 313—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार बम्बई टेलीफोन को-ऑप कन्टीन सोसाइटी लिमि० के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके जर्मनों के बीच, प्रत्यक्ष में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 2, बम्बई 3 पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-1-1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-40012/53/85—डी 11(सी)]

के. वा. धी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th January, 1995

S.O. 313.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Bombay, as shown in the 'Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bombay Telephones Co-Op. Canteen Society Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 12-1-95.

[No. J-40012/53/85-D.II(B)]

E.V.B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT

INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2

BOMBAY

PRESENT :

SHRI S.B. PANSE, Presiding Officer.

REFERENCE NO. CGIT-2/12 OF 1987

Employers in relation to the management of Bombay Telephones Co-Op. Canteen Society Limited.

And

Their Workmen.

For the MNTL (Employer No. 1) : Ms. S.N. Mhatre, Advocate.

For the Canteen Society (Employer No. 2) :
No Appearance.

For the Workmen : Shri S. Poojari Advocate.

Bombay, dated 21st December, 1994

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its Letter No. L-40012/50/85-D. II(B) dated 16-12-1986 referred to the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication. It is in the following terms :

"Whether the action of the Hon'ble Secretary Bombay Telephone Co-Op. Canteen Society Ltd., Parel Telephone Complex, Parel, Bombay in terminating the services of Shri Kusha N. Devadiga, Waiter with effect from 18-9-72 is justified ? If not, to what relief the said workman is entitled ?"

2. Shri Devadiga filed his statement of claim contending that M/s. Bombay Telephones Co-operative Canteen Society Limited is the employer. It caters to the needs of the employees employed in the Bombay Telephones (Now known as The Mahanagar Telephone Nigam Limited). The Employer has a number of canteens all over Bombay for the employees of the Bombay Telephones.

3. The workman worked with the employer for a period of 2 years as a Waiter and was drawing of Rs. 129.50 per month and in addition to, he was provided with free food. He along with the others enrolled as the member of the Union known as the Hotel Mazoor Sabha. In 1979 the workers of the Union started agitation for higher wages and other service conditions. The Employer in reference informed the workmen and others that they will be transferred to their branches at different places. In fact, when the employee was recruited, he was not given to understand the terms and nor an appointment letter was given to him informing him that he will get transferred to their branches at different places. Under this circumstances, the workman Under his circumstances, the workman refused to accept the transfer and insisted the employer that he should not be transferred as the proposed transfer is with a malafide and with ulterior motive. The employer got annoyed and terminated the services of the workman vide letter

dated 19-9-79. It did not comply with the various provisions of the Labour Laws. No departmental enquiry was held against the workman nor he was given any compensation.

4. The workman raised a demand for reinstatement under section 2(K) of the Industrial Disputes Act of 1947. That was referred to the 8th Labour Court, Bombay being referred No. 69 of 1980. Ultimately the Labour Court came to the conclusion that it has no jurisdiction to try it but the Central Industrial Tribunal has jurisdiction. Thereafter, again the workman sent a demand letter to the employer dated 4-1-85. But there was no response from the employer. Thereafter he again sought the help of the Assistant Labour Commissioner and ultimately he gave a negative report to the Government of India, which in turn had sent the following industrial dispute for adjudication.

5. The workman contended that the Bombay Telephone now known as the Mahanagar Telephone Nigam Limited was and is the employer. The department provided the society a premises to run the canteen and supplies free of charge furniture, electricity, water, water, utensils, uniforms etc. to the employees and also 70 per cent subsidy against the salary of the employees employed in the canteen society etc. Now the canteen where the workman was working was taken over by the Mahanagar Telephone Nigam Limited and now he is the over all incharge of the canteen.

6. The workman prayed for reinstatement in services with full back wages and continuity in service. He also claimed all the other reliefs.

7. The Bombay Telephones Co-operative Society canteen has filed its written statement at Exh. 3. It has also contended that the workman after his termination of services has not preferred appeal before the higher authorities for his alleged wrongful termination and had straightway approached to the Tribunal which is not permissible and as such the reference is to be rejected as non maintainable. It is pleaded that the order of reference is stale and belated. Here it should not be entertained or allowed.

8. It is averred that in the year 1978, it used to run and maintained 14 canteens. It had then in its employment about 80 employees. At present the establishment is running and maintaining only one canteen at Chembur and has only six employees in its employment.

The said contract is tenable up to 30-4-87, and on the said date it will have to surrender the said premises to the department. It is therefore the society is not in a position to meet the demands raised by workmen due to the aforesaid facts and circumstances.

9. The society admits that by the order dtd. 1-9-79 it transferred 15 Canteen employees to the various canteens of the society in Bombay as per the exigency of work. The workman concerned was also transferred. He along with four others refused to accept the order of transfer served upon them by the Honorary Secretary. The order of transfer was sent through registered a.d. as well as under postal certificate. The envelope came back with the endorsement refused. The workman thereafter did not come to attend the duty neither at the original place of work nor at the place of transfer. The then joined Honorary Secretary by his order dtd. 18-9-79 terminated the services of the workman and other four employees as per the administration instruction manual of the department/Co-operative society canteen under the Central Government establishment. The workman was directed to collect the same. As the workman did not prefer the appeal the order becomes final. It is legal.

10. The society contended that the workman is not entitled to reinstatement because he refused to accept the transfer order and failed to report to his duty. The Canteen facility of the society is an essential service and the post could not be kept vacant indefinitely for not joining of the workman. Furthermore, the workman cannot be reinstated as there is no post where he can be accommodated in view of the fact that the management has now got only one canteen in its hand. It is averred that the workman is also not entitled to back wages because the financial position of the society is such that it will not be able to bear the burden of back wages for the period the said relief is claimed. Furthermore, the workman is solely responsible for the delay in raising the dispute and also for approaching the wrong forum. It is therefore submitted that no back wages can be granted to the workman in the present dispute. It is further pleaded that the society is run on no profit and no loss basis and if any such direction is given then the society will be out of business.

11. The Society contended that it may be permitted to adduce oral or documentary evidence in support of order dtd. 18-9-91 before the Honourable Tribunal.

12. In view of the orders passed by the High Court of Judicature at Bombay, the Mahanagar Telephone Nigam Limited filed its written statement at Exh. 11 after joining as a party. It is contended that there is no master and servant re-

lationship between the workman and it. It is asserted that this is not the authority appointed by the Disciplinary Authority of the canteen workers. It has no control over them. It adopted the written statement which was filed by the canteen society. It is submitted that Mahanagar Telephone Nigam Limited is not a party to this reference and therefore no order can be passed against it.

13. My Learned Predecessor framed issues for determination at Exh. 9. The issues and my findings thereon are as follows :

- | Issues | Findings |
|--|---|
| 1. Whether the present reference is not tenable and is bad in law ? | It is not tenable |
| 2. Whether the claim of the workman is stale? | NO |
| 2A. Whether no relationship of servant and master exists between the Mahanagar Telephone Nigam Limited and the workman in question? | It exists |
| 3. Whether the action of the Bombay Telephone Co-operative Canteen Society Limited, Parel Telephone Complex, Parel Bombay in terminating the services of Shri Kusha N. Devadiga Walter w.e.f. 18-9-72 is justified ? | Not justified, |
| 4. If not, to what relief the said Workman is entitled ? | He is entitled to reinstatement with full back wages and continuity in service. |
| 5. What Award ? | As per order below. |

REASONS

14. It is not in dispute that the workman was in the service with the Canteen Society for a period of 2 years as a Waiter. It is also not in dispute that he was transferred to another branch at Bombay along with the other Canteen workmen. He therefore did not join the duties there. It is also not in dispute that the management thereafter terminated the services of the workman on 19-9-72

(order annexure 3). It is not the case of the management that while terminating the services of the workman, a departmental enquiry was held against him and he was found guilty. As his services were terminated without any notice he approached the Assistant Labour Commissioner for settlement, who in turn gave a negative report to the Government of India and this reference was made to this Tribunal for adjudication. As the workman was terminated without following the principles of law, the reference is made which is just and proper. Nothing is brought to my notice how the reference can be said to be not tenable and bad in law.

15. Admittedly, the workman Devadiga was directed to approach the said authority the said Labour Court and there a contention was taken by the management that the state is not the competent authority. The matter was then moved upto the High Court and there it was found that the Central Government is the proper forum. Then the workman approached the Assistant Labour Commissioner for his conclusion and on his negative report the reference is made. It can be seen that the demand of the workman was rejected. It is not that he was sitting idle and then after a lapse of some years had moved the Labour Commissioner and then to the Tribunal. I do not find the claim to be a stale one.

16. The workman and his witness affirmed that they work in the Canteen for about two years. They became the member of the Hotel Mazdoor Sangh. They started an agitation for getting higher salaries and other benefits. They were told by the management that because of that they will be transferred to some other places and accordingly they were transferred. They declined to join the places of duty and were terminated from the services. They have affirmed that no departmental enquiry was held against them at the time of termination. It is tried to suggest that they did not accept the transfer order nor did they join the original place of duty or the place where they were transferred. That does not mean that the departmental enquiry was not to be held against them. Not holding the departmental enquiry and terminating the services of the workman is not known to law. The action of the management is definitely illegal, improper and uncalled for.

17. It is not in dispute that not the Bombay telephones has been taken over by the Mahanagar Telephone Nigam Limited and running them departmentally. It grants 70% of the wages bill etc. to the subsidies the departmental canteen provides them with the cost of premises, fuel water utensils, furnitures and fixtures and other things for the canteen. Section 18(3) (C) of the Industrial Disputes Act refers to ;

“Where the party referred in class (a) or clause (b) is the employer, his heirs,

successors are in respect of the establishment to which the dispute relates”.

Here in this case the Mahanagar Telephone Nigam Limited is the successor in respect of the establishment relating to which the dispute arose. It can be seen that in another reference Mahanagar Telephone Nigam Limited had taken the stand that it should not be made party to the reference which was rejected by the Tribunal. The matter was taken up to the High Court wherein the order of the Tribunal was confirmed. The Mahanagar Telephone Nigam Limited had taken over the Canteens from the society and started running them departmentally. The result is that all the assets and liabilities are taken over by the Mahanagar Telephone Nigam Limited as the particular employee and successor incharge section 18(3) of the Industrial Disputes Act. Naturally they are the party to implement the award.

18. It is tried to argue that the workman without preferring an appeal and filing a writ petition had directly raised the reference which is bad in law. In Markandey Singh I.P.S. and others v/s. M. L. Bhanot I.P.S. and others, 1988 Supreme Court case page 21 it is observed by their Lordships that failure to prefer an appeal under Rule 16 or apply for review under Rule 24 is no bar to the submission of the memorials to the President. It can be further seen that nothing is brought before me to show how the reference is bad in law as the workman had not filed an appeal or refused the same after his termination.

19. The workman had deposed that he is not employed anywhere at present. There is no evidence to show on behalf of the management that after his termination he is employed or earning something. Therefore it has to be held that he is not earning anything.

20. Admittedly, the management of the Canteen at the Cooperage Telephone Exchange is taken over by the Mahanagar Telephone Nigam Limited. The Canteen is presently managed by the departmental canteen committee consisting of a Chairman and a Secretary. Both these positions are held by the Officers of the Mahanagar Telephone Nigam Limited and as is clear from the name of the committee itself that the canteen is managed departmentally by a committee itself constituted by the Mahanagar Telephone Nigam Limited. There is nothing on the record to show that the Cooperage Telephone Exchange departmental canteen committee is a separate legal entity. As rightly contended on behalf of the workman the committee is constituted by the Mahanagar Telephone Nigam Limited to manage the canteen and the committee is managing the canteen as an agent of the Mahanagar Telephone Nigam Limited which is not the employer of the workman employed in the canteen in question. The Mahanagar Telephone Nigam

limited therefore is a necessary party to the reference and would be bound by this award.

21. For all these reasons I record my findings on the issues accordingly and pass the following order :

ORDER

1. The action of the Bombay Telephones Co-operative Society Limited, Parel Telephone Complex, Parel in terminating the services of Shri Kusha N. Devadiga Waiter with effect from 18-9-72 is not justified.
2. The Mahanagar Telephone Nigam Limited is directed to re-instate the workman with full back wages for the entire period of his involuntary employment i.e. 18-9-72 till his reinstatement in service.
3. The Mahanagar Telephone Nigam Limited is directed to pay Rs. 300 as the cost of this reference and bear its own.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1995

का. आ. 314 :—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित है, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ग) की उपधारा (vi) के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की तारीख 26 जुलाई, 1994 को प्रविमूचना मध्या 2003 के तहत दिल्ली दुग्ध योजना के अधीन दुग्ध आपूर्ति उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ 29 जुलाई, 1994 से छह माह की कालावधि के लिए लोकोपयोगी सेवा घोषित किया था,

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त अवधि की और छह माह के लिए बढ़ाता अपेक्षित है,

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ग) की उपधारा (vi) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ 29 जनवरी, 1995 से छह माह की कालावधि के लिए लोकोपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस 11017/14/81-डी-1(ए)]

एस एस पराशर, अवर सचिव

New Delhi, the 13th January, 1995

S.O. 314.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 2003 dated 26th July, 1994 the industry for the supply of milk under the Delhi Milk Scheme to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 29th July, 1994;

And, whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension

of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred of the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for further period of six months from the 29th January, 1995.

[No. S-11017/14/81-D.I(A)]
S. S. PRASHER, Under Secy.

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1995

का. आ. 315 :—भारत के राजपत्र भाग-2 खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 19 फरवरी, 1994 के पृष्ठ 535 पर प्रकाशित भारत सरकार के श्रम मंत्रालय का आ. 517 दिनांक 20-1-94 के अन्तिम पंक्ति में कालम हॉबली के नाते “बंगारपेट” के स्थान पर “रोबर्टसन पेट” पढ़ा जाए।

[संख्या एस 38013/1/94 एस एस 1]

जे. पी. शुक्ला, अवर सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 16th January, 1995

S.O. 315.—In the Ministry of Labour notification No. S.O. 517 dated the 20th January, 1994 published at page 535 of the Gazette of India, Part II, Section (3), Sub-Section (ii) dated the 19th February, 1994 in the last line below column Hobli for ‘Bangarpet’ read ‘Robertsonpet’.

[No. S-38013/1/94-SS.I]
J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1995

का. आ. 316 :—कर्मचारी राज्य बंसा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एन.डी.आर. 1-2-1995 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 धारा 44 और 45 के विषय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है और अध्याय 5 और 6 [भाग 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के विषय जो पहले ही प्रवृत्त की चुकी है] के उपबन्ध आश्रय प्रद्वेष राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्—

जिला कृष्णा के पैनामापूर मंडल में राजन्ध्र ग्राम टाडोगाड़ा के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

[संख्या एस 38013/5/95 एस एस-1]

जे. पी. शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 16th January, 1995

S.O. 316.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees’

State Insurance Act 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st February 1995 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Andhra Pradesh namely:—

“Areas falling within the limits of Tadigadapa revenue Village of Penamaluru Mandal in Krishna District.”

[No. S-38013/5/95-SS.I]
J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1995

का. प्रा. 317 :—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा—1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1-2-1995 को उस तारीख के रूप में नियम करती है, जिसकी उक्त अधिनियम के अध्याय—4 धारा—44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और अध्याय—5 और 6 (धारा—76 की उपधारा (1) और धारा—77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध तमिलनाडु राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

“जिला चेन्नई एम जी आर के तालुक सैदामेट में राजस्व ग्राम आयानामबक्कम के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

[संख्या : एम—38013/4/95—एम एस—1]
जे. पी. शुकला, अवर सचिव

New Delhi, the 16th January, 1995

S.O. 317.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st January, 1995 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V

and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Tamil Nadu namely:—

“Areas comprising the revenue village of Ayanambakkam in Saidapet Taluk of Changan MGR District”.

[No. S-38013/4/95-SS.I]
J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1995

का. प्रा. 318 :—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा—1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1-2-1995 को उस तारीख के रूप में नियम करती है, जिसकी उक्त अधिनियम के अध्याय—4 धारा—44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और अध्याय—5 और 6) धारा—76 की उपधारा (1) और धारा—77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध असम राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

क्षेत्र का नाम	राजस्व ग्राम का नाम	साउन्ना एवं तालुक	जिला
तेजपुर शहर के बाहरी क्षेत्र			
तेजपुर शहर से	गटलीग	भाईरबपद	सोनितपुर
कालियाभोमोरा	डोलबाड़ी संख्या-1	भाईरबपद	सोनितपुर
पुल तक नेशनल हाईवे संख्या-52	डोलबाड़ी संख्या-2	भाईरबपद	सोनितपुर
के दोनों तरफ	चटाईचपारी	महाभाईरब	सोनितपुर
	गटोंगा कहदल	होशबर	सोनितपुर
	नेशनल हाईवे संख्या—52		

[संख्या : एम—38013/6/95-एम एस—1]
जे. पी. शुकला, अवर सचिव

New Delhi, the 16th January 1995

S.O. 318.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st February, 1995 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Assam namely :

Name of Centre	Name of Revenue Village	Mouza & Taluk	District
‘Bhth sides of National Highway No. 52 from Tezpur town to Kaliabhomora Bridge’	Gatlona	Bhairabpad	Sonitpur
	Dolabari No. 1	Bhairabpad	Sonitpur
	Dolabari No. 2	Bhairabpad	Sonitpur
	Chataichapari	Mahabhairab	Sonitpur
	Gatanga Khadal,	Haleswar	Sonitpur
	National Highway 52		

[No. S-38013/6/95-SS.I]
J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1995

का. प्रा. 319.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा—1 की उपधारा (3) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1-2-1995 को उस तारीख के रूप में नियम करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय—4 धारा—44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और अध्याय—5 और 6) (धारा—76 की उपधारा (1) और धारा—77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध असम राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

क्षेत्र का नाम	राजस्व ग्राम का नाम	भाउजा एवं तालुक	जिला
----------------	---------------------	-----------------	------

नितमुकिया के बाहरी क्षेत्र

1. बरगुरी संख्या-1 बालुपारा रंगगोरा नितमुकिया

New Delhi, the 16th January, 1995

S.O. 319.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st February, 1995 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Assam namely :—

Name of Centre	Name of Revenue Village	Mouza & Taluk	District
Suburbs of Tinsukia namely, 1. Barguri 2. Laipuli	No. 1 Balupara Gaon Okonimuria Kachari Gaon Dimaruguri Gaon	Rangagora Bogaung Gharband	Tinsukia Tinsukia Tinsukia
Suburbs of Mahum namely, 3. Barhapjan	No. 1 Chotahapjan Gaon Barekuri Gaon/Gangabari, Barhapjan	Hapjan Hapjan	Tinsukia Tinsukia

[No. S-38013/3/95-SS.I]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जनवरी 1995

का.प्रा. 320.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1-2-1995 को उस तारीख के रूप में नियम करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और अध्याय-5 और 6) धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध आन्ध्र प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

“जिला पश्चिम गोदावरी के कोवूर मंडल में राजस्व ग्राम डोम्वर के ग्रन्थगत आने वाले क्षेत्र”।

[संख्या : एम-38013/10/95-एसएस-1]

जे. पी. शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 18th January, 1995

S.O. —In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st January,

1995 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Andhra Pradesh namely:—

“Areas falling within the limits of revenue village of Dommeru in Kovvur Mandal in West Godavari District.”

[No. S-38013/10/95-SS.I]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1995

का.प्रा. 321.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1-2-1995 को उस तारीख के रूप में नियम करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-1 और धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और अध्याय-5 और 6) धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और

81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध आन्ध्रा प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

“जिला अनन्तपुर के हिन्दूपुर मंडल के राजस्व ग्राम थुमुकुन्टा के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

[संख्या एम-38013/7/95-एसएस-1]

जे. पी. शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 18th January, 1995

S.O. 321.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st February, 1995 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Andhra Pradesh namely :—

“Areas falling within the limits of Thumukunta revenue Village of Hindu-pur Mandal in Anantapur District.”

[No. S-38013/7/95-SS.I]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1995

कां०आ० 322.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1-2-1995 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और अध्याय-5 और 6 धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध आन्ध्रा प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

“जिला पश्चिम गोदावरी के टाडेपल्ली गृहम मंडल में राजस्व ग्राम पेडाटाडेपल्ली, कदकटला, यगरलापल्ली और अनंतपुर मंडल में राजस्व ग्राम बादामपुड़ी के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

[संख्या एम-38013/11/95-एसएस-1]

जे. पी. शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 18th January, 1995

S.O. 322.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st February, 1995 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Andhra Pradesh namely :—

“Areas falling within the limits of revenue Villages of Pedatadepalli, Kadakatla, Yagarlapalli in Tadepalligudem mandal and Badampudi in Ungutur mandal of West Godavari District.”

[No. S-38013/11/95-SS.I]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1995

कां०आ० 323.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1-2-1995 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और अध्याय-5 और 6 धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध आन्ध्रा प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

“जिला मेडक के सदासिवपेट मंडल में राजस्व ग्राम अकनपल्ली, सुरारम, मेडिकुन्टा, थंगडापल्ली, मेलगिरीपेट, अरूर, कोंडापुर, चन्दापुर, वेंकटपुर, एन्केपल्ली, निजामपुर, वेल्तूर, रंगिथल, कम्बलपल्ली, सिद्धापुर, नन्दीकन्डी और पेडापुर के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

[संख्या : एस-38013/8/95-एसएस-1]

जे. पी. शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 18th January, 1995

S.O. 323.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st February, 1995 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (Except Sub-section (1) of Section 76 and Section 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Andhra Pradesh namely :—

“Areas falling within the revenue Villages of Ankanapally, Surarum, Meddikunta, Thangedapally, Melgiripet, Aroor, Kondapur, Chandapur, Venkatapur, Enkepally, Nizampur, Veltoor, Reginthal, Kambalpalli, Siddapur, Nandikandi and Peddapur in Sadasivapet Mandal of Medak District.”

[No. S-38013/8/95-SS.I]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1995

कां०आ० 324.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1-2-1995 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 धारा-44 और

45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और अध्याय-5 और 6 धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध आन्ध्रा प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

“जिला बिलूर के रेतीगुन्टा मंडल में राजस्व ग्राम करकम्बाड़ी के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

[संख्या:एस-38013/9/95-एसएस-1]

जे०पी० शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 18th January, 1995

S.O. 324.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st February, 1995 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Andhra Pradesh namely :—

“Areas falling within the revenue village of Karakambadi in Renigunta Mandal of Chittoor District.”

[No. S-38013/9/95-SS.I]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1995

का०आ० 325—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग

करते हुए, केन्द्रीय सरकार एन०आर० 1-2-1995 को उक्त तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और अध्याय-5 और 6 धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध पाण्डिचेरी संघ राज्य क्षेत्र राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

“पाण्डिचेरी संघ राज्य क्षेत्र की यमन नगर पालिका सीमा के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्रों में”।

[संख्या एस-38013/12/95-एसएस-1]

जे०पी० शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 18th January, 1995

S.O. 325.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st February, 1995 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the Union Territory of Pondicherry namely :—

“The areas falling within the limits of Yanam Municipality in Union Territory of Pondicherry.”

[No. S-38013/12/95-SS.I]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

